राष्ट्रीय संस्करण

किसानों-मछुआरों के हितों की रक्षा में सफल रहा भारत
>>10

वर्ष 7 अंक 265

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, रविवार, 3 मार्च, 2024

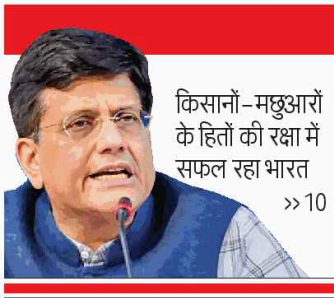

www.jagran.com

पृष्ठ 14

रविवार विशेष

तकनीक और नवाचार से नया रूप गढ़ रहा वस्त्र उद्योग

• पेज-7

संपादकीय

कांग्रेस के लिए कठिन होती लड़ाई: हिमाचल का घटनाक्रम यही बता रहा है कि कांग्रेस की अपने नेताओं पर पकड़ नहीं और वह उनके असंतोष की परवाह भी नहीं करती। **संजय गुप्त** का आलेख।

नेताओं के मन की आवाज: नेताओं को जनता की समस्याएं भले न सुनाई दें, किंतु आत्मा या मन की आवाज तड़ से सुनाई दे जाती है। **कमल किशोर सक्सेना** का व्यंग्य। • पेज-8

विमर्श

हिंदी और गांधी के सपनों पर ग्रहण : महाराष्ट्र के वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। परंतु कुछ समय से यहां पूर्णकालिक कुलपति नहीं होने के कारण इसका कामकाज उचित तरीके से नहीं हो रहा है, जिसे विश्लेषित कर रहे हैं, **अनंत विजय**। • पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

मतांतरण का अर्थ राष्ट्रांतरण, हम सहन नहीं करेंगे: साय

पंच पद से 1989 में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले विष्णुदेव साय अपनी 35 वर्ष की राजनीतिक यात्रा तय करने के बाद अब छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री हैं। वह आदिवासियों को हिंदुओं से अलग बताने वालों के समक्ष मतांतरण विरोधी सशक्त चेहरा बनकर उभरे हैं। वह साफ-साफ कहते हैं कि उनके लिए मतांतरण का अर्थ राष्ट्रांतरण है। भय या लोभ से किए गए किसी भी मतांतरण को सहन नहीं करेंगे। साथ ही नक्सलियों पर भी सख्ती को लेकर अपनी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति पर जोर देते हैं। विभिन्न विषयों पर सरकार के दृष्टिकोण पर नईदुनिया छत्तीसगढ़ के राज्य ब्यूरो प्रमुख संदीप तिवारी ने मुख्यमंत्री साय से विस्तार से बातचीत की है। • पेज-13

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

सरकार की सख्ती के बाद गूगल ने बहाल किए हटाए गए कुछ एप

नई दिल्ली: सरकार की सख्ती के बीच गूगल ने प्लेस्टोर से हटाए गए कुछ भारतीय एप बहाल कर दिए हैं। इन एप में नौकरी. काम और 99एकड़ शामिल हैं। इन्फो एज के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने एक्स पर पोस्ट कर पुष्टि की कि इन्फो एज के कई एप प्लेस्टोर पर वापस आ गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 11

26/11 के साजिशकर्ता आजम चीमा की पाकिस्तान में मौत

नई दिल्ली: मुंबई आतंकी हमले (26/11) की साजिश रचने वाले आजम चीमा की पाकिस्तान के फैसलाबाद शहर में मौत हो गई है। वह लश्कर-ए-तैयबा का खुफिया सरगना था। भारत में कई आतंकी हमलों में उसका हाथ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दिल का दौरा पड़ने के कारण चीमा की मौत हुई है। हालांकि, किसी एजेंसी ने उसकी मौत की पुष्टि नहीं की है।

मिशन 2024 ▸ भाजपा ने जारी की 195 उम्मीदवारों की पहली सूची, ओबीसी और एससी/एसटी वर्ग से 102 प्रत्याशी

वाराणसी से मोदी, गांधीनगर से लड़ेंगे शाह

- राजनाथ समेत 34 केंद्रीय मंत्रियों को टिकट, उत्तर प्रदेश की 51 सीटों के उम्मीदवार तय
- विवादों में रहे बिधूड़ी और प्रज्ञा सिंह ठाकुर का टिकट कटा
- बृजभूषण और मेनका गांधी की सीट का अभी फैसला नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के सफल फार्मूले को अपनाते हुए भाजपा ने लोकसभा चुनाव की घोषणा के पहले ही एक तिहाई से अधिक सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा शनिवार को कर दी। 195 उम्मीदवारों वाली पहली सूची में पहला नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का है, जो अपने पुराने क्षेत्र वाराणसी से तीसरी बार मैदान में होंगे। उनके साथ ही राजनाथ सिंह लखनऊ और अमित शाह गांधीनगर से फिर मैदान में होंगे। ओबीसी और एससी/एसटी वर्ग से 102 लोगों को टिकट मिला है।

मेनका गांधी और बृजभूषण की सीट पर अभी फैसला नहीं हुआ है। विपक्षी सांसद दानिश अली पर विवादास्पद टिप्पणी करने वाले दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी और आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए कई बार आलोचना झेल चुकीं प्रज्ञा सिंह ठाकुर का टिकट कट गया है। फिलहाल राज्यसभा आए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को राजस्थान के अलवर, मनसुख मांडविया को गुजरात के पोरबंदर और राजीव चंद्रशेखर को केरल के तिरुअनंतपुरम से टिकट दिया गया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देब को भी टिकट मिला है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कोटा से फिर से टिकट मिला है।

पहली सूची में 16 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों की सीटें शामिल: दो दिन पहले हुई केंद्रीय चुनाव समिति में तय किए गए उम्मीदवारों की जानकारी देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा, पहली सूची में 16 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों की लोकसभा सीटें शामिल हैं। उन्होंने कहा, उम्मीदवारों के चयन में सभी वर्गों, समाज और जातियों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

आंकड़ों के आईने में पहली सूची

16 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 195 उम्मीदवार घोषित

28 महिलाओं को बनाया गया प्रत्याशी

47 प्रत्याशियों की उम्र 50 साल से कम (युवा)

57 प्रत्याशी ओबीसी से, 27 अनुसूचित जाति और 18 अनुसूचित जनजाति से

2 पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी टिकट। इनमें शिवराज सिंह (मध्य प्रदेश) व विप्लव देव (त्रिपुरा) शामिल

शनिवार को भाजपा मुख्यालय में लोकसभा चुनाव के लिए प्रथम सूची जारी करते भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े (बीच में)। साथ में हैं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा व अनिल बलूनी। ध्रुव कुमार

5 सीटों पर दिल्ली के प्रत्याशी घोषित, इनमें से चार पर नए चेहरे

155 सीटें इनमें से 2019 में जीती थी भाजपा

भाजपा ने जिन 195 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं, उनमें से 155 सीटें ऐसी हैं जहां पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। इस सूची में पार्टी ने अपने 20 प्रतिशत से ज्यादा सांसदों का टिकट काटा है। यही नहीं, वर्तमान केंद्र सरकार में सात मंत्री राज्यसभा से हैं, इस बार इन्हें लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपने जिन 51 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, उनमें से 44 सांसदों को फिर टिकट दिया गया है।

हम सुशासन के अपने ट्रैक रिकार्ड के आधार पर लोगों के पास जा रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रगति का लाभ सबसे गरीब लोगों तक पहुंचे। मैं उन सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं जिन्हें हमारी पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। मुझे यकीन है कि भारत के 140 करोड़ लोग हमें फिर से आशीर्वाद देंगे और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और एक विकसित भारत बनाने के लिए हमें और ताकत देंगे। - **नरेन्द्र मोदी**

कहां कितनी सीटों पर प्रत्याशी घोषित

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	कुल सीटें	प्रत्याशी घोषित
उत्तर प्रदेश	80	51
बंगाल	42	20
मध्य प्रदेश	29	24
गुजरात	26	15
राजस्थान	25	15
केरल	21	12
तेलंगाना	17	9
असम	14	11
झारखंड	14	11
छत्तीसगढ़	11	11
दिल्ली	7	5
जम्मू-कश्मीर	5	2
उत्तराखंड	5	3
अरुणाचल प्रदेश	2	2
त्रिपुरा	2	1
दमन-दीव	1	1
अंडमान निकोबार	1	1
गोवा	1	1

वाराणसी से अब हैट्रिक की तैयारी में मोदी >>5

पहली सूची में बदलाव उन राज्यों में जहां विपक्षी गठबंधन का नया समीकरण उभरा >>5

पहाड़ों पर हिमपात और मैदान में वर्षा से फसलों को नुकसान

नई दिल्ली: उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में कई दिन से हिमपात के साथ वर्षा हो रही है। इसी का असर है कि शनिवार को दिल्ली-एनसीआर के साथ आसपास के राज्यों में भी हल्की वर्षा हुई। इससे फसलों को भी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी और वर्षा के चलते ठंड बढ़ गई है। हिमाचल में भी अधिकतर स्थानों पर वर्षा व हिमपात हुआ। (पेज-6)

अब हर शहर में खुलेगा एक सहकारी बैंक: शाह

नई दिल्ली: केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को समृद्ध करने के लिए हर शहर में कम से कम एक शहरी सहकारी बैंक की स्थापना होगी। उन्होंने सहकारी बैंकों को आम जनता की समृद्धि का रास्ता बताया। वह शनिवार को राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। (पेज-10)

झारखंड में स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म

दुमका: झारखंड में स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 28 वर्षीय महिला अपने 64 वर्षीय पति के साथ दो विदेशी बाइक से विश्व भ्रमण पर निकली थी। वह कोलकाता से नेपाल जाने के लिए बाइक से निकले थे। रास्ते में शाम हो जाने पर दुमका के हंसडीहा से गुजरने के क्रम में उन्होंने शिविर लगाया और रात्रि विश्राम करने लगी। (पेज-10)

चीन से कराची जा रहे जहाज को भारत ने मुंबई तट पर रोका

- जहाज में परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम से जुड़ा सामान होने की आशंका
- भारतीय एजेंसियां जहाज पर मौजूद सामान की जांच-पड़ताल में जुटीं

मुंबई, प्रेट्र : चीन से कराची जा रहे जहाज को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर इस संदेह पर रोक लिया है कि इसमें परमाणु कार्यक्रम के दोहरे उपयोग वाली सामग्री भेजी जा रही थी। इसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था।

सीमा शुल्क अधिकारियों ने खुफिया इनपुट के आधार पर 23 जनवरी को कराची जा रहे व्यावसायिक जहाज 'सीएमए सीजीएम अत्तिला' को रोक लिया और जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जहाज पर माल्टा का ध्वज लगा था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की टीम ने भी खेप का निरीक्षण किया और प्रमाणित किया कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जहाज पर लदा सामान पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण में उपयोगी हो सकता है।

बंदरगाह के अधिकारियों ने खुफिया जानकारी प्राप्त होने बाद भारतीय रक्षा अधिकारियों को सतर्क कर दिया था, जिन्होंने जहाज पर लदे माल का निरीक्षण किया और अपने संदेह की सूचना दी। इसके बाद खेप को जब्त कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान और चीन द्वारा संभावित प्रसार की रोकथाम के लिए यह जब्ती की गई है। सुरक्षा एजेंसियों की गहन जांच से पता चला है कि 22,180 किलोग्राम वजनी यह खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा पाकिस्तान स्थित कासमास इंजीनियरिंग के लिए भेजी गई थी। यह पहला मामला नहीं है, जब भारतीय बंदरगाह अधिकारियों ने चीन से पाकिस्तान भेजी जा रही ऐसी दोहरे उपयोग वाली सैन्य वस्तुओं को जब्त किया है। कासमास इंजीनियरिंग एक पाकिस्तानी रक्षा आपूर्तिकर्ता कंपनी है। यह 12 मार्च, 2022 से निगरानी सूची में है। उस समय भी भारतीय अधिकारियों ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर ही एक इतालवी कंपनी निर्मित थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों की खेप को रोक दिया था।

अधिकारियों को आशंका है कि पाकिस्तान यूरोप और अमेरिका से प्रतिबंधित वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए चीन का उपयोग माध्यम के रूप में कर सकता है, जिससे पहचान छिपाई जा सके। 2020 में भी ऐसा एक मामला सामने आ चुका है, जब मिसाइल उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण एक औद्योगिक आटोक्लेव को पाकिस्तान जा रहे एक चीनी जहाज पर औद्योगिक उपकरण के रूप में छिपाया गया था। जहाज पर लदे सामान में इतालवी कंपनी निर्मित एक कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल मशीन भी शामिल है।

मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर कंटेनर। प्रेट्र

भारत करता है सूचनाओं का आदान-प्रदान

सीएनसी मशीनों को 1996 से 'वासेनार' व्यवस्था में शामिल किया गया है। यह एक अंतरराष्ट्रीय हथियार नियंत्रण व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य नागरिक और सैन्य दोहरे उपयोग वाले उपकरणों के प्रसार को रोकना है। भारत उन 42 सदस्य देशों में एक है जो हथियारों व दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं व प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है।

राजग से डरी हुई हैं परिवारवादी पार्टियां : मोदी

- बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार पहुंचे पीएम ने कहा, अब बहेगी विकास की गंगा
- नौकरी के नाम पर जमीन कब्जा कर लेना सामाजिक न्याय नहीं, समाज से विश्वासघात है

जागरण टीम, पटना

जदयू-भाजपा की नई सरकार बनने के बाद पहली बार शनिवार को बिहार पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार ने रफ्तार पकड़ ली है। यहां विकास की गंगा बहेगी। उन्होंने परिवारवाद पर कड़ा प्रहार किया। कहा कि परिवारवादी पार्टियां राजग से डरी हुई हैं। आपके चेहरों की चमक विरोधियों की हवा उड़ा रही है। बिहार को लूटने का सपना देखने वालों के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं। विपक्षी नेता राज्यसभा की सीट खोज रहे हैं। विरासत में राजनीति एवं कुर्सी तो मिल जाती है, लेकिन वे अपने मां-बाप के काम का जिक्र तक नहीं कर पाते।

इससे पूर्व कोलकाता में दूसरे दिन भी प्रधानमंत्री ने ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पार्टी पर हमला जारी रखा। उन्होंने ममता सरकार व टीएमसी को अत्याचार, परिवारवाद और विश्वासघात का पर्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने योजनाओं को घोटालों में बदलने में महारत हासिल कर ली है।

बिहार के औरंगाबाद के रतनुआ में जनसभा में पीएम ने संबोधन की शुरुआत स्थानीय बोली मगही में रउवा सब के प्रणाम करइत ही, औरंगाबाद के धरती के नमन करइत ही, से की। कहा, बिहार की धरती पर आना कई मायने में मेरे लिए खास है। जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया, जिसकी खुशी हर जगह है। अयोध्या की खुशी बिहार के लोगों से साझा करने आया हूं। राज्य में डबल इंजन की सरकार ने रफ्तार पकड़ ली है। नमामि गंगा अभियान से काम हो रहा है। अब वाराणसी से कोलकाता पहुंचना आसान हो जाएगा। बिहार को फिर से पुराने दौर में नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा, हम जिस काम की शुरुआत करते हैं, उसे पूरा कर जनता को समर्पित करते हैं। यही राजग की पहचान और मोदी की गारंटी है। मोदी ने आह्वान किया कि विकास का उत्सव मनाइए, मोबाइल की लाइट जलाइए। उनके यह कहते एक लाख से अधिक लोगों ने समर्थन में मोबाइल की लाइट जला दी। पीएम ने यहां 21.5 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इसके बाद वह बेगूसराय के लिए रवाना हो गए, जहां उलाव हवाई अड्डे पर जनसभा में उन्होंने कहा कि राजद, कांग्रेस के लोग परिवारवाद को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बिहार समेत देश के लिए 1.62 लाख करोड़ के विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

औरंगाबाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा किया। जब पार्टी नेता प्रधानमंत्री को फूलों की माला पहनाने लगे तो मोदी ने नीतीश का हाथ थामा और उन्हें अपने करीब ले आए। प्रेट्र

संदेशखाली की नारी शक्ति दुर्गा बन खड़ी हुई तो ममता को झुकना पड़ा : मोदी >>5

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ दी सीबीआइ जांच की मंजूरी

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार से तनातनी के बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन के विरुद्ध ठग सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ की कथित वसूली मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत, सीबीआइ जांच की मंजूरी दी है। (पेज-2)

दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग समाधान के लिए खटखटाते हैं तांत्रिकों का द्वार

मुंबई: बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तांत्रिकों/बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं। मानसिक रूप से अक्षम लड़कियों के यौन शोषण के मामले में एक कथित तांत्रिक की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी की। (पेज-7)

पूर्वोत्तर में स्थायी शांति की ओर बढ़ा एक और कदम

- शाह की मौजूदगी में केंद्र, त्रिपुरा और टिपरा मोथा के बीच त्रिपक्षीय समझौता
- राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं के स्थायी समाधान की पहल
- गृह मंत्री बोले - पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, प्रेट्र : त्रिपुरा के मूल निवासियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शनिवार को टिपरा मोथा और त्रिपुरा तथा केंद्र सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर शाह ने कहा कि यह समझौता ऐतिहासिक अन्यायों को सुधारने और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए वास्तविकताओं को अपनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इसके पूर्व टिपरा मोथा के नेता प्रद्योत देबबर्मा ने लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के स्थायी समाधान की मांग करते हुए आमरण अनशन का सहारा लिया था। हालांकि, केंद्र सरकार के वार्ताकारों के आश्वासन के बाद देबबर्मा नई दिल्ली पहुंचे और समझौते पर सहमति जताई। शाह ने समझौते तक पहुंचने की दिशा में त्रिपुरा स्वदेशी प्रगतिशील क्षेत्रीय गठबंधन टिपरा मोथा और सभी आदिवासी दलों के साथ-साथ त्रिपुरा सरकार के ईमानदार प्रयासों और निभाई गई रचनात्मक भूमिका की भी सराहना की। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि विद्रोही संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के साथ शांति समझौता एक महत्वपूर्ण कदम है।

गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में शनिवार को केंद्र, त्रिपुरा और इंडिजिनस प्रोग्रेसिव रीजनल अलायंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। प्रेट्र

सुखद

अमेरिकी थिंक टैंक ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन ने 2022-23 के खपत खर्च डाटा के आधार पर किया अध्ययन, गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों की संख्या 2011-12 की 12.2 प्रतिशत से 2022-23 में दो प्रतिशत पर आई

भारत को घोर गरीबी के उन्मूलन में मिली कामयाबी

नई दिल्ली, प्रेट्र: थिंक टैंक नीति आयोग ने पिछले महीने एक रिपोर्ट में कहा था कि सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से बीते नौ वर्षों में करीब 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली है। अब अमेरिका के थिंक टैंक द ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के अर्थशास्त्रियों ने राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के हालिया खर्च खपत डाटा के आधार पर तैयार अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि भारत को घोर गरीबी का उन्मूलन करने में सफलता मिल गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है।

गरीबी उन्मूलन

इस अध्ययन में खर्च खपत डाटा के हवाले से कहा गया है कि 2011-12 के मुकाबले प्रति व्यक्ति खपत में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.6 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 3.1 प्रतिशत रही है।

शहरी और ग्रामीण असमानता में अभूतपूर्व गिरावट : इसके अलावा, शहरी और ग्रामीण असमानता में अभूतपूर्व गिरावट आई है। शहरी क्षेत्रों में गिनी 2011-12 की 36.7 से घटकर 31.9 पर आ गई है और ग्रामीण क्षेत्रों में गिनी 28.7 से गिरकर 27 हो गई है। गिनी एक प्रकार का सूचकांक है जो आय वितरण की असमानता को दर्शाता है। अध्ययन में कहा गया है कि असमानता में यह गिरावट ऐतिहासिक है। घोर गरीबी के लगभग खात्मे के बाद भारत को अब गरीबी रेखा का मापक स्तर ऊंचा करना चाहिए। इससे वास्तविक गरीबों तक पहुंच के लिए मौजूदा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को फिर से परिभाषित किया जा सकेगा। यह अध्ययन अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला और करण भसीन ने तैयार किया है।

प्रतीकात्मक

गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों की संख्या में बड़ी गिरावट

अध्ययन में कहा गया है कि कुल आबादी में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों (प्रतिदिन 1.90 डालर से कम खर्च करने वाले) की संख्या 2011-12 की 12.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में दो प्रतिशत आ गई है। यह गरीबों की संख्या में हर वर्ष 0.93 प्रतिशत की कमी के बराबर है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की संख्या घटकर 2.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में एक प्रतिशत रह गई है। दोनों अर्थशास्त्रियों ने जोर देकर कहा है कि इस अनुमान में सरकार की ओर से करीब दो तिहाई आबादी को दिए जाने वाले मुफ्त अनाज (गेहूं और चावल) और सार्वजनिक स्वास्थ्य व शिक्षा के आंकड़ों का उपयोग नहीं किया है। लेख में कहा गया है कि भारत में गरीबों की संख्या में जो गिरावट बीते 11 वर्षों में हुई है, इससे पहले वह गिरावट 30 वर्षों में हुई थी।

हिमाचल संकट का स्थाई समाधान निकालने पर मंथन कर रही कांग्रेस

- तीनों केंद्रीय पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट जल्द कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपे जाने की संभावना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के तीनों वरिष्ठ पर्यवेक्षकों के सब कुछ ठीक होने के दावे के विपरीत प्रदेश की सत्ता सियासत का अंदरूनी संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह के सियासी तेवरों और कदमों पर पार्टी नेतृत्व की सतर्क नजर है तो साथ ही समाधान का रास्ता निकालने पर मंथन भी चल रहा है। समझा जाता है कि केंद्रीय पर्यवेक्षक जल्द ही हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक हालात को लेकर अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेंगे।

सूत्रों के अनुसार, पर्यवेक्षकों की इस रिपोर्ट के आधार पर ही सुक्खू सरकार को संकट से निकालने की स्थाई राह निकाली जाएगी। इसमें संदेह नहीं कि राज्यसभा में अपने छह विधायकों की क्रास वोटिंग से मात खाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने इन विधायकों को अयोग्य घोषित कर सुक्खू सरकार को तत्कालिक संकट से बचा लिया। विक्रमादित्य भी सुक्खू सरकार से इस्तीफा देने के अपने कदम पीछे खींचने को राजी हो गए तो प्रतिभा सिंह ने भी संवाद से राह निकालने पर हामी भरी। लेकिन, तीन-चार दिन के भीतर ही मां-बेटे के बदल रहे तेवरों ने नेतृत्व की चिंता में इजाफा कर दिया है। तीन दिन के विदेश प्रवास से लौटे राहुल गांधी के शनिवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर रवाना होने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उनसे हिमाचल को लेकर वार्ता हुई। (पेज-5 भी देखें)

****

117 रहा शनिवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। इस गुणवत्ता वाली हवा को मध्यम श्रेणी का माना जाता है। सीपीसीबी के अनुसार अगले तीन दिन भी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता इसी श्रेणी में बरकरार रहेगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 3 मार्च, 2024

आज का मौसम

आसमान में बादल छाए रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
3 मार्च	26.0	15.0
4 मार्च	25.0	12.0
नोएडा		
3 मार्च	24.0	14.0
4 मार्च	26.0	10.0
गुरुग्राम		
3 मार्च	24.0	18.0
4 मार्च	21.0	15.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

बेंगलुरु में धमाके के बाद हाई अलर्ट पर दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली : बेंगलुरु के कैफे में शुक्रवार को हुए धमाके में 10 लोगों के घायल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने राजधानी की सुरक्षा बढ़ा दी है। जिला पुलिस प्रमुखों को भीड़-भाड़ वाले इलाकों, खासकर बाजारों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि दिल्ली के सभी बाजार संघों को सतर्क रहने और कोई भी संदिग्ध गतिविधि मिलने पर अपने स्थानीय पुलिस थानों से संपर्क करने के लिए कहा गया है। (जासं)

नाबालिग की हत्या कर लूटने वाले बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने मोहम्मद आकिब उर्फ भूरा निवासी बटला हाउस नामक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित जामिया नगर थाने में नाबालिग के साथ लूट कर उसकी हत्या करने में वांछित था। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के डीसीपी मनोज सी ने बताया कि 28 फरवरी को मुखबिर से जामिया नगर इलाके में एक बच्चे की हत्या और डकैती में शामिल आकिब के बारे में सूचना मिली। तुरंत छापेमारी टीम का गठन किया गया और फुट ओवर ब्रिज, डाबरी फ्लाईओवर, पंखा रोड के पास मुखबिर द्वारा पहचान करने पर आरोपित को पकड़ लिया गया। (जासं)

गिरफ्त से दूर सब्जी मंडी में फायरिंग के आरोपित

नई दिल्ली : उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी आर्य पुरा में शुक्रवार को हुई फायरिंग के तीनों आरोपित अभी तक पुलिस की गिरफ्तार से बाहर है। घटना को 24 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है और पुलिस अभी भी जांच कर जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी की बात कह रही है। मालूम हो कि शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे पत्थर वाली गली, आर्यपुरा सब्जी मंडी में फायरिंग की घटना हुई थी। (जासं)

उपराज्यपाल ने पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ दी सीबीआइ जांच की मंजूरी

कार्रवाई ▶ ठग सुकेश से प्रोटक्शन मनी के रूप में 10 करोड़ रुपये की वसूली का है आरोप

तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी के साथ मिलकर जबरन वसूली रैकेट चलाने का कथित मामला

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार से तनातनी के बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ ठग सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की कथित जबरन वसूली मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत, सीबीआइ जांच की मंजूरी दे दी है। वह उस समय तिहाड़ जेल में बंद था। जैन, जो अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में जेल मंत्री थे, पर तिहाड़ जेल से एक हाई प्रोफाइल जबरन वसूली रैकेट चलाने का आरोप है।

मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए जैन को भी तिहाड़ जेल में रखा गया था। राजनिवास के अनुसार, जैन ने जेल में वहां के

वीके सक्सेना। फाइल

अधिकारियों पर अपनी मालिश और दूसरी वीआइपी सुविधा प्रदान करने का दबाव डाला था। सीबीआइ जांच को मंजूरी देते हुए उपराज्यपाल ने मामले में जरूरी कार्रवाई के लिए इसे गृह मंत्रालय के पास भी भेज दिया है। उपराज्यपाल ने नौ फरवरी 2024 को जैन और तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल के इशारे पर जबरन पैसे वसूलने के आरोप में तिहाड़ जेल के तत्कालीन अधीक्षक राज कुमार के खिलाफ भी सीबीआइ जांच की मंजूरी दी थी।

यह मामला सुकेश चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिसमें सुकेश ने कहा है कि जैन ने 2018-21 के दौरान कई किस्तों में व्यक्तिगत रूप से या अपने सहयोगियों के माध्यम से प्रोटक्शन मनी के रूप में उससे 10 करोड़ रुपये लिए थे, ताकि वह दिल्ली की विभिन्न जेलों (तिहाड़, रोहिणी और मंडोली) में आराम और शांति से रह सके। उस दौरान जैन आम आदमी पार्टी सरकार में जेल मंत्री थे। मामले की जांच सीबीआइ द्वारा की जा रही है और सतर्कता निदेशालय (डीओवी), दिल्ली सरकार के माध्यम से उपराज्यपाल के पास इसकी अभियोजन मंजूरी का अनुरोध आया था, जो इस मामले में सक्षम प्राधिकारी हैं। सत्येंद्र जैन और राज कुमार के अलावा सुकेश ने 2019-22 के दौरान संदीप गोयल और मुकेश प्रसाद पर भी किस्तों में 12.50 करोड़ रुपये प्राप्त करने का आरोप लगाया था। उन पर अपने पदों का दुरुपयोग कर धन के बदले सुकेश और दिल्ली की जेलों में बंद अन्य हाई-प्रोफाइल कैदियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप है।

बुरी हार देख महाठग सुकेश चंद्रशेखर का सहारा ले रही भाजपा : सोमनाथ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ एलजी द्वारा सीबीआइ जांच की मंजूरी देने पर भाजपा पर निशाना साधा है। आप के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सातों सीटें बुरी तरह से हार रही है। इसलिए अब उसको तिहाड़ में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा में अरविंद केजरीवाल को लेकर इतना ज्यादा डर पैदा हो गया है कि वह चुनाव जीतने के लिए किसी का भी इस्तेमाल कर रही है, चाहे वो महाठग ही क्यों न हो।

उन्होंने एलजी से कहा कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के पास है। इसलिए एलजी को बताना चाहिए कि सुकेश किस 10 करोड़ रुपये के प्रोटेक्शन मनी की बात कर रहा है?

मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की न्यायिक हिरासत सात मार्च तक बढ़ी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ मनीष सिसोदिया के अधिवक्ता की आपत्ति पर मुलाकात पर लगाए खर्च की वसूली रोकी

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन। फाइल

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की न्यायिक हिरासत सात मार्च तक अदालत ने बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान दोनों आरोपित राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष पेश हुए। सिसोदिया के एक आवेदन पर अदालत ने मानवीय आधार पर जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जेल में बंद आप नेता सिसोदिया को अपनी बीमार पत्नी से मुलाकात पर आए खर्च की वसूली उनसे नहीं की जाए।

सिसोदिया के अधिवक्ता ने बताया कि जेल अधिकारियों ने आरोपित पर प्रति मुलाकात 40 हजार रुपये से अधिक की भारी राशि का खर्च बनाया है और इस प्रकार मुलाकात की यात्राओं का मासिक खर्च लगभग दो लाख रुपये आता है। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि इस भारी वित्तीय दायित्व के कारण आरोपित अदालत द्वारा दी गई पत्नी से मुलाकात की छूट का लाभ लेने की स्थिति में नहीं हो सकता है। अधिवक्ता ने कहा कि उनके मुवक्किल की वित्तीय स्थिति और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए अदालत द्वारा लगाई गई पिछली शर्त अन्यायपूर्ण थी। न्यायाधीश ने पांच फरवरी को हिरासत में रहते हुए सिसोदिया को सप्ताह में एक बार अपने घर पर बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी थी। साथ ही निर्देश दिया था कि घर आने-जाने का खर्च आरोपित द्वारा वहन किया जाएगा।

इससे पहले अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई इसके मद्देनजर स्थगित कर दी कि मामले से संबंधित एक आवेदन हाई कोर्ट के समक्ष लंबित है। अदालत ने 21 फरवरी को सिसोदिया को अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत दी थी। सिसोदिया को आबकारी घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआइ ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने नौ मार्च को गिरफ्तार किया था। दोनों ही मामले में सिसोदिया जेल में हैं। उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी है।

जेएमआइ परिसर में छात्रों के दो गुट भिड़े, तीन घायल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ पुलिस ने सात लोगों पर दर्ज की प्राथमिकी, आरोपितों को पकड़ने की हो रही कोशिश

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआइ) में शुक्रवार रात छात्रावास में खाने के बाद प्लेट रखने को लेकर छात्रों के गुटों में विवाद हो गया। बाद में विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसमें तीन छात्र घायल हो गए। घायलों का एम्स और होली फैमिली अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस आरोपितों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

एक छात्र ने बताया कि छात्रों के दो क्षेत्रीय गुटों में झगड़ा हुआ था। यह गुट पहले भी मारपीट में शामिल रह चुके हैं। छात्रावास की कैंटीन में विवाद हुआ था और यह इतना बढ़ गया कि प्राक्टर कार्यालय के सामने शताब्दी द्वार के अंदर छात्रों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे जामिया मिल्लिया इस्लामिया के गेट संख्या 13 पर झगड़े व मारपीट को लेकर पीसीआर काल मिली थी। सूचना पर स्थानीय एसएचओ समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां झगड़ा करने वाले लोग मौजूद नहीं थे। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ में पता चला कि जेएमआइ परिसर के भीतर छात्रों के कुछ गुटों के बीच में छात्रावास में खाना खाने के बाद प्लेट रखने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। यह विवाद बाद में बढ़कर मारपीट में तब्दील हो गया।

इसी दौरान पुलिस को छानबीन के बीच शुक्रवार रात को ही एम्स ट्रामा सेंटर और होली फैमिली अस्पताल से तीन लोगों के घायल होने की सूचना मिली। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि तीनों को घायल हालत में अस्पताल लाया गया है। तीनों घायलों की पहचान जेएमआइ में पढ़ने वाले बटला हाउस के 24 वर्षीय आदिल खान व 25 वर्षीय जफर और जामिया स्कूल में पढ़ने वाले 19 वर्षीय साकिब के रूप में हुई है।

बढ़ रहीं हिंसा की घटनाएं, जेएनयू प्रशासन के इंतजाम नाकाफी

उदय जगताप, नई दिल्ली

▶ छात्र संघ चुनाव की अधिसूचना जारी होने छात्र संगठनों में हो रही है भिड़ंत

▶ जीबीएम में भिड़ गए थे एबीवीपी और वाम संगठनों से जुड़े छात्र, उस दौरान कई छात्र हो गए थे घायल

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्र संघ चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी होने के बाद लगातार छात्र संगठन आमने-सामने आ रहे हैं। पिछले महीने की शुरुआत में यूनिवर्सिटी जनरल बाडी मीटिंग (यूजीबीएम) में छात्रों में मारपीट हुई थी। इसके बाद चुनाव समिति बनाने के लिए चल रही अध्ययन केंद्रों की जीबीएम के दौरान छात्र संगठन भिड़ गए और कई छात्र घायल हो गए। कई वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हैं। इनमें जेएनयू के सुरक्षा गार्ड छात्रों को रोक ही नहीं पा रहे हैं। उनके सामने ही छात्र मारपीट कर रहे हैं।

जेएनयू में सुरक्षा की जिम्मेदारी प्राइवेट एजेंसी साइक्लोप्स के पास है। वे विश्वविद्यालय के अलग-अलग केंद्रों में तैनात रहते हैं। चुनाव के लिए छात्रों की जीबीएम होती है या कोई प्रदर्शन होता है तो अलग से गार्ड को तैनात किया जाता है, लेकिन हमेशा देखने में आया है कि यह संख्या बहुत अधिक नहीं होती। नौ

JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

परिसर में बढ़ रही है हिंसा। फाइल

फरवरी को यूजीबीएम के दौरान दो हजार छात्र एकत्र थे, तब 40 से 50 गार्ड ही उनकी सुरक्षा में तैनात थे। ऐसे में जब झगड़ा हुआ तो गार्ड कुछ करने की स्थिति में नहीं थे।

गुरुवार रात यही देखने को मिला, छात्र गार्डों के सामने ही एक-दूसरे को पीट रहे थे और वे उन्हें रोकने में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। सुरक्षा से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि उनको सुरक्षा बढ़ाने के लिए कोई निर्देश विश्वविद्यालय की ओर से नहीं आए हैं। वे छात्रों की बैठक और प्रदर्शन के दौरान अपने हिसाब से सुरक्षा देने का निर्णय लेते हैं। 2020 में छात्रों के समूह खुलकर आमने-सामने आए थे और इसमें कई छात्र घायल हुए थे और लंबा प्रदर्शन हुआ था। उस दौरान गार्ड कुछ नहीं कर सके थे और अभी तक उस मामले में कोई दोषी नहीं ठहराया जा चुका है।

आलम यह है कि गुरुवार रात की हिंसा के बाद विश्वविद्यालय ने हिंसा में शामिल छात्रों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। कुछ दिनों पहले विश्वविद्यालय के प्राक्टर कार्यालय की ओर से प्रदर्शनों पर सख्त कार्रवाई और भारी जुर्माने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद प्राक्टर को बदल दिया गया, लेकिन निर्देश पर कुछ नहीं कहा गया।

अब शाम छह बजे तक खुला रहेगा राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान अब सोमवार को छोड़कर प्रत्येक दिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। यह उद्यान 31 मार्च तक जनता के लिए खुला रहेगा। इसे रख-रखाव के लिए सोमवार को बंद रखा जाता है।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि लोग सोमवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे के बीच उद्यान में घूम-फिरने का आनंद ले सकते हैं। पहले, यह सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच खुला रहता था।

अमृत उद्यान में प्रवेश के लिए राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट पर बुकिंग कराई जा सकती है। राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर-12 के निकट स्वयं सहायता कियोस्क के सुविधा केंद्र पर भी रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक फरवरी को उद्यान उत्सव 2024 का उद्घाटन किया था और दो फरवरी से अमृत उद्यान को जनता के लिए खोल दिया गया था। वहां भारी भीड़ जुट रही है।

रोडरेज में सेना के जवान ने वकील को पीटा, हवा में लहराई पिस्टल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ जवान ने हौज खास गांव के पास ओवरटेक करते समय वकील की कार को मारी थी टक्कर, विरोध करने पर की पिटाई

सेना के एक जवान ने हौज खास गांव के पास ओवरटेक करते समय एक वकील की कार को टक्कर मार दी। जब वकील ने विरोध किया तो जवान ने अपने दोस्त के साथ मिलकर उनकी पिटाई कर दी। फिर रौब दिखाने के लिए हवा में पिस्टल लहरा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सेना के जवान व उसके दोस्त को हिरासत में ले लिया। आरोपितों से एक पिस्टल व तीन कारतूस बरामद कर केस दर्ज कर लिया।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 11 बजे सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस को मारपीट व फायरिंग करने की सूचना मिली थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि हौज खास गांव निवासी कर्मनया सिंह ने जानकारी दी कि वह वकील है और घर से कार में सवार होकर कार्यालय जा रहा था। जब वह जगन्नाथ मंदिर के पास पहुंचा तो एक स्विफ्ट डिजायर कार ने ओवरटेक किया और उसकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद दो युवक कार से निकले और उसे पीटकर हौज खास गांव की तरफ भाग गए। उसने उनका पीछा करना शुरू कर दिया और जब आरोपियों की कार वापस आ रही थी तो उसने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने कार से उतरकर वहां खड़ी ई-बाइक से वहां से भागने की कोशिश की और भीड़ इकट्ठा हो गई।

पुलिस का कहना है कि नशे की हालत में कार चालक रविंदर ने हवा में बंदूक लहरा दी। वहां तैनात एक महिला सिपाही बनारुलाती ने आरोपित रविंदर को पकड़ लिया और पिस्टल व तीन कारतूस कब्जे में ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपित रविंदर व उसके दोस्त दीपक को हिरासत में लेकर केस दर्ज कर लिया। दोनों आरोपित आगरा के रहने वाले हैं और रविंदर सेना में नायक के पद पर तैनात है। पुलिस ने आरोपित रविंदर से लाइसेंसी पिस्टल बरामद की है।

रैट माइनर ने ठुकराई दूसरे मकान की भी पेशकश

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

▶ नरेला में मिल रहे मकान को भी अस्वीकार कर चुके हैं हसन, कार्रवाई के बाद से ही फुटपाथ पर है परिवार

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की कार्रवाई के दौरान अपना मकान खो चुके रैट माइनर वकील हसन ने राजधानी में एक और मकान की पेशकश को अस्वीकार कर दिया है। इससे पहले उन्हें नरेला में मकान की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने उस आफर को भी ठुकरा दिया था। हसन ने बताया कि शुक्रवार शाम को एसडीएम सहित चार सरकारी अधिकारी उनके पास आए थे और उन्होंने दिलशाद गार्डन में दो बीएचके का मकान देने की पेशकश की थी। लेकिन उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने बताया कि अधिकारी चाहते थे कि वह अपने परिवार के साथ उस मकान में अस्थायी रूप से रहने लगें। हसन ने बताया कि वह मकान एक गैर सरकारी संगठन का था। अधिकारी उन्हें लिखित में भी कुछ नहीं दे रहे थे। इस कारण उन्होंने इस मकान को स्वीकार करने से मना कर दिया था।

हसन ने कहा कि डीडीए ने उनके जिस मकान को तोड़ा है, उसकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक थी। यदि सरकार उन्हें मुआवजा देना चाहती है तो उसी आधार पर दे। बुधवार को कार्रवाई के

वकील हसन से मिलते सांसद मनोज तिवारी।
सौजन्य - सांसद कार्यालय

बाद से ही हसन का परिवार फुटपाथ पर समय गुजार रहा है। बता दें कि पिछले वर्ष उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राजधानी के 12 रैट माइनरों में वकील हसन भी शामिल थे।

एलजी ने किया था मकान देने का एलान : उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने वकील की उल्लेखनीय भूमिका का पता चलने पर डीडीए से उनको को मुफ्त में वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने को कहा था। उपराज्यपाल ने मकान देने का एलान यह जानने के बावजूद किया था कि हसन के जिस मकान को तोड़ा गया है, वह सरकारी जमीन पर था और अवैध था। उन्होंने दिलशाद गार्डन में इंडियन रेड क्रास सोसायटी के स्वामित्व वाला डीडीए के दो बीएचके फ्लैट को वकील को देने का आदेश दिया था। दिलशाद गार्डन वकील के ध्वस्त किए गए अनधिकृत घर के करीब भी है।

नरेला वाले मकान को भी अस्वीकार कर चुके हैं हसन : बीते बुधवार को कार्रवाई के कुछ घंटों बाद ही डीडीए ने वकील हसन को नरेला में एक फ्लैट का आफर दिया था। लेकिन हसन ने इस फ्लैट को दूर व असुरक्षित कहकर अस्वीकार कर दिया था।

मनोज तिवारी ने की हसन से मुलाकात

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी शनिवार को वकील हसन और उनके परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो हुआ वह दुखद है। उन्होंने उपराज्यपाल से भी पूरे मामले में हस्तक्षेप करने का निवेदन किया है ताकि हसन के परिवार को न्याय मिल सके। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें जल्द ही उनके इलाके में मकान देने का भी आश्वासन दिया।

आरएमएल में फिर बढ़ी सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक के निर्माण की समय सीमा

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

▶ अप्रैल की जगह अब इस वर्ष अगस्त में इसका निर्माण पूरा करने का निर्धारित किया गया लक्ष्य

▶ इसके निर्माण में अब तक हो चुकी है दो वर्ष की देरी, निर्माण पूरा होने पर इसमें होगी 550 बेड की सुविधा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आरएमएल अस्पताल में निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक अब तक तैयार नहीं हो पाया है। इस वजह से अगले माह तक इस सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक का संचालन शुरू होने की अब कोई संभावना नहीं है। लिहाजा, आरएमएल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक के निर्माण की समय सीमा एक बार फिर बढ़ा दी गई है। इस वजह से इस अस्पताल में विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए मरीजों को अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

मौजूदा समय में आरएमएल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी की सुविधाएं सीमित हैं। इस वजह से अस्पताल में मेडिकल आंकोलाजी व रेडियोथेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन जैसे कई सुपर स्पेशियलिटी विभाग अभी मौजूद नहीं है। इसके मद्देनजर 16 अगस्त 2019 को आरएमएल अस्पताल में 550 बेड के सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। मार्च 2022 तक इसका निर्माण पूरा करने का लक्ष्य था। लेकिन निर्माण के लिए आवश्यक स्वीकृति नहीं होने के कारण शिलान्यास के बाद लंबे समय तक इसका निर्माण शुरू नहीं हो पाया। इस बीच मार्च 2020 में कोरोना का संक्रमण शुरू होने के कारण परियोजना लंबित रही।

बाद में जनवरी 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ और जुलाई 2023 में इसका निर्माण पूरा करने का लक्ष्य था। बाद में यह समय सीमा बढ़ाकर नवंबर 2023 निर्धारित किया गया। लेकिन पिछले वर्ष बनकर तैयार नहीं हो पाया। सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक 11 मंजिला होगा। इसका ढांचा काफी हद तक तैयार हो चुका है। इसके अलावा आंतरिक साज-सज्जा काम भी चल रहा है। इसलिए इस वर्ष अप्रैल से इसका संचालन शुरू करने की समय सीमा निर्धारित की गई थी। इसलिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को मार्च तक सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक का निर्माण पूरा कर अस्पताल को सौंपने का निर्देश दिया गया था। लेकिन अभी काफी काम बाकी है। इस वजह से इसका निर्माण पूरा करने की समय सीमा बढ़ाकर अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

आरएमएल अस्पताल में निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक। जागरण आर्काइव

अस्पताल प्रशासन से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि निर्माण पूरा होने के बाद भी संचालन शुरू होने में थोड़ा वक्त लगेगा। इस वर्ष के अंत तक इसमें चिकित्सा सुविधाएं शुरू हो जाएंगी। इसमें यूरोलाजी, नेफ्रोलाजी, कार्डियोलाजी, न्यूरोलाजी, गैस्ट्रोलाजी, रेडियोलाजी, पीडियाट्रिक सर्जरी इत्यादि विभाग होंगे। इसके अलावा मेडिकल आंकोलाजी, रेडियोथेरेपी, सर्जिकल आंकोलाजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, अंग प्रत्यारोपण यूनिट (किडनी, लिवर, ह्रदय) व पीडियाट्रिक कार्डियोलाजी के विभाग शुरू करने की योजना है।

नई सुविधा

3 .22 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है हेरीटेज पार्क, दिल्ली का चौथा वेस्ट टू आर्ट पार्क बनकर हुआ तैयार

अजमल खां पार्क में कबाड़ से दिखाई जाएगी विरासत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वेस्ट टू वंडर, भारत दर्शन और शहीदी पार्क की सफलता के बाद दिल्ली नगर निगम का चौथा वेस्ट टू आर्ट पार्क नागरिकों के लिए शनिवार से खुल गया है। पार्क में यूनेस्को की सूची में शामिल भारत की ऐतिहासिक इमारतों और स्थलों की प्रतिकृतियों को कबाड़ से बनाया गया है। इसमें 200 टन के करीब पुराने लोहे की टीन, साइकिल, कारों के पुर्जों को शामिल किया गया है। करोल बाग के अजमल खां पार्क में स्थित श्रीराम वाटिका में यह अजमल खां पार्क बनाया गया है। खास बात यह है कि सबसे कम समय में बनने वाले पार्कों में से एक हैं। 29 सितंबर 2023 को स्थानीय सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने इसका शिलान्यास

अजमल खां पार्क में हेरीटेज पार्क का उद्घाटन करतीं मीनाक्षी लेखी। चंद्र प्रकाश मिश्र

किया था। शुक्रवार को नागरिकों के बीच पहुंचकर लेखी ने इसे जनता के लिए समर्पित कर दिया। हालांकि जल्दबाजी में हुए इस कार्य में बहुत काम अभी बाकी है। लाइटिंग की व्यवस्था भी अभी पूरी तरह चालू नहीं हुई है। इतना ही नहीं कलाकृतियों के पीछे का जो ढांचा वह भी सामने से दिख रहा है जो कि देखने में अच्छा नहीं लग रहा है।

साढ़े चार एकड़ भूमि में इस पार्क में कबाड़ से बनी ही प्रतिकृतियां लगाई गई हैं। इसमें दिल्ली का लाल किला, अहमदाबाद का तीन दरवाजा, मध्य प्रदेश का विष्णु मंदिर, कर्नाटक का दुर्गा मंदिर, जयपुर का अमेर किला, पश्चिम बंगाल का शांति निकेतन, गुजरात का चंपनेर, आगरा का किला, बिहार का महाबोधी मंदिर समेत अन्य राज्यों के प्रमुख स्थानों की कबाड़ से बनी प्रतिकृतिया लगाई है।

इसी प्रकार श्री डी व्हील भी लगाए गए हैं। कोणार्क चक्र, धर्म चक्र , हंपी चक्र, एनीसेंट व्हील चक्र हैं। कुल 20 कलाकृति हैं। इसमें पांच चक्र हैं। पार्क में 22 हजार से अधिक सजावटी पौधे भी लगाए गए हैं ताकि लोग इनसे आकर्षित हो सकें।

हमेशा सबके सब काम हो जाएं, यह संभव नहीं है : मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी हेरीटेज पार्क का उद्घाटन करने पहुंचीं। उनकी सांसद निधि से यह पार्क बनाया गया है। पार्क के उद्घाटन के मौके पर मीनाक्षी लेखी भरे मन से कार्यक्रम में मौजूद थीं। चूंकि उनकी सांसद निधि का इसमें उपयोग हुआ तो आचार संहिता लगने से पहले उन्होंने इस पार्क को जनता को समर्पित कर दिया। कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान एक तरफ वह मंच से भाषण दे रही थीं तो वहीं दूसरी ओर केंद्रीय कार्यालय में लोकसभा चुनावों के प्रत्याशियों की घोषणा हो रही थी। उनके भाषण के दौरान बांसुरी स्वराज को नई दिल्ली से लोकसभा प्रत्याशी बनाने की घोषणा हुई तो वहां मौजूद उनके चाहने वालों के चेहरे उतर गए। हालांकि कार्यकर्ताओं और लेखी के हाव-भाव से लग रहा था कि उन्हें प्रत्याशी न बनाए जाने का पहले से आभास था। लेखी ने इस दौरान अपने कार्यकर्ताओं को नाम से मंच से पुकार कहा कि वह सभी कार्यकर्ताओं को नाम से जानती है। उन्होंने कहा कि उनका लगातार प्रयास रहा कि अपने क्षेत्र की जनता की सेवा में लगे रहे हैं और जो बन पाए वह कार्य करते हैं। हमेशा सब के सब काम हो जाएं, ऐसा संभव न्हीं हो पाता है लेकिन ऐसा प्रयास रहता है कि सभी के सब काम हो जाएं।

****

10 वर्षों में भारत ने एक लाख से अधिक स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकार्न का मजबूत स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनाया है। सरकार ने कहा है कि उनके भाग्य का फैसला किसी आइटी कंपनी पर नहीं छोड़ा जा सकता है।

सरकार की सख्ती के बाद गूगल ने बहाल किए हटाए गए कुछ एप

वैष्णव बोले ▶ भारतीय एप को हटाने की नहीं दी जा सकती अनुमति

विवाद सुलझाने के लिए गूगल और संबंधित एप डेवलपरों को बैठक के लिए बुलाया

नई दिल्ली में शनिवार को एक समाचार एजेंसी से साक्षात्कार के दौरान संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार की सख्ती के बीच गूगल ने प्लेस्टोर से हटाए गए कुछ भारतीय एप बहाल कर दिए हैं। इन एप में नौकरी डाट काम और 99एकड़ शामिल हैं। बताया जा रहा है कि भुगतान मानदंडों का अनुपालन करने के बाद इनकी वापसी हुई है। इन्फो एज के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने एक्स पर पोस्ट कर पुष्टि की कि इन्फो एज के कई एप प्लेस्टोर पर वापस आ गए हैं। प्ले स्टोर से एप को हटाने पर सख्त रुख अपनाते हुए सरकार ने शनिवार को कहा कि भारतीय एप को हटाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। गूगल और उन एप डेवलपर्स को अगले सप्ताह बैठक के लिए बुलाया गया है जिनके एप प्ले स्टोर से हटाए गए हैं।

आइटी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साक्षात्कार में कहा, भारत ने 10 वर्षों में एक लाख से अधिक स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकार्न का मजबूत स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनाया है। स्टार्टअप ईकोसिस्टम भारतीय आर्थिकी के लिए महत्वपूर्ण है। उनके भाग्य का फैसला किसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी पर नहीं छोड़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा, भारत सरकार की नीति बहुत स्पष्ट है। हमारे स्टार्टअप को वह सुरक्षा मिलेगी, जिसकी उन्हें जरूरत है। सरकार विवाद को सुलझाने के लिए अगले सप्ताह गूगल और उन एप डेवलपर्स से मुलाकात करेगी जिन्हें प्लेस्टोर से हटाया गया है।

आइटी राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, मैं भी पूर्व में गूगल के प्रभुत्व पर चिंता जता चुका हूं। यह भारत में 90 प्रतिशत से अधिक एप ईकोसिस्टम को नियंत्रित करता है। हमें चिंता है कि दबदबा का दुरुपयोग स्टार्टअप्स के खिलाफ किया जा सकता है। सरकार और अदालत को देखना होगा कि क्या यह मामला दुरुपयोग का तो नहीं है।

इससे पहले गूगल ने शुक्रवार को कहा था कि कई जानी-मानी फर्मों सहित कई कंपनियां उसके 'बिलिंग' मानदंडों का उल्लंघन कर रही हैं। 10 कंपनियों ने शुल्क का भुगतान नहीं किया है। गूगल ने चेतावनी दी थी कि वह गूगल प्ले पर ऐसे एप को हटाने में संकोच नहीं करेंगे। गूगल ने कुछ एप को प्ले स्टोर से हटाने की कार्रवाई भी शुरू की।

गूगल ने कंपनियों का नाम नहीं बताया, लेकिन प्ले स्टोर पर मैट्रिमोनी डाट काम के एप भारत मैट्रिमोनी, क्रिश्चन मैट्रिमोनी, मुस्लिम मैट्रिमोनी, इन्फो एज कंपनी के एप, बालाजी टेलीफिल्म्स का आल्ट, आडियो प्लेटफार्म कुकु एफएम, डेटिंग सर्विस क्वैक क्वैक जैसे एप गायब हो गए। भारत मैट्रिमोनी, बालाजी टेलीफिल्म्स के आल्ट, आडियो प्लेटफार्म कुकु एफएम, डेटिंग सर्विस क्वैक क्वैक जैसे अन्य एप को अभी भी बहाल नहीं किया गया है। गौरतलब है कि गूगल द्वारा एप पर 11 से 26 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर विवाद है। गूगल के खिलाफ इन कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत नहीं मिलने के बाद गूगल ने एप को हटाने के लिए कदम उठाया है।

गूगल ने भारतीय कंपनियों मैट्रिमोनी डाट काम जो भारत मैट्रिमोनी एप चलाती है और इन्फो एज जो जीवनसाथी एप चलाती है को प्ले स्टोर के नियमों के उल्लंघन के लिए नोटिस भेजे थे।

परीक्षण से गुजर रहे एआइ माडल को तैनात करने से पहले सरकार से लेनी होगी मंजूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: परीक्षण से गुजर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) माडल को तैनात करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी। सरकार ने इंटरनेट मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों के लिए परामर्श जारी किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में पूछे गए सवालों पर गूगल के एआइ टूल जेमिनी के जवाब से विवाद होने के कुछ दिनों बाद यह परामर्श जारी किया गया है।

इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक मार्च को जारी सलाह में कहा है कि परीक्षण से गुजर रहे एआइ माडल को 'अविश्वसनीयता' का लेबल लगाएं। गैरकानूनी कंटेंट को रोकें। इसका पालन नहीं करने पर आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

परामर्श में कहा गया है कि किसी भी नियम का उल्लंघन होने के लिए संबंधित प्लेटफार्मों, मध्यस्थों और सक्षम साफ्टवेयर को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। सभी प्लेटफार्मों को सुनिश्चित करना होगा कि यूजर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस माडल/ जेनरेटिव एआइ, साफ्टवेयर या एल्गोरिदम का उपयोग किसी भी गैरकानूनी सामग्री को प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहीत या अपडेट करने के लिए न करें।

गौरतलब है कि पीएम मोदी से संबंधित सवाल पर एआइ टूल जेमिनी की आपत्तिजनक प्रतिक्रिया को लेकर गूगल को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने चेतावनी दी थी जेमिनी की प्रतिक्रिया आइटी नियमों के साथ ही आपराधिक संहिता के कई प्रविधानों का उल्लंघन है।

गूगल ने सफाई में कहा कि जेमिनी परीक्षण के दौर से गुजर रहा है और कंपनी ने इस मुद्दे पर तेजी से काम किया है। इस पर राजीव चंद्रशेखर ने कहा, मैं सभी प्लेटफार्मों को सलाह देता हूं कि वे इंटरनेट पर किसी भी परीक्षण से गुजर रहे प्लेटफार्म को तैनात करने से पहले उपयोगकर्ताओं को इस बारे में स्पष्ट रूप से बताएं और उनसे सहमति लें। बाद में माफी मांगकर कोई भी जवाबदेही से बच नहीं सकता है।

बता दें कि सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि इंटरनेट कंपनियां देशहित के खिलाफ न तो खुद काम करें और न ही उसका जरिया बनें।

▶ सरकार ने इंटरनेट मीडिया के लिए जारी किया परामर्श

▶ कहा- गैरकानूनी कंटेंट को रोकें, आपराधिक कार्रवाई की दी चेतावनी

एआइबीए ने की गूगल के खिलाफ कार्रवाई की मांग

आल इंडिया बार एसोसिएशन (एआइबीए) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कथित तौर पर गलत जानकारी फैलाने के लिए गूगल के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने की शनिवार को मांग की। एक अभ्यावेदन में वरिष्ठ वकील और एआइबीए के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने दावा किया कि गूगल के एआइ टूल जेमिनी ने प्रधानमंत्री के बारे में गलत जानकारी दी। अग्रवाल ने कहा कि एआइबीए ने गूगल के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भी लिखा है। बता दें कि आम लोगों ने भी इस बात पर नाराजगी जताई थी।

आम चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्रिपरिषद की आज अहम बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन मार्च को मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान इस तरह की संभवतः अंतिम बैठक होगी। प्रधानमंत्री प्रमुख नीतिगत व शासन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए समय-समय पर संपूर्ण मंत्रिपरिषद की बैठकें करते रहे हैं। लेकिन रविवार को होने वाली बैठक अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। निर्वाचन आयोग कुछ दिनों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

यह बैठक चाणक्यपुरी डिप्लोमैटिक एन्क्लेव स्थित सुषमा स्वराज भवन में होगी। बैठक में सरकार के प्रदर्शन समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है। राजग ने अपनी विकास योजनाओं के दम पर मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का विश्वास व्यक्त किया है।

निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव कराने के लिए विभिन्न राज्यों की तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी है। 2014 में आयोग ने पांच मार्च को नौ चरणों वाले लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की थी और परिणाम 16 मई को घोषित किए गए थे। 2019 में आयोग ने 10 मार्च को सात चरण के लोकसभा चुनावों की घोषणा की थी और परिणाम 23 मई को घोषित किए गए थे।

चीन से मजबूत संबंधों के लिए एलएसी पर शांति जरूरी

▶ पूर्वी लद्दाख के लंबित सीमा विवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर का वक्तव्य

▶ कहा, चीन से सीमा प्रबंधन समझौतों का पूर्ण पालन चाहता है भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र: चीन को भारत के साथ हुए सीमा प्रबंधन समझौतों का पालन करना होगा और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता कायम करनी होगी, उसी के बाद दोनों देशों के संबंधों में विकास हो सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लंबित सीमा विवाद पर कही है। इस सीमा विवाद के करीब चार वर्ष हो गए हैं।

एक संस्था के कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार ने एलएसी के नजदीक सड़कों और पुलों का लगातार निर्माण किया है। ऐसा चीन के साथ लगने वाली सीमा पर संतुलन की स्थिति कायम रखने के लिए किया गया, क्योंकि चीन ने हाल के दशकों में एलएसी के नजदीक अपने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा विकसित कर लिया है। अपनी सीमा के भीतर आधारभूत ढांचा विकसित करने की भारत की कोशिश में कोई दुराग्रह नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा, देश को शक्तिशाली बनाने के लिए जाने वाले दावे नहीं पर बोलने वाले जुमले नहीं होते हैं बल्कि उसके लिए सरकार को कड़ी मेहनत करनी होती है, संसाधन विकसित करने होते हैं और सुनियोजित तरीके से उनका इस्तेमाल करना होता है। इसके बाद देश की हैसियत बनती है और उसके संबंध विकसित होते हैं।

मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना के एलएसी पर आगे बढ़ आने से दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। वार्ता के बाद कुछ क्षेत्रों में चीनी सेना के पीछे हटने के बावजूद पूर्व स्थिति कायम नहीं हुई है। इससे दोनों देशों के संबंध प्रभावित हो रहे हैं। इसी माहौल में विदेश मंत्री जयशंकर ने राष्ट्र को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। कहा है कि भारत तकनीक के विकास और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत कर चीन से मुकाबला कर सकता है।

न्यायालयों में मुकदमों की सुनवाई में तारीख पे तारीख वाली संस्कृति खत्म हो : सीजेआइ

▶ जिला न्यायाधीशों के सम्मेलन में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ का आह्वान

▶ कहा, तभी लोगों का सोच बदलेगा और न्यायपालिका की छवि सुधरेगी

डीवाई चंद्रचूड़। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : न्यायालयों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि मुकदमों की सुनवाई में तारीख पे तारीख वाली संस्कृति खत्म होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायाधीशों से कहा, न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होनी चाहिए और सामान्य स्थिति कायम होनी चाहिए। इसके लिए न्यायाधीशों को महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी।

गुजरात के कच्छ में जिला न्यायाधीशों के अखिल भारतीय सम्मेलन में मुख्य न्यायाधीश ने कहा, न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या इस समय न्यायपालिका के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि न्याय प्रशासन से अपेक्षा होती है कि वह कानूनी विवादों का उचित समयसीमा में निस्तारण करे। कहा, न्याय की अपेक्षा लेकर न्यायालय में आने वाले आम आदमी की सोच बन गई है कि मामलों को लंबित रखना न्यायपालिका की कार्यप्रणाली का हिस्सा है। लेकिन जब भी सुनवाई के लिए तारीख दी जाती है तो उसके हृदय को चोट लगती है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, आम आदमी का सोच को बदलने की जिम्मेदारी हमारी है। हमें अपनी कार्यशैली में बदलाव करके लंबित मामलों की जल्द निपटाने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए। इससे न केवल आम आदमी का कल्याण होगा बल्कि न्यायपालिका के प्रति उसके विश्वास में बढ़ोतरी होगी। इससे न्यायपालिका की भूमिका भी प्रभावी और बेहतर होगी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, निर्णय लेते समय हमें इंटरनेट मीडिया पर होने वाली टिप्पणियों और विभिन्न तरह की अपीलों के प्रभाव में नहीं आना है। हमें किसी तरह के बाहरी दबाव और जनता के रुख से भी प्रभावित नहीं होना है। हमें संविधान की मूलभावना के अनुरूप कानूनी प्रविधानों के अनुसार ही अपना फैसला देना है। हम ऐसे समय में काम कर रहे हैं जब सामाजिक जीवन में तकनीक का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। तमाम मामलों में न्यायाधीशों को निर्णय के बाद इंटरनेट मीडिया पर आलोचना झेलनी पड़ रही है। इसलिए हमें बहुत सोच-समझकर और किसी तरह के दबाव में आए बगैर मुकदमों का निस्तारण करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि अदालतों में वर्षों से लंबित मुकदमों के बढ़ते बोझ को लेकर सरकार और न्यायपालिका स्तर पर समय-समय पर चिंता जताई जाती रही है। इसके बावजूद समस्या का कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है।

'अनुच्छेद 21 संविधान का आत्मा है, नागरिक की स्वतंत्रता सर्वोपरि'

▶ शीर्ष कोर्ट ने कहा- इससे संबंधित मामलों पर शीघ्रता से फैसला नहीं होने से व्यक्ति इस बहुमूल्य अधिकार से वंचित हो जाएगा

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद 21 संविधान का आत्मा है और एक नागरिक की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा इससे संबंधित मामलों पर शीघ्रता से फैसला नहीं करने से व्यक्ति इस बहुमूल्य अधिकार से वंचित हो जाएगा।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी यह देखने के बाद की कि बांबे हाई कोर्ट ने 29 जनवरी को शीर्ष अदालत के आदेश के बाद महाराष्ट्र में एक पार्षद की हत्या के मुख्य आरोपित अमोल विट्ठल वाहिले को जमानत दे दी है। पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा कि इस प्रकार यह स्पष्ट है कि 29 जनवरी, 2024 को इस अदालत के आदेश पारित करने से पहले हाई कोर्ट ने जमानत याचिका पर गुण-दोष के आधार पर फैसला करने के बजाय इसे किसी न किसी आधार पर खारिज कर दिया था।

शीर्ष कोर्ट ने कहा- 'यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 संविधान का आत्मा है क्योंकि नागरिक की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। किसी नागरिक की स्वतंत्रता से संबंधित मामले पर शीघ्रता से निर्णय न लेना और मामले को किसी न किसी आधार पर टाल देने से व्यक्ति भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बहुमूल्य अधिकार से वंचित हो जाएगा।' पीठ ने कहा कि उसे बांबे हाई कोर्ट में ऐसे कई मामले देखने को मिले हैं जिनमें जमानत और अग्रिम जमानत आवेदनों पर शीघ्रता से फैसला नहीं किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि इस मामले में भी अग्रिम जमानत की अर्जी पर चार वर्ष से अधिक समय तक फैसला नहीं किया गया। पीठ ने कहा- 'हम बांबे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि आपराधिक मामलों में क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल करने वाले सभी न्यायाधीशों को जमानत या अग्रिम जमानत से संबंधित मामले पर यथाशीघ्र निर्णय लेने के हमारे अनुरोध से अवगत कराएं।'

डाक्सिंग पर नियंत्रण नहीं रखा तो हो सकता है गोपनीयता का उल्लंघन

▶ दिल्ली हाई कोर्ट ने एक राजनेता के बारे में एक्स पर पोस्ट करने वाली महिला की याचिका पर की टिप्पणी

▶ उसके खिलाफ किए गए पांच एक्स पोस्ट को हटाने का दिया निर्देश

निजता को लेकर हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी।

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर डाक्सिंग (संवेदनशील निजी जानकारी को आनलाइन उजागर करना) को अनियंत्रित रूप से जारी रहने दिया गया तो उससे निजता के अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस महिला के मुकदमे पर सुनवाई के दौरान की, जिसने एक राजनेता के साक्षात्कार के बारे में एक्स पर एक पोस्ट किया था और बाद में कई लोगों और संस्थाओं द्वारा उसे परेशान किया गया था। अदालत ने निर्देश दिया कि प्रतिवादियों द्वारा उसके खिलाफ किए गए पांच एक्स पोस्ट हटा दिए जाएं।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि डाक्सिंग के मामलों किसी व्यक्ति की गोपनीयता भंग होने से व्यक्ति के हानि हो सकती है। डाक्सिंग साइबर-धमकाने और साइबर-उत्पीड़न के अन्य रूपों से अलग है, क्योंकि इसमें शारीरिक खतरे का जोखिम तेजी से बढ़ जाता है। जब एक संभावित अपराधी को किसी की व्यक्तिगत जानकारी मिल जाती है, जैसे कि वह कहां रहता है, तो उसके लिए आनलाइन खतरों को वास्तविक जीवन की हिंसा में बदलना आसान हो जाता है। दूसरी ओर कोई भी जानकारी जो खुले तौर पर उपलब्ध या सुलभ है, उसका उपयोग वैध उद्देश्यों के लिए किया जाता है, कोई शिकायत नहीं हो सकती है। ऐसे में जानकारी तक पहुंच और गोपनीयता की सुरक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना होगा।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि महिला एक पेशेवर है, जिसके खिलाफ इंटरनेट पर विभिन्न टिप्पणियां की जा रही थीं जो आपत्तिजनक और अपमानजनक थीं। महिला की पेशेवर और व्यक्तिगत स्थिति को देखते हुए इस स्तर पर आपत्तिजनक पोस्ट को एक्स से हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि इससे उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान हो सकता है। महिला ने दलील दी कि उसके खिलाफ कुछ पोस्ट में उसकी पूरी पेशेवर पहचान, तस्वीरें, छवि को उजागर किया गया था और उसके नियोक्ता को एक ईमेल लिखा गया था। महिला का मामला धोखाधड़ी का था क्योंकि मुकदमे में विभिन्न प्रतिवादियों ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से इंटरनेट पर उसके बारे में निजी जानकारी खोजी और प्रकाशित की थी।

जल शक्ति मंत्रालय ने शुरू की स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग पहल

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ाने के प्रयासों के तहत लोकप्रिय स्थलों पर सौंदर्य और स्वच्छता मानकों को बढ़ाने के लिए स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग नामक पहल शुरू की है। यह जानकारी केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के तहत पेयजल और स्वच्छता विभाग ने पर्यटन मंत्रालय के साथ मिलकर इस अवधारणा को पेश किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर सौंदर्य और स्वच्छता मानकों को बढ़ाने के लिए पर्यटकों के लिए विश्व स्तरीय स्वच्छता युक्त सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

शेखावत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आतिथ्य और विकास के दूत के रूप में सभी पर्यटक सुविधाओं को पर्यटन स्थलों के सौंदर्य और स्वच्छता स्तर बढ़ाने में शामिल होना चाहिए। मध्य प्रदेश में नर्मदापुरम के मध्य मढ़ई में स्थित बाइसन रिसार्ट्स ने पहले पांच स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रमाणपत्र प्राप्त कर अग्रणी स्थान हासिल किया है।

शानन पनबिजली प्रोजेक्ट की लीज पूरी, हिमाचल को नहीं मिला मालिकाना हक

▶ तीन मार्च 1925 को मंडी रियासत के राजा व भारत के राज्य सचिव के बीच हुआ था करार

▶ देश के बंटवारे से पहले लाहौर तक होती थी बिजली की सप्लाई, लाहौर से ही हुआ था उद्घाटन

110 मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट में सालाना 500 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में स्थापित शानन प्रोजेक्ट। जागरण आर्काइव

शानन प्रोजेक्ट के निर्माण और अन्य कार्यों में प्रयोग में लाई गई भूमि की विस्तृत रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी है। प्रशासन की ओर जो निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई होगी। - डा. मुकुल शर्मा, तहसीलदार जोगिंदरनगर

जागरण संवाददाता, मंडी

हिमाचल के मंडी जिले के जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के शानन में पनबिजली प्रोजेक्ट निर्माण के लिए तत्कालीन मंडी रियासत के राजा जोगेंद्र सेन बहादुर और केंद्रीय परिषद के राज्य सचिव के बीच तीन मार्च 1925 को हुआ लीज करार पूरा हो गया। जमीन का लीज करार 99 वर्ष के लिए हुआ था। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कुछ माह पहले शानन प्रोजेक्ट के मालिकाना हक के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। मंत्रालय ने कई माह बीत जाने के बाद भी हाई कोर्ट के निर्देश पर कोई निर्णय नहीं लिया है। पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड के पास प्रोजेक्ट का स्वामित्व है।

110 मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट में बिजली उत्पादन से पंजाब सरकार के कोष में हर वर्ष करोड़ों रुपये आ रहे हैं। प्रोजेक्ट में सालाना 500 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन होता है। बरोट घाटी से बहने वाली उहल नदी के पानी का बहाव बदलकर शानन में 48 मेगावाट क्षमता का पनबिजली प्रोजेक्ट स्थापित करने का खाका पंजाब सरकार के मुख्य अभियंता कर्नल बीसी बैट्टी ने 1922 में तैयार किया था। प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य 1932 में पूरा हुआ था। इसका उद्घाटन लाहौर के शालीमार स्टेशन से 10 मार्च 1933 को हुआ था। 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के बाद यह प्रोजेक्ट केंद्रीय सिंचाई एवं ऊर्जा मंत्रालय ने पंजाब को सौंप दिया था। हिमाचल सरकार ने इस पर आपत्ति जताई थी।

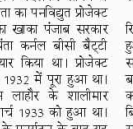

1925 में हुए करार के अनुसार, मंडी रियासत को मुफ्त बिजली देने का निर्णय हुआ था। 1982 के बाद पंजाब ने बिजली सप्लाई बंद कर दी है। राजा जोगेंद्र सेन बहादुर का शानन प्रोजेक्ट के लिए करार का मकसद मंडी रियासत के लोगों को बिजली उपलब्ध करवाना था। हिमाचल सरकार प्रोजेक्ट के मालिकाना को लेकर कई बार आवाज उठा चुकी है, लेकिन पंजाब सरकार हर बार ठेंगा दिखा देती है।

आयोजन

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, श्रीलंका के मंत्री जीवन थोंडामन ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, नेशनल आर्ट गैलरी में दो महीने तक चलेगी चित्रकाव्यम रामायणम प्रदर्शनी

भारत-श्रीलंका के बीच रामायण एक साझी सांस्कृतिक विरासत

नई दिल्ली में नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट में 'चित्रकाव्यम रामायणम' प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर संस्कृति एवं विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी, श्रीलंका के मंत्री जीवन थोंडामन और अन्य। पीआइबी

नई दिल्ली, प्रेट्र : श्रीलंका और भारत के लिए रामायण एक साझी सांस्कृतिक विरासत के रूप में काम करती है। यह महाकाव्य दोनों देशों की सांस्कृतिक चेतना में योगदान देने के साथ ही उनके आपसी संबंधों को मजबूत करता है। श्रीलंका के मंत्री जीवन थोंडामन ने नई दिल्ली में नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट (एनजीएमए) में 'चित्रकाव्यम रामायणम' प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध उत्कृष्टता की स्थिति तक पहुंच गए हैं। केंद्रीय संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और श्रीलंकाई मंत्री ने संयुक्त रूप से इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

महाकाव्य पर आधारित पारंपरिक मिनिएचर आर्ट से लेकर मार्डन डिजिटल इंस्टालेशन की यह प्रदर्शनी दो महीने तक चलेगी। यह अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक महीने बाद शुरू हुई है।

श्रीलंका के जलापूर्ति एवं संपत्ति बुनियादी ढांचा विकास मंत्री जीवन ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच यह संपर्क हमारे संवाद का आधार बना हुआ है और यह सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध को और मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा, 'नेशनल गैलरी में खड़े होकर यह देखने के लिए हम भाग्यशाली हैं कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में कलाएं किस प्रकार सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाती हैं। इस तरह की प्रदर्शनी के माध्यम से कोई भी यह देख सकता है कि रामायण महाकाव्य, भारत और श्रीलंका के लिए साझी सांस्कृतिक कथानक के रूप में काम करता है और संबंधों को मजबूत बनाने में योगदान देता है।'

रावण का उल्लेख करते हुए जीवन ने कहा, 'यद्यपि हमारे विवरण में रावण को एक कुशल प्रशासक माना गया है। यहां तक कि संत वाल्मीकि के रामायण में बताया गया है कि युद्ध के मैदान में रावण के गिरने के बाद भगवान राम उसके साथ बैठे और राजनीति एवं प्रशासन कला का ज्ञान प्राप्त किया। यही कारण है कि हमने रावण को खलनायक के रूप में कभी नहीं देखा।'

श्रीलंकाई मंत्री ने कहा कि केवल रामायण ही नहीं, बल्कि बौद्ध तीर्थस्थल भी दोनों देशों के बीच संबंधों के कारक हैं। दोनों देशों में पर्यटन बढ़ाने की असीम संभावनाएं हैं। भारत का सबसे ज्यादा 20 प्रतिशत योगदान है। श्रीलंका ने पायलट कार्यक्रम के रूप में भारत समेत अन्य देशों के लिए 31 मार्च, 2024 तक वीजा मुक्त व्यवस्था की है।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

****

1962 के चुनाव से किसान और ग्रामीण पृष्ठभूमि के जनप्रतिनिधियों की संख्या संसद में बढ़ने लगी। इससे पहले लोकसभा में अंग्रेजी बोलने वाले और उच्च मध्यमवर्ग का प्रतिनिधित्व रहता था। इस चुनाव के बाद परिदृश्य में बदलाव आया।

तीसरी ताकत

बड़े दलों के भी छक्के छुड़ाते रहे हैं क्षेत्रीय दल

अरविंद शर्मा ● नई दिल्ली

आमतौर पर विमर्श का विषय होता है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के बीच ही लड़ाई होती है, किंतु सच यह भी है कि लगभग 15 से 25 प्रतिशत सीटों के मुख्य मुकाबले से दोनों बड़े दल गायब रहते हैं।

आमने-सामने क्षेत्रीय दलों की ही प्रतिष्ठा होती है। भाजपा व कांग्रेस समेत अभी देश में राष्ट्रीय पार्टी की हैसियत में सिर्फ छह दल ही हैं।

लोस चुनाव 2019 का परिणाम बताता है कि देश में 97 सीटें ऐसी हैं, जहां पिछली बार नंबर एक व दो की लड़ाई में न तो कांग्रेस थी और न ही भाजपा। ऐसी सीटों की सबसे ज्यादा संख्या दक्षिण भारत में है। लंबे समय तक कांग्रेस का गढ़ रहे आंध्र प्रदेश में 2019 में लोस की सभी 25 सीटों से दोनों बड़े दल दूर थे। मुख्य मुकाबला जगनमोहन रेड्डी की वाईआरएस कांग्रेस एवं तेलुगु देसम पार्टी के बीच था।

सात दशक में आधे रह गए राष्ट्रीय दल

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में जब पहला आम चुनाव हुआ था, तब सिर्फ 53 दलों ने भागीदारी की थी, जिनमें 14 राष्ट्रीय दल थे। लगभग सात दशक बाद 2019 के चुनाव में दलों की संख्या तो 12 गुना बढ़कर 671 हो गई, पर राष्ट्रीय दलों की संख्या आधी रह गई। अब सिर्फ छह राष्ट्रीय दल बचे हैं।

15-25% सीटों पर मुख्य मुकाबले से दूर हैं भाजपा-कांग्रेस

97 सीटों पर नंबर एक और दो की लड़ाई में भी नहीं थे दोनों बड़े दल वर्ष 2019 में

द्रमुक और अन्नाद्रमुक में संघर्ष

तमिलनाडु में कांग्रेस ने आखिरी बार 1962 में सरकार बनाई थी। शुरू में द्रमुक का दबदबा हुआ और 1972 में एमजीआर ने अन्नाद्रमुक बनाकर कांग्रेस को तमिलनाडु से लगभग बाहर कर दिया। मुख्य मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक में ही होने लगा। 2014 में यहां अकेले लड़कर कांग्रेस 4.3 प्रतिशत वोट से आगे नहीं बढ़ पाई। उसका खाता भी नहीं खुला। भाजपा भी सफलता से बहुत दूर है।

कांग्रेस कमजोर, भाजपा को फायदा

2014 व 2019 के परिणाम का हिंदी पट्टी के क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में विश्लेषण से पता चलता है कि कांग्रेस की घटती ताकत का फायदा भाजपा को मिला है। एक दौर था, जब बिहार में लालू प्रसाद, उप्र में मुलायम सिंह और मायावती, बंगाल में ममता बनर्जी ने कांग्रेस के प्रभुत्व को खत्म कर भाजपा को भी रोक रखा था। अब भी अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव एवं ममता बड़े दलों के रास्ते में बड़े ब्रेकर हैं।

क्षेत्रीय दलों ने पिछले लोकसभा चुनाव में झटक ली थीं 145 सीटें

उत्तर से दक्षिण तक के राज्यों में फैले क्षेत्रीय दलों ने पिछले चुनाव में 145 सीटें झटक ली थीं। इनमें कई ऐसी सीटें भी शामिल हैं, जिन्हें भाजपा या कांग्रेस के साथ गठबंधन करके प्राप्त किया गया। कांग्रेस के कमजोर होने के बाद से बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और वामदलों के बीच ही मुख्य मुकाबला होता था, किंतु भाजपा के प्रवेश ने अब दोनों की राह कठिन कर दी है।

अतीत के आईने से

लोकसभा चुनाव: 1962
फीकी पड़ी नेहरू की चमक

1962 में तीसरा आम चुनाव हुआ। नेहरू का करिश्मा उतार पर था। तीसरे लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने 361 सीटों के साथ जीत हासिल की, लेकिन पिछले दो चुनावों की तुलना में उसका प्रदर्शन कमजोर रहा। चुनाव से पहले पंडित नेहरू के ही दामाद सांसद फिरोज गांधी ने मूंदड़ा कांड उजागर किया था, जिसके चलते वित्त मंत्री कृष्णमाचारी को त्यागपत्र देना पड़ा था।

494 कुल सीटें
248 बहुमत के लिए
27 दल थे चुनावी मैदान में
1,985 प्रत्याशियों ने लड़ा था चुनाव

चुनाव की तारीख
19 फरवरी, 1962 से 25 फरवरी, 1962 के बीच संपन्न हुए आम चुनाव।

दूसरे दलों का प्रदर्शन
इन चुनावों में भारतीय जनसंघ को 494 में से 14 सीटों पर जीत मिली। वहीं कम्युनिस्ट पार्टी ने कुल 29 सीटें जीतीं। प्रजा सोशलिस्ट पार्टी ने भी 12 सीटों पर जीत दर्ज की। पहली बार हिस्सा ले रही सी. राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी ने करीब आठ प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी जोकि पहले चुनाव के लिहाज से उसके लिए बेहतर प्रदर्शन था।

मजबूती के साथ उभरी डीएमके
इस चुनाव में तमिलनाडु में डीएमके एक मजबूत पार्टी बनकर उभरी। राज्य में कांग्रेस ने 31 सीटें जीतीं, वहीं सात सीटें जीतकर डीएमके दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी।

मतदान का प्रतिशत
इस चुनाव में सबसे ज्यादा मतदान केरल (70.55 फीसद) में और सबसे कम मतदान ओडिशा (23.56 फीसद) में रिकार्ड किया गया था। 1962 के आम चुनाव में 55.4 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

चुनाव की अमिट स्याही
पहली बार मैसूर में बनी स्याही का इस्तेमाल फर्जी वोटिंग रोकने के लिए इसी चुनाव में हुआ था।

बोर्ड पर प्रदर्शित किए गए चुनाव नतीजे
1962 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को पहली बार दिल्ली के कनाट प्लेस में एक डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया था।

आयुष्मान भव, सुधर रही स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत

मोदी सरकार ने सस्ते इलाज के लिए बुनियादी ढांचे की दशा ठीक की, मेडिकल कालेजों की संख्या के साथ ही एमबीबीएस व पीजी की सीटें बढ़ीं

नीलू रंजन ● नई दिल्ली

10 वर्षों में मोदी सरकार ने देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बीमार प्रणाली का इलाज कर उसे दुरुस्त किया है। एक ओर मेडिकल कालेजों और उनमें एमबीबीएस तथा पीजी की सीटें दोगुनी कर और 155 नए नर्सिंग कालेज खोल देश में डाक्टरों और नर्सों की कमी को दूर करने की दिशा में अहम कदम उठाए गए। वहीं, स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला, शौचालय योजना और हर घर में नल से जल जैसी योजनाओं के माध्यम से आम लोगों की सेहत का ख्याल भी रखा है। योग और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से पहली बार लोगों को बीमार होने से बचाने की कोशिश भी हुई।

एमसीआइ को किया भंग: मोदी सरकार के सत्ता में आने के समय स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती देश में डाक्टरों और नर्सों की कमी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध इलाज गरीबों की पहुंच से दूर होना थी। डाक्टरों की कमी की मुख्य वजह मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया में व्याप्त भ्रष्टाचार और लालफीताशाही था, जो देश में नए मेडिकल कालेजों को खोलने और उनमें सीटें बढ़ाने में बाधा बना हुआ था। मोदी सरकार ने एमसीआइ को भंग कर उसके स्थान पर मेडिकल कमीशन आफ इंडिया का गठन किया। परिणाम स्वरूप देश में मेडिकल कालेजों और उनमें एमबीबीएस और पीजी की सीटों की संख्या दोगुनी हो गई। स्थानीय भाषाओं में मेडिकल की पढ़ाई का विकल्प देकर भाषा की बाधा को भी खत्म करने का प्रयास किया है।

आयुष्मान योजना से गरीबों को मिला इलाज: मोदी सरकार ने देश में उपलब्ध बेहतर सुविधाओं के दरवाजे गरीबों के लिए खोलने का भी काम किया। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक हर साल पांच से सात करोड़ लोग गंभीर बीमारी के इलाज के कारण गरीबी रेखा से नीचे चले जाते थे। आयुष्मान योजना के तहत देश के 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख रुपये तक के वार्षिक निश्शुल्क और कैशलेस इलाज की सुविधा के दायरे में लाया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना के तहत छह करोड़ गरीबों को निश्शुल्क और कैशलेस इलाज मिल भी चुका है।

महंगी दवाइयों का इलाज जनऔषधि केंद्र: महंगी दवाइयां गरीब की जेब पर बड़ा बोझ बनी हुई थीं। प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र के माध्यम से लोगों को सस्ती जेनरिक दवाइयां उपलब्ध कराकर लोगों को राहत देने का काम किया गया। आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में इलाज के लिए आम आदमी द्वारा किए गए खर्च में कमी देखने को मिली है।

वैक्सीन बना विश्व में छाए: कोरोना के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को संभालने व स्वदेशी वैक्सीन तैयार करने में सरकार की सक्रिय भागीदारी और 100 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त और सफल टीकाकरण की चर्चा पूरे विश्व में है।

सिर्फ इलाज नहीं, बीमारी से बचाव भी: सरकार ने सिर्फ इलाज को सुलभ और सस्ता करने की दिशा में कदम नहीं उठाया, बल्कि लोगों को बीमार होने से बचाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। कई अध्ययनों में उज्ज्वला, शौचालय, स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं के कारण आम लोगों और खासकर गरीबों की सेहत में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। इसके साथ ई-संजीवनी प्लेटफार्म के माध्यम से दुर्गम इलाकों के मरीजों को भी टेली मेडिसिन से विशेषज्ञ डाक्टरों से इलाज की सुविधा भी उपलब्ध हुई है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर आम लोगों को जांच का अवसर प्रदान कर रहे हैं और समय से बीमारी का पता चलने से उसका इलाज भी सुलभ हो रहा है।

आयुष्मान भारत

30 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी

6 करोड़ के करीब मरीजों का हुआ इलाज

70 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई बीमार गरीबों की

26,617 है पैनल से जुड़े अस्पतालों की संख्या

1.61 लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर)

205 करोड़ मरीजों की हुई कुल जांच

1,11,054 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध हैं ई-संजीवनी सेवाएं

कितनी बदली जिंदगी

मातृ मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर में सुधार

संप्रग सरकार | राजग सरकार

कुल स्वास्थ्य खर्च में कमी

वर्ष	प्रतिशत
2013-14	64.2%
2019-20	47.1%

जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों में बड़ी गिरावट

वर्ष	मामले
2014	1,661
2023	828

कुल अंग प्रत्यारोपण में दर्ज की गई भारी बढ़ोतरी

वर्ष	संख्या
2014	4,990
2023	12,533

वर्तमान मूल्य पर सरकारी स्वास्थ्य व्यय (प्रति व्यक्ति)

वर्ष	व्यय
2013-14	1,042
2019-20	2,014

पांच साल के कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (प्रति 1,000 बच्चे)

वर्ष	दर
2014	45
2020	32

स्वस्थ समाज

ई-वेस्ट और वायु प्रदूषण जैसी चुनौती से राहत की जगी उम्मीद

स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छ हवा-पानी की भी जरूरत है। मगर किसी ने इसके लिए ठोस प्रयास नहीं किया। मोदी सरकार ने इसे समझा और देश में हर वर्ष पैदा हो रहे 11 लाख टन से अधिक ई-कचरे के निस्तारण की एक नई नीति बनाई, जिसमें ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग को एक नए उद्योग का स्वरूप दिया गया। (स्रोत-विभिन्न मंत्रालय)

ई-वेस्ट से निपटने के लिए ऐसे बढ़े कदम (सभी आंकड़े लाख टन में)

2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
0.23	0.69	1.64	2.24	3.54	5.27

मेडिकल शिक्षा व चिकित्सा सुविधाएं

	2014 में	बढ़ोतरी	2024 में
देशभर में एम्स की संख्या	6		22
मेडिकल कालेज	387	82.42% की बढ़ोतरी	706
एमबीबीएस व स्नातक की सीटें	51,348	112% बढ़ोतरी	1,08,848
पीजी की सीटें	31,185	126% की बढ़ोतरी	70,431
स्वीकृत जिला अस्पताल	95		725 (2023-24 में)

उत्तराखंड में हैट्रिक की तैयारी में भाजपा

रविंद्र बड़थ्वाल ● देहरादून

● लगातार तीसरे लोकसभा चुनाव में पांचों सीटें फिर अपनी झोली में डालने के लिए बनाई है रणनीति

चुनाव की तैयारी

उत्तराखंड में पिछले दो लोकसभा चुनाव में सभी पांचों सीटें अपनी झोली में डालने में सफल रही भाजपा हैट्रिक लगाने की तैयारी में है। वहीं, कांग्रेस पर लगातार तीसरे चुनाव में खाता खोलने का दबाव है। उसकी सबसे बड़ी बाधा मोदी मैजिक ही है।

वर्ष 2014 के बाद से प्रदेश में भाजपा के मजबूत होते जाने का अंदाजा इससे लग सकता है कि पार्टी किसी भी बड़े चुनाव में पराजित नहीं हुई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उसके पांचों प्रत्याशियों ने प्रतिद्वंद्वियों पर 2.33 से लेकर 3.39 लाख मतों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की थी। हालत ये है कि जिन पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस की पैठ मजबूत मानी जाती रही, वहां भी प्रमुख विपक्षी दल जीत के लिए तरस रही। प्रदेश में पिछले दो लोकसभा चुनाव के दौरान दो विधानसभा चुनाव भी हो चुके हैं। इन दोनों में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला। 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में प्रदेश में कुल 62.15 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें भाजपा को 55 प्रतिशत से अधिक तो कांग्रेस को 34 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। टिहरी, पौड़ी, अल्मोड़ा, नैनीताल-ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार समेत सभी पांचों सीटों पर कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी तो रही, लेकिन भाजपा को हरा नहीं सकी। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में कुल 61.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2014 की तुलना में मतदान में 0.65 प्रतिशत की कमी आई, पर भाजपा प्रत्याशियों के जीत का आंकड़ा और बढ़ गया। अब वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। प्रदेश में मुख्य मुकाबला भाजपा-कांग्रेस के बीच ही तय है। विपक्षी दलों में कांग्रेस से इतर कुछ प्रभाव बसपा का है। बसपा फिलहाल भाजपा और कांग्रेस के लिए भी बड़ी चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं दिख रही है। 2014 में बसपा को 4.7 प्रतिशत मत मिले थे। वर्तमान में भी पार्टी के पास हरिद्वार में विधानसभा की दो सीटें थीं। इनमें से एक विधायक सरवत करीम अंसारी के निधन के कारण रिक्त है। 2004 में हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने वाली सपा अब लंबे समय से लोकसभा चुनावों में किसी बड़ी चुनौती के रूप में स्वयं को स्थापित नहीं कर सकी है।

भाजपा ब्रांड नरेन्द्र मोदी के रथ पर सवार: अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर ब्रांड नरेन्द्र मोदी के रथ पर सवार है। ऐसे में वर्तमान राजनीतिक वातावरण में प्रदेश में भी भाजपा कठिनाई महसूस करती दिखाई नहीं दे रही है। कांग्रेस का प्रयास है कि इस बार पार्टी का खाता जरूर खुले। इसके लिए लोकसभा क्षेत्रवार तैयारियां तेज की गई हैं। पार्टी हाईकमान भी इन तैयारियों पर सीधी नजर रख रहा है।

बनने लगा चुनावी माहौल

आम चुनाव को लेकर अभी आधिकारिक तौर पर एलान नहीं हुआ है, लेकिन देश के अलग-अलग हिस्सों में माहौल बनने लगा है। चुनाव आयोग ने अभी आचार संहिता लागू नहीं की है, मगर चुनाव के विविध रंग देखने को मिलने लगे हैं। ऐसा ही कुछ दृश्य तब दिखा जब बुलेट रानी के नाम से मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता राजलक्ष्मी मिशन मोदी-2024 के तहत चिकमंगलूर में बाइक से निकलीं ● प्रेट्र

बंगाल में वाम मोर्चे को चाहिए हाथ का साथ

विशाल श्रेष्ठ ● कोलकाता

● खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने को वाम मोर्चे के लिए जरूरी है कांग्रेस
● बंगाल से वाम मोर्चे के पास न ही लोकसभा और न ही विधानसभा में है कोई प्रतिनिधि

पहली नजर

माकपा की अगुआई वाले वाम मोर्चे के लिए आगामी लोकसभा चुनाव महत्वपूर्ण है। 34 वर्षों तक बंगाल में राज करने वाला वाम मोर्चा इस समय हाशिये पर है। उसका बंगाल में न तो लोस और न ही विस में कोई प्रतिनिधि है। ऐसे में उसको हाथ (कांग्रेस) का साथ चाहिए है।

सियासी विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में वाम मोर्चे का सारा दारोमदार कांग्रेस पर टिका है। अगर उसे हाथ का साथ नहीं मिला तो उसकी वापसी की राह मुश्किल हो जाएगी। वाम मोर्चा इस समय बंगाल में अपने बूते एक भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है। वाम मोर्चा कम से कम अपने बचे हुए 6.3 प्रतिशत वोट को गंवाना नहीं चाहेगा, जो उसे 2019 के लोस चुनाव में मिला था। दूसरी तरफ सीटों के लिहाज से कांग्रेस की स्थिति भी अच्छी नहीं है। लोकसभा में बंगाल से कांग्रेस के अब भी दो सांसद हैं-बहरमपुर से बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी व मालदा दक्षिण से अबू हासेम खान चौधरी।

कांग्रेस-वाम मोर्चा ने 2021 का विस चुनाव साथ मिलकर लड़ा था, हालांकि दोनों में से कोई एक भी सीट नहीं जीत पाया, जो अभूतपूर्व है। इसके बावजूद दोनों ने एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। उसके बाद हुए सागरदीघी विस उपचुनाव में वाममोर्चा ने अपना प्रत्याशी नहीं उतार कांग्रेस प्रत्याशी बायरन विश्वास का समर्थन किया। नगर निकाय का चुनाव भी कांग्रेस-वाममोर्चा ने साथ लड़ा और कुछ वार्ड पर जीत दर्ज की। ऐसे में दोनों अपनी इस साझेदारी को जारी रखना चाहते हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी राज्य में कांग्रेस के साथ सीटों पर समझौते की संभावना नहीं भांपकर पहले ही कह चुकी हैं कि उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। इसके बावजूद कांग्रेस हाईकमान लगातार कह रहा है कि तृणमूल के साथ बातचीत चल रही है। माकपा इसी बात से बेचैन है और कांग्रेस को अपने खेमे में लाने के लिए दबाव बना रही है। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम साफ कह चुके हैं कि कांग्रेस अगर तृणमूल के साथ जाती है तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। उनके बयान को दबाव बनाने की राजनीति मान सकते हैं और उनकी विवशता भी। एक बात साफ है कि कांग्रेस-तृणमूल में गठबंधन हो या कांग्रेस-वाम मोर्चा में, बंगाल में आइएनडीआइए में शामिल इन तीनों के बीच आपस में ही लड़ाई देखनी को मिलेगी, क्योंकि तृणमूल-कांग्रेस-वाम मोर्चा का बंगाल में साथ आना लगभग नामुमकिन है। अगर यह किसी तरह मुमकिन हुआ तो सबसे अधिक लाभ भाजपा को मिलेगा, क्योंकि फिर तृणमूल विरोधी सारा वोट भाजपा को मिलेगा।

एक्सप्रेसवे पर चुनावी रणनीति की गाड़ी भर रही रफ्तार

मनीष तिवारी ● नई दिल्ली

एक्स फैक्टर

करीब चार महीने पहले नितिन गडकरी ने कहा था कि वह लोकसभा चुनाव में बैनर-पोस्टर नहीं लगाएंगे। न ही किसी वोटर को चाय पिलाएंगे। उन्हें और भाजपा को इस चुनाव में शायद इसकी आवश्यकता भी नहीं है। पांच हजार किलोमीटर का एक्सप्रेसवे ही पार्टी के लिए 15 से अधिक राज्यों में सीधे तौर पर 100 सीटों पर निर्णायक बढ़त दिला सकता है और पूरी भारतमाला परियोजना को जोड़ दिया जाए तो यह आंकड़ा इससे कहीं अधिक होगा। गडकरी नरेन्द्र मोदी सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री हैं और सरकार की गति-शक्ति के सांकेतिक चिह्न भी।

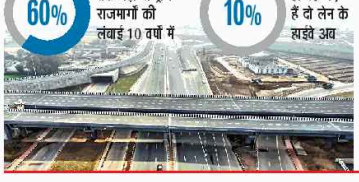

खराब सड़कें चुनावी हार का कारण बनती रही हैं, राजनीति में अपनी समस्याओं के लिए सड़क पर उतरना भी आम बात है, लेकिन ऐसा कम होता है, जब अच्छी और स्तरीय सड़कें वोट बटोरने का मंत्र भी बन जाएं। भाजपा विधानसभा चुनावों में भी अच्छी सड़कों की कामयाबी को भुनाती रही है। आगामी लोकसभा चुनाव में तो उसे बेहतर सड़कों के रूप में इन्फ्रा विकास की अपनी सफलताएं गिनाने का पूरा अवसर है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई पिछले 10 वर्षों में 60 प्रतिशत बढ़ी है। चार लेन के राजमार्ग ढाई गुना बढ़ चुके हैं। दो लेन के हाईवे अब केवल 10 प्रतिशत रह गए हैं। जाहिर है, सड़कें बढ़ी भी हैं और चौड़ी भी हुई हैं। हाईवे की हर चर्चा और संसद में उठे सवाल के सिलसिले में गडकरी 26 नए और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे गिनाते हैं। इनमें से 12 की शुरुआत दिल्ली से होती है। ये केवल दो शहरों को जोड़ने के प्रोजेक्ट भर नहीं हैं। ये सभी अपने आसपास के शहरों का माहौल बदलने वाले भी हैं। उदाहरण के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पांच राज्यों-दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के अच्छे-खासे हिस्सों को प्रभावित करने वाला है तो चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे सीधे तौर पर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु का हाल बदलने जा रहा है। दक्षिण भारत की अलग श्रेणी की राजनीति में भाजपा इसी तरह के कामों के सहारे है।

2014 के मुकाबले 14 गुना बढ़ गए एक्सप्रेसवे: भारतमाला परियोजना के पहले चरण में 20 राज्यों में 15 हजार किमी से अधिक के कारिडोर पर एक तिहाई से ज्यादा फोकस दक्षिण में रहा है। एक्सप्रेसवे 2014 के मुकाबले 14 गुना (354 किमी से पांच हजार किमी) बढ़ गए हैं। छह हजार किमी इसी साल पूरे हो जाएंगे। तब इनका दायरा 25 राज्यों तक हो जाएगा। ये सभी बड़े राज्य हैं, जिनमें एक्सप्रेसवे ढाई सौ से ज्यादा सीटों को स्पर्श करेंगे। ये जहां से भी गुजरेंगे राजनीतिक फायदे के साथ लौटकर दिल्ली ही आएंगे।

60% तक बढ़ी राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 10 वर्षों में

10% ही रह गए हैं दो लेन के हाईवे अब

● गडकरी का कहना है कि चुनाव में नहीं लगाएंगे बैनर-पोस्टर
● एक्सप्रेसवे की सुविधा भाजपा को दिला सकती है चुनावी लाभ

2019 में मतदाताओं की भागीदारी रही अधिक

देश में अब तक हुए 17 आम चुनावों में मतदान का प्रतिशत घटता- बढ़ता रहा है। आइये जानते हैं कि मतदाताओं ने अपनी भागीदारी किस तरह से दर्ज कराई है

45.7% रहा मतदान का 1952 में हुए पहले आम चुनाव में

47.4% मतदाताओं ने 1957 के चुनाव में किया मताधिकार का प्रयोग

5 करोड़ तक कम हो गई पात्र मतदाताओं की संख्या 1962 के चुनाव में

55.4% मतदाताओं ने 1962 के चुनाव में दर्ज कराई भागीदारी

70.7 करोड़ थे 2009 में कुल मतदाता

67.4% मतदाताओं ने 2019 के आम चुनाव में किया मतदान

66.6% हो गया मतदान का प्रतिशत बढ़ कर 2014 में

हुआ सबसे अधिक मतदान

2019 के आम चुनाव में मतदान का प्रतिशत सबसे अधिक 67.40 रहा है। इस चुनाव में भाजपा ने 303 सीटें जीत कर लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। मतदान का प्रतिशत ऊंचा रहने का मतलब है कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था अच्छी तरह से चल रही है।

सरकार गिरी तो गिरा मतदान का प्रतिशत

वर्ष 1991 के आम चुनाव में मतदान का प्रतिशत 61.9 से गिरकर 55.9 हो गया। वर्ष 1991 का आम चुनाव सरकार गिरने की वजह से हुआ था। वर्ष 1999 में भी कम मत प्रतिशत का ट्रेंड दिखा। 1984 के चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़कर 64 हो गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद यह चुनाव हुआ था। इस चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में सहानुभूति की लहर थी। इससे पहले 1980 के चुनाव में 56.9 प्रतिशत नागरिकों ने मताधिकार का प्रयोग किया था।

****

पुरानी मित्रता की स्मृति रेखा खींच गया मोदी–नीतीश का मिलन

अश्विनी, पटना

- पांच वर्ष पूर्व गया में चुनाव के समय ऐसे ही मिले थे, अलगाव के बाद पुनः उसी भाव में हुई मुलाकात
- नीतीश ने मोदी को भरी सभा में किया आश्वस्त, इधर-उधर नहीं होने वाले, आप ही के साथ रहेंगे

बिहार के औरंगाबाद में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ गर्मजोशी से मिलते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। जागरण

न स्थान बदला था, न चेहरे का भाव। दोनों पुनः मिल रहे थे। उसी स्थान पर, जहां पांच वर्ष पूर्व ठीक इसी अंदाज में उन्हें देखा गया था। शनिवार को बिहार के गया में हवाई अड्डे पर जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया तो बीच के अंतराल में आई दरार को जैसे पुरानी मित्रता का गहरा भाव पाट चुका था।

इसे समय चक्र का संयोग भी कह सकते हैं। पांच वर्ष पूर्व 2019 में लोकसभा चुनाव के समय मोदी और नीतीश उसी हवाई अड्डे पर ठीक ऐसे ही मिले थे, जैसे शनिवार को मिले। वह समय भी चुनाव का था, यह समय भी चुनाव का ही है। नीतीश जहां पांच वर्ष पहले थे, पुनः वहीं पहुंच चुके हैं। राजनीति के कैनवास पर मिलन का यह दृश्य डेढ़ वर्ष पूर्व के अलगाव को पुनः मित्रता के रंग से भरता हुआ वही पुरानी स्मृति रेखा खींच रहा था। भाजपा और जदयू की दोस्ती बिहार की राजनीति में स्वीकार्य ही नहीं रही, अपितु यहां का एक स्वाभाविक हिस्सा रही है। राजनीति की एक धुरी राजग, जिसमें दोनों दलों का पुराना साथ रहा है तो दूसरी ओर महागठबंधन (अब आइएनडीआइए)। इन दो धुरियों के इर्द-गिर्द घूमती राजनीति में नीतीश कुमार की सदैव प्रभावी भूमिका रही। राजनीतिक समीकरण बदले और राजग का यह धड़ा यानी जदयू डेढ़ वर्ष पहले अलग होकर महागठबंधन का हिस्सा बन गया।

दूरियां बढ़ गईं, पर पुराने साथ की स्मृति जैसे बार-बार झकझोर रही हो और हुआ भी ठीक वैसा ही, जब नीतीश पुनः उसी धुरी के साथ आ गए, जहां से उन्होंने बिहार की राजनीति बदली थी। सो, शनिवार को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने आए तो चेहरे पर वही पुरानी चिर परिचित मुस्कान। एक दूसरे का हाथ पकड़े दोनों जैसे बिहार के सुनहरे भविष्य पर मंथन कर रहे हों। मन का कोई कोना जैसे कह रहा हो, कहां चले गए थे? फिर चेहरे की हंसी जैसे बोल रही हो, हम तो साथ-साथ हैं। इसे स्वयं नीतीश ने अपने भाषण में बता दिया -'आप बहुत दिनों बाद आए। हम ही कुछ दिनों के लिए गायब हो गए थे।' मित्रता है तो कहीं कोई लुका-छिपी नहीं। नीतीश ने ईमानदारी से भरी सभा में कहा, अब हम आपको आश्वस्त करते हैं कि इधर-उधर नहीं होने वाले। आप ही के साथ रहेंगे। 2005 से पहले के कालखंड का उल्लेख करते हुए यह भी कि बिहार को उस दौर में नहीं जाने देंगे। मंच पर जब प्रधानमंत्री के स्वागत को माला लाई गई तो उन्होंने जिस तरह नीतीश का हाथ पकड़ उस घेरे में उन्हें भी लिया, वह आम जन को प्रगाढ़ मित्रता का संदेश भी दे गया।

'संदेशखाली की नारी शक्ति दुर्गा बन खड़ी हुई तो ममता को झुकना पड़ा'

राज्य ब्यूरो कोलकाता

बंगाल दौरे के दूसरे दिन भी पीएम ने संदेशखाली में महिलाओं के साथ अत्याचार को लेकर हमला बोला। नदिया जिले के कृष्णानगर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि क्षेत्र की परेशान माताएं और बहनें इंसाफ की गुहार लगाती रहीं लेकिन तृणमूल सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। राज्य सरकार चाहती ही नहीं थी कि संदेशखाली का गुनहगार (तृणमूल नेता शाहजहां शेख) कभी गिरफ्तार हो लेकिन जब बंगाल की नारी शक्ति दुर्गा बनकर खड़ी हो गई और भाजपा के कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हो गए, तब मजबूरन राज्य सरकार को झुकना पड़ा।
पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में हालात ऐसे हैं कि यहां पुलिस नहीं, बल्कि अपराधी तय करते हैं कि उन्हें कब सरेंडर करना है और कब गिरफ्तार होना है। 25 मिनट के भाषण में हालांकि पीएम ने एक बार भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी का नाम नहीं लिया। पीएम ने कहा कि तृणमूल (टीएमसी) का अर्थ बदलकर अब तू, मैं और करप्शन हो गया है। पीएम ने कहा कि लोकसभा चुनावों में बंगाल की सभी 42 सीटों पर कमल खिलाना होगा। जनसभा से पहले पीएम ने कृष्णानगर में 15,000 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जनसभा से पहले कृष्णानगर में छोटा रोड शो भी किया।

बंगाल में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता की मां दुर्गा से की तुलना: पूर्व बर्द्धमान के जिलाधिकारी विधान राय ने एक कार्यक्रम में कहा कि ममता बनर्जी मां दुर्गा की तरह हैं। वह सभी जगह उपस्थित रहती हैं। उनका यह बयान विवादों में घिर गया है। भाजपा ने इसकी कड़ी आलोचना की।

वाराणसी से हैट्रिक की तैयारी में मोदी

चुनावी रण ▸ कांग्रेस के रघुनाथ सिंह व भाजपा के शंकर प्रसाद जायसवाल की होगी बराबरी

श्रीराम मंदिर आंदोलन के बाद 1991 में सीट आई भाजपा के कब्जे में

अशोक सिंह, वाराणसी

टिकट की घोषणा के बाद वाराणसी में जश्न मनाते युवा भाजपा कार्यकर्ता। जागरण

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार वाराणसी संसदीय सीट से 2024 लोकसभा चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया है। मोदी इस सीट से 2014 में सांसद और देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद वह 2019 में भी यहां से मैदान में उतरे और दोबारा सांसद बने। इस बार वह यहां से जीत की हैट्रिक की तैयारी में हैं। वाराणसी सीट के लिए रोचक बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में सपा की जिस शालिनी यादव को दूसरा स्थान मिला था, वह इस बार भाजपा में शामिल हो गई हैं। कांग्रेस ने इस सीट से अभी तक उम्मीदवार तो घोषित नहीं किया है, पर उम्मीद जताई जा रही है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय उनके सामने होंगे।

1952 के पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रघुनाथ सिंह को मैदान में उतारा था। बड़े जमींदार परिवार के रघुनाथ सिंह जनता के बीच काफी लोकप्रिय थे। वह 1952, 1957 और 1962 में लगातार यहां से सांसद बने। श्रीराम मंदिर आंदोलन के बाद 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां से पूर्व पुलिस अधिकारी और श्रीराम जन्मभूमि कारसेवा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने वाले श्रीशचंद दीक्षित को मैदान में उतारा। श्रीशचंद ने सीट जीतकर भाजपा की झोली में डाल दी। इसके बाद भाजपा ने 1996 में यहां से शंकर प्रसाद जायसवाल को मैदान में उतारा। उन्होंने पार्टी को निराश नहीं करते हुए 1996, 1998 और 1999 में वाराणसी सीट का प्रतिनिधित्व किया। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री पद और वाराणसी संसदीय सीट का उम्मीदवार घोषित किया।

अब तक हुए सांसद

वर्ष	सांस	दल
1952	रघुनाथ सिंह	कांग्रेस
1957	रघुनाथ सिंह	कांग्रेस
1962	रघुनाथ सिंह	कांग्रेस
1967	एसएन सिंह	सीपीएम
1971	राजाराम शास्त्री	कांग्रेस
1977	चंद्रशेखर	भारतीय लोकदल
1980	कमलापति त्रिपाठी	कांग्रेस
1984	श्यामलाल यादव	कांग्रेस
1989	अनिल शास्त्री	जनता दल
1991	श्रीशचंद दीक्षित	भाजपा
1996	शंकर प्रसाद जायसवाल	भाजपा
1998	शंकर प्रसाद जायसवाल	भाजपा
1999	शंकर प्रसाद जायसवाल	भाजपा
2004	डा. राजेश मिश्र	कांग्रेस
2009	डा. मुरलीमनोहर जोशी	भाजपा
2014	नरेन्द्र मोदी	भाजपा
2019	नरेन्द्र मोदी	भाजपा

वाराणसी से उम्मीदवारी पर मोदी ने पार्टी का जताया आभार

जासं, वाराणसी: पीएम मोदी ने शनिवार देर रात एक्स हैंडल पर हिंदी और अंग्रेजी में संदेश जारी कर खुद के तीसरी बार उम्मीदवार बनाए जाने पर विचार व्यक्त किए। काशी के साथ अपने भावनात्मक संबंधों को व्यक्त करते हुए उन्होंने काशीवासियों को कृतज्ञता ज्ञापित की। मोदी ने लिखा, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में तीसरी बार अपने परिवारजन की सेवा को लेकर बहुत उत्सुक हूं। भाजपा नेतृत्व को बहुत-बहुत धन्यवाद।

केंद्रीय मंत्री बोले– मेरी गलती की सजा पीएम को मत देना

जासं, जयपुर : लोकसभा चुनाव से पहले नेता अपने निर्वाचन क्षेत्र के नाराज कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों की मान-मनोव्वल में जुट गए हैं। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आप मेरी गलती की सजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मत देना। कहीं मुझे आने या जाने में देरी हुई हो अथवा कोई काम नहीं करवा सका हूं या फिर मैंने कोई गलती की हो तो इसके लिए माफ करना। मोदी जैसा नेतृत्व देश को फिर कभी नहीं मिलेगा।

उप्र में भाजपा ने 44 सांसदों को फिर दिया टिकट, चार हारी सीटों पर बदले प्रत्याशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र के पुत्र को श्रावस्ती से उतारा
- जौनपुर से महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह होंगे उम्मीदवार
- बसपा छोड़कर आए सांसद रितेश को अंबेडकरनगर से बनाया प्रत्याशी

राजनाथ सिंह।

स्मृति इरानी

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को प्रत्याशियों की पहली सूची में उत्तर प्रदेश की जिन 51 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें से जीती हुई 44 सीटों पर उसने सांसद का टिकट नहीं काटा है। पार्टी ने हारी हुई 14 लोकसभा सीटों में से सात सीटों के प्रत्याशी भी पहली सूची में घोषित किए हैं। हारी हुई अन्य सात सीटों में से श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर और नगीना सीटों पर भाजपा ने नए चेहरों को उतारा है तो बाकी तीन पर पुराने प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। अभी 29 सीटों पर प्रत्याशी नहीं घोषित किए गए हैं, जिनमें दो अपना दल (एस) के पास हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वाराणसी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लखनऊ, स्मृति ईरानी को अमेठी व महेंद्र नाथ पांडेय को चंदौली से प्रत्याशी बनाने के साथ भाजपा ने पहली सूची में छह राज्य मंत्रियों को भी जगह दी है। केंद्रीय राज्य मंत्रियों में भाजपा ने डा. संजीव बालियान को मुजफ्फरनगर, एसपी सिंह बघेल को आगरा (सुरक्षित), अजय मिश्रा 'टेनी' को खीरी, फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर को मोहनलालगंज (सुरक्षित) और भानु प्रताप सिंह वर्मा को जालौन (सुरक्षित) सीट से फिर मैदान में उतारा है। पहली सूची में सभी सांसदों को फिर टिकट देते हुए भाजपा ने 75 पार वाले फार्मूले को लागू करने से परहेज किया है। श्रावस्ती से भाजपा ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सलाहकार रहे नृपेन्द्र मिश्र के पुत्र साकेत मिश्र को प्रत्याशी बनाया है। इन्वेस्टमेंट बैंकर के तौर पर करियर शुरू करने वाले साकेत 1994 में भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हुए लेकिन वित्तीय क्षेत्र में रुचि होने के कारण उन्होंने आइपीएस से त्यागपत्र देकर फिर बैंकिंग क्षेत्र की पुरानी राह पकड़ी। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें श्रावस्ती से भाजपा के टिकट का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन भाजपा ने अपने सांसद दद्दन मिश्रा को टिकट थमाया और वह चुनाव हार गए। पिछले वर्ष भाजपा ने साकेत मिश्र को विधान परिषद का मनोनीत सदस्य बनवाया। अंबेडकरनगर से भाजपा ने हाल ही में बसपा छोड़कर आए सांसद रितेश पांडेय को प्रत्याशी बनाया है। रितेश के पिता राकेश पांडेय अंबेडकरनगर की जलालपुर सीट से सपा विधायक हैं, लेकिन बेटे के भाजपा में शामिल होने के बाद 27 फरवरी को राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग करते हुए भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान किया था। नगीना से भाजपा ने बिजनौर के नहटौर से विधायक ओम कुमार को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने हारी हुई बाकी तीन सीटों पर पुराने प्रत्याशियों को ही मौका दिया है। संभल से परमेश्वर लाल सैनी, अमरोहा से कंवर सिंह तंवर और लालगंज (सुरक्षित) से नीलम सोनकर पर भरोसा जताया है। भाजपा ने वर्ष 2019 के लोस चुनाव में 62 सीटें जीती थीं जबकि उसके सहयोगी अपना दल (एस) ने दो सीटें-मीरजापुर और राबर्ट्सगंज जीती थीं। शेष 16 सीटें बसपा, सपा और कांग्रेस के खाते में गई थीं। उप चुनाव में भाजपा ने आजमगढ़ व रामपुर सीट सपा से छीन ली थीं।

एनडीए का हिस्सा बना राष्ट्रीय लोक दल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के शनिवार को एनडीए में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा हो गई है। रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। अमित शाह ने जयंत चौधरी के एनडीए परिवार में शामिल होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि चौधरी के एनडीए में आने से किसान, गरीब व वंचित वर्ग के उत्थान के संकल्प को और बल मिलेगा।

पहली सूची में बदलाव उन राज्यों में दिखा जहां विपक्षी गठबंधन का नया समीकरण उभरा

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

सामान्यतया भाजपा अपने उम्मीदवारों की सूची मे बड़ी संख्या में चेहरों का बदलाव करती है, लेकिन इस बार जारी पहली सूची में बदलाव केवल उन राज्यों में दिख रहा है जहां विपक्षी गठबंधन का नया समीकरण उभरा है या फिर उम्मीदवार के खिलाफ भारी सत्ता विरोधी लहर है। दिल्ली इसका बड़ा उदाहरण है, जहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन हुआ है। यहां घोषित पांच प्रत्याशियों में से मनोज तिवारी को छोड़कर अन्य चारों चेहरे नए हैं। नई दिल्ली से मंत्री मीनाक्षी लेखी का टिकट काटकर यहां भाजपा की दिग्गज नेता रहीं स्वर्गीय सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज को उम्मीदवार बनाया गया है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कुछ नामों के बदलाव का बड़ा कारण यह भी है कि वहां कई सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाया गया था। भाजपा ने करीब 17 वर्ष तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और विधायक शिवराज सिंह चौहान को विदिशा से टिकट दिया है। वे इस बार भी मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदार थे। माना जा रहा है कि शिवराज सिंह को भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व फिर मुख्यधारा में वापस लाया है। मुख्यमंत्री बनने से पहले शिवराज सिंह विदिशा से ही सांसद थे। केरल में कांग्रेस के दिग्गज नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी और अभिनेता सुरेश गोपी के साथ तिरुअनंतपुरम से शशि थरूर के खिलाफ केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर भाजपा ने केरल के तिलिस्म को तोड़ने की भी रणनीति बनाई है। पिछले दिनों भाजपा में शामिल हुई कांग्रेस की सांसद गीता कोडा को सिंहभूम से टिकट दिया गया है। इसी तरह से बसपा को छोड़कर भाजपा में आने वाले रितेश पांडेय को भी अंबेडकरनगर से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा की पहली सूची में 34 केंद्रीय मंत्रियों को भी स्थान मिला है। तावड़े के अनुसार उम्मीदवारों का चयन भाजपा को 370 और राजग को 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर सर्वे कराने के बाद प्रदेश की चुनाव समितियों में उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। प्रदेश चुनाव समितियों की रिपोर्ट के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के चयन पर मुहर लगाई गई।

दिल्ली में चार सांसदों के टिकट कटे

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

भाजपा ने दिल्ली के सात में से पांच लोकसभा सीटों नई दिल्ली, चांदनी चौक, दक्षिणी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली पर अपने प्रत्याशी घोषित किए। उत्तर-पूर्वी को छोड़कर अन्य चार सीटों पर नए उम्मीदवार उतारे गए हैं। पूर्वी दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रत्याशी तय नहीं हुए हैं। भाजपा ने पहली बार दिल्ली में दो महिलाओं को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया है। कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज को मैदान में उतारकर पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने को लेकर गंभीर है। उधर, पार्टी ने मनोज तिवारी पर एक बार फिर से विश्वास जताया है। इसका मुख्य कारण पूर्वांचलियों की बड़ी संख्या है।

बांसुरी स्वराज

कमलजीत सहरावत

'मैच' से पहले ही गंभीर ने छोड़ा मैदान

जागरण टीम, नई दिल्ली

गौतम गंभीर

टिकट घोषणा से पहले ही सांसद गौतम गंभीर ने छोड दी राजनीति

शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची आने से पहले ही पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर और झारखंड के हजारीबाग से सांसद जयंत सिन्हा ने चुनाव लड़ने को लेकर अनिच्छा जता दी। गौतम गंभीर ने तो राजनीति ही छोड़ दी। दोनों नेताओं ने फैसले की जानकारी इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर सार्वजनिक की।

क्रिकेटर से नेता बने गौतम गंभीर शनिवार सुबह 10.05 बजे एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से उन्होंने राजनीतिक जिम्मेदारी से मुक्त करने का आग्रह किया है, जिससे कि वह क्रिकेट से संबंधित प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। गंभीर ने जनता की सेवा करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है। उन्होंने शुक्रवार की रात को एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को समर्थन करने के लिए भाजपा को एक हजार रुपये की सहयोग राशि देने की जानकारी दी थी। लोगों से भी राष्ट्र निर्माण के लिए नमो एप के माध्यम से भाजपा को सहयोग करने की अपील की है। जानकार बता रहे थे कि गुरुवार रात को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में दिल्ली के प्रत्याशियों को लेकर मंथन हुआ था। गौतम गंभीर का टिकट कटने की चर्चा थी। उधर, जयंत सिन्हा ने भी एक्स पर पोस्ट किया- मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से आग्रह किया है कि मुझे प्रत्यक्ष चुनावी कर्तव्यों से मुक्त रखें, ताकि मैं वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में काम कर सकूं।

कृपाशंकर सिंह को मिला सम्मानजनक पुनर्वास

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

कृपाशंकर सिंह।

अब वह अपने गृहनगर जौनपुर से भाजपा के टिकट पर लड़ेंगे लोस चुनाव

कभी कांग्रेस में 10 जनपथ के करीबी रहे महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह को अंततः भाजपा में सम्मानजनक पुनर्वास मिल गया। अब वह अपने गृहनगर जौनपुर से भाजपा से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे।

कृपाशंकर सिंह मुंबई में कांग्रेस की राजनीति शुरू करने के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे। राज्य में विलासराव देशमुख की सरकार बनने पर उन्हें गृह राज्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसी दौरान सिंह ने मुंबई के हिंदी भाषी नेताओं में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया और मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। कांग्रेस के ही कुछ स्थानीय नेताओं द्वारा उन पर आर्थिक अपराध के कई आरोप लगवाए गए। लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की जांच में ये आरोप तथ्यहीन पाए गए।

लंबे समय तक कांग्रेस में रहने और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के करीबी होने के बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल में कश्मीर में अनुच्छेद- 370 हटाए जाने पर संसद के दोनों सदनों में चली बहस के दौरान कांग्रेस सांसदों का रुख देखकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला ले लिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दो साल तक वह किसी दल में नहीं गए। सात जुलाई, 2021 को वह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में उन्हें उत्तर भारतीय प्रकोष्ट का प्रभारी बनाया लेकिन दिल्ली या महाराष्ट्र के सदन की राह उनके लिए खुलती दिखाई नहीं दे रही थी।

बागी विधायक राणा बोले, नौ और विधायक हमारे संपर्क में

हिमाचल में सियासी संकट

जागरण संवाददाता, शिमला

- कहा- झूठ बोल रहे सुक्खू, हमें न पछतावा, न वापस आना चाहता है कोई विधायक

राजेंद्र राणा। फाइल

हिमाचल में अयोग्य घोषित किए विधायक राजेंद्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हिंदुस्तान में सबसे अधिक झूठ बोलने वाले मुख्यमंत्री हैं। किसी ने भी ऐसा नहीं कहा है कि उन्हें पछतावा है, जो भी निर्णय लिया है वह सोच-समझ कर लिया है। नौ विधायकों ने हिमाचल के स्वाभिमान की रक्षा की है। प्रदेश के लोगों के हित की रक्षा की है। जो हमें काले नाग बोल रहे हैं, सवा साल में प्रदेश की क्या हालत हुई है, वे यह बताएं। हमारे संपर्क में कम से कम नौ और विधायक हैं। ऐसे में प्रदेश की कांग्रेस सरकार का गिरना तय है। हमारी सदस्यता को दबाव में आकर रद किया गया है। इसके अलावा जिन्होंने क्रास वोटिंग की है, उनके घरों व समर्थकों पर कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री की ओर से अयोग्य घोषित छह विधायकों को काले नाग की संज्ञा देने, अपने किए पर पछतावा होने व पार्टी में वापसी के लिए संपर्क करने बयान पर प्रदेश में राजनीति गरमा गई है। पंचकूला में ठहरे अयोग्य घोषित किए विधायकों ने मुख्यमंत्री के बयानों पर सख्त आपत्ति जताई है। राजेंद्र राणा ने पत्रकारों से बातचीत का अपना वीडियो भी जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि प्रदेश के नौजवान युवा, जिन्होंने परीक्षा दी है, उनका रिजल्ट नहीं आ रहा, वे सड़क पर बैठे हैं। गारंटियों व वादों का कुछ नहीं हो रहा। विधायकों को जलील किया जा रहा है। राणा ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन के 23 वर्ष समाज को दिए हैं। इनमें जो भी व्यक्ति उनके पास आया चाहे वह किसी भी जाति, धर्म का हो, पार्टी लाइन से ऊपर उठकर उसकी मदद की है। जितने भी विधायक उनके साथ पंचकूला में हैं, वे सब परेशान होकर बैठे हैं। राजेंद्र राणा ने कहा कि कई बार हाईकमान के समक्ष यह बात उठाई कि मुख्यमंत्री विधायकों की बात नहीं सुनते, उन्हें अपमानित करते हैं।

मेरे साथ 80 प्रतिशत विधायक : सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि मैं न तो ब्लैकमेलिंग से डरता हूं, न ही हमारी सरकार खतरे में है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के मुख्यमंत्री को सबको साथ लेकर चलने के बयान पर कहा कि मेरे साथ 80 प्रतिशत विधायक हैं। मुझे नहीं पता कि प्रतिभा सिंह ने यह सवाल क्यों उठाया। वह प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं। ऐसा सवाल उन्होंने क्यों किया इसके बारे में वह कुछ नहीं कह सकते। मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि क्रास वोटिंग करने वाले छह विधायकों को अब पछतावा हो रहा है, वे परेशान हैं और इन विधायकों के परिवारों के लोग भी दुखी हैं। उन्होंने फिर दावा किया कि उनकी सरकार पांच वर्ष पूरे करेगी। भाजपा ने जिस षड्यंत्र को अंजाम देने की कोशिश की है, वह हिमाचल में सफल होने वाला नहीं है। पहली बार हिमाचल की संस्कृति में ईमान को बेचा गया। खरीद फरोख्त कर भाजपा प्रत्याशी को जिताकर राज्यसभा भेजा गया।

हिमाचल में मंत्रिमंडल बैठक छोड़ बाहर निकले दो मंत्री, खूब रही चर्चा

जागरण संवाददाता, शिमला : हिमाचल में राज्यसभा चुनाव के बाद पैदा हुए राजनीतिक हालात सामान्य नहीं हुए हैं। शनिवार को हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। बैठक का एजेंडा पूरा नहीं हुआ था कि दो मंत्री बाहर आ गए। एक मंत्री का बैठक से बाहर आने के बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री द्वारा वापस लाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित हुआ। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि उनका बेटा पहली बार हास्टल जा रहा है। इसलिए वह बैठक को आधे में छोड़कर निकल गए थे। बाद में मुख्यमंत्री ने कहा कि एजेंडा पूरा होने के बाद वह जाएं, इस कारण वह वापस आ गए। उन्होंने कहा कि हम पहाड़ी आदमी हैं, भावुक जल्दी हो जाते हैं। वहीं, तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कुछ कहना चाहा, लेकिन रोहित ठाकुर ने उनका हाथ पकड़ रोक दिया।

मणिपुर से चलकर मध्य प्रदेश पहुंची राहुल की यात्रा

वीरेंद्र तिवारी, मुरैना

मुरैना में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थक से हाथ मिलाते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। एएनआइ

मणिपुर से चलकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 49वें दिन चंबल नदी को पार कर शनिवार शाम मध्य प्रदेश में प्रवेश कर गई। राजस्थान-मप्र की सीमा पर चंबल नदी के पुल पर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी के स्वागत के लिए तैयारियां की थीं। कार्यकर्ताओं ने इस आस के साथ सड़क पर फूल बिछाए थे कि राहुल को खुली जीप से उतारकर पैदल ही पुल पार कराएंगे, लेकिन मौसम ने साथ नहीं दिया। उधर, मुरैना के बाबा भीमराव आंबेडकर मैदान में दावा एक लाख लोगों की भीड़ जुटाने का था, लेकिन जब राहुल पहुंचे तब बमुश्किल पांच हजार लोग ही मौजूद थे। राहुल ने धन्यवाद के साथ बोलना शुरू किया। यात्रा निकालने का उद्देश्य बताते हुए उनका पूरा भाषण अदाणी, आरक्षण और अग्निवीर पर ही केंद्रित रहा।

कमल नाथ ने दो मिनट में समाप्त किया भाषण: कमल नाथ को बोलने का भी मौका दिया गया। उन्होंने महज दो मिनट में महापौर व विधायक के रूप में कांग्रेसी को जिताने के लिए धन्यवाद के साथ भाषण समाप्त कर दिया।

****

2 बाइकों के बीच हुई सीधी भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में तुमला थाना क्षेत्र में हुई। किसी भी बाइक सवार ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। भिड़ंत के बाद एक बाइक में आग लग गई। दुर्घटना में पांचवें मृतक की पहचान भी नहीं हो पाई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 3 मार्च, 2024

पहाड़ों पर हिमपात, मैदान में वर्षा से फसलों को नुकसान

बदला मौसम ▶ आज भी छाए रहेंगे बादल, पर्वतीय इलाकों में हिमपात और मैदान में होगी हल्की बूंदाबांदी

उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब से लेकर राजस्थान तक फसलों को नुकसान, किसान परेशान

- दिल्ली के कई इलाकों में वर्षा के बाद चली तेज हवा, सुबह गर्माहट भरा रहा मौसम
- उच्च हिमालय के गांवों ने ओढ़ी बर्फ की चादर, केदारनाथ में ढाई फीट ताजी बर्फ जमी

जागरण टीम, नई दिल्ली

उत्तर भारत में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। एक तरफ जहां दिसंबर और जनवरी में हिमपात नहीं हुआ। वहीं, अब पहाड़ी राज्यों में कई दिन से लगातार हिमपात के साथ वर्षा भी हो रही है। इसी का असर है कि शनिवार को दिल्ली-एनसीआर के साथ आसपास के राज्यों में भी हल्की वर्षा हुई। इससे फसलों को भी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी और वर्षा के चलते ठंड बढ़ गई है। हिमाचल में भी अधिकतर स्थानों पर वर्षा व हिमपात हुआ। वहीं मनाली के पास हिमस्खलन होने से पांच वाहन इसकी चपेट में आ गए। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को दूसरे दिन मौसम के मिजाज और तीखे हो गए। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में दो से तीन फीट ताजा बर्फ जमा हो गई है। जम्मू व श्रीनगर सहित निचले क्षेत्रों में मूसलधार वर्षा व कुछ जगह ओलावृष्टि से जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और वर्पतीय इलाकों में हिमपात के साथ मैदानी इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इधर, दिल्ली में शनिवार सुबह का न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। इस वजह से सुबह के वक्त मौसम गर्माहट भरा रहा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में हल्की वर्षा हुई और तेज हवा भी चली। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक है।

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों स्कूल शिक्षा बोर्ड व सीबीएसइ की परीक्षाएं चल रही हैं। शनिवार भारी को हिमपात के बीच कई परीक्षार्थियों व शिक्षा बोर्ड प्रबंधन को भी परेशानी झेलनी पड़ी। लाहुल स्पीति के काजा में बर्फ में फंसा प्रश्न पत्र छोड़ने जा रहा वाहन। पुलिस की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद इस वाहन को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। जसवंत ठाकुर

उप्र से लेकर पंजाब-हरियाणा तक हुई वर्षा, फसलों को नुकसान : उत्तर प्रदेश में कई दिनों से लगातार तेज धूप से गर्माते दिन में अचानक मौसम के बदलाव के बाद बादल और बारिश ने हल्की ठंडक घोल दी है। शुक्रवार देर शाम से कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया, जो सुबह तो कहीं दोपहर तक जारी रहा। कुछ जगहों पर फसलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। पंजाब के जालंधर, बठिंडा, फाजिल्का, बरनाला सहित कई जिलों में शनिवार को तेज वर्षा के साथ ओलावृष्टि हुई। वर्षा के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, तीन मार्च को भी राज्य के कई जिलों में तेज वर्षा होने की संभावना है। वर्षा से पककर तैयार सरसों की फसल के साथ गेहूं और सब्जियों की फसलों को नुकसान हो सकता है। वहीं, हरियाणा में भी वर्षा-ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हो सकता है। हरियाणा में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक में वर्षा के साथ ओले भी गिरे।

पहाड़ों में जारी है हिमपात : उत्तराखंड में बर्फबारी व वर्षा से ठंड बढ़ गई है। शुक्रवार रात से ही चार धाम, हेमकुंड समेत हिमालय की चोटियों पर बर्फबारी जारी है। केदारनाथ धाम में ढाई फीट ताजी बर्फ जम गई है। शनिवार सुबह से बर्फबारी का क्रम बना हुआ है। जबकि निचले पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा हो रही है। हिमाचल में शनिवार को अधिकतर स्थानों पर वर्षा व हिमपात हुआ। पर्यटन नगरी मनाली में हिमस्खलन होने से सड़क किनारे खड़े पांच वाहन चपेट में आए। केलंग के समीप बिलिंग नाले में भी हिमस्खलन हुआ है। चंबा जिले के भरमौर में हिमपात के कारण एक मकान गिर गया। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। हिमपात के कारण अटल टनल और सोलंगनाला पर्यटन स्थल बंद। लाहुल-स्पीति जिले में दो फीट और मनाली में एक फीट हिमपात हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में शनिवार को भी हिमपात का दौर जारी रहा। गुलमर्ग समेत उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में दो से तीन फीट ताजा बर्फ जमा हो गई है। वहीं, जम्मू व श्रीनगर सहित निचले क्षेत्रों में मूसलधार वर्षा व कुछ जगह ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित रहा। कटड़ा में माता वैष्णो देवी के लिए चलने वाली हेलीकाप्टर सेवा बाधित रही। ताजा वर्षा व बर्फबारी से तापमान में गिरावट आने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है।

राजस्थान में बारिश से फसल खराब हुई : राजस्थान में बारिश और ओलावृष्टि का शुक्रवार को शुरू हुआ दौर शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस बीच प्रदेश के आमेट में बारिश और तेज हवाओं के बीच बिजली की हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर गिरने से एक महिला और एक युवक की मौत हो गई। ओले गिरने और बारिश के कारण प्रदेश में सैंकड़ों हेक्टयेर कृषिभूमि में तैयार की गई सरसों, गेंहू और चने की फसल को नुकसान हुआ है।

ज्ञानवापी परिसर से जूता रैक हटाने की मांग का प्रार्थना पत्र दाखिल

विधि संवाददाता, वाराणसी : ज्ञानवापी परिसर से जूता रैक हटाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र शनिवार को जिला जज की आदालत में दाखिल किया गया। ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने, वहां मिले शिवलिंग की पूजा का अधिकार देने की मांग करते हुए भगवान आदि विश्वेश्वर की ओर से मुकदमा दाखिल वाली किरण सिंह ने यह प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। अदालत ने सुनवाई के लिए 19 मार्च की तिथि तय की है।

किरण सिंह के वकील मान बहादुर सिंह व अनुपम द्विवेदी की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र को प्रभारी जिला जज अनिल कुमार की अदालत में प्रस्तुत किया गया। बताया गया कि समाचार पत्र दैनिक जागरण से जानकारी मिली कि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद (मस्जिद पक्ष) लोहे के बने जूते के रैक को ज्ञानवापी परिसर में ले गया। यह भी जानकारी हुई कि स्थानीय प्रशासन ने अनुमति दी, जबकि ज्ञानवापी का विवाद अदालत में चल रहा है। बता दें, ज्ञानवापी में बीते शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे नमाज पढ़ने वालों की भीड़ पहुंची थी। कुछ नमाजी लोहे का छह जूता रैक लेकर पहुंच गए। वहां जवानों ने सुरक्षा कारणों से उसे अंदर ले जाने से रोक दिया। इससे नाराज अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के सचिव अब्दुल बातिन नोमानी नमाज पढ़ने को अंदर न जाने पर अड़ गए तो विवाद गहराने लगा।

तंबाकू कारोबारी के यहां छापे में 12 करोड़ से ज्यादा की हीरा जड़ित घड़ियां मिलीं

जासं, कानपुर : तंबाकू कारोबारी के दिल्ली के आवास और अन्य प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग का छापा शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान हीरा जड़ित पांच घड़ियां मिली हैं, जिनकी कीमत 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की आंकी जा रही है।

तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा की वंशीधर श्रीराम फर्म है। मुन्ना मिश्रा कई वर्ष पहले दिल्ली में शिफ्ट हो गए और इसके बाद गुजरात के ऊंझा में तंबाकू का बड़ा कारोबार शुरू किया। कानपुर से कारोबार शुरू करने के कारण उनका आयकर रिटर्न यहीं जाता है। आयकर अधिकारियों ने उनके कानपुर, दिल्ली, गुजरात स्थित ठिकानों पर गुरुवार को छापे मारे थे। शनिवार रात तक छापे की कार्रवाई जारी थी। तंबाकू कारोबारी के आर्यनगर के आवास और नयागंज के रामगंज की दुकान पर अभी तक कोई गड़बड़ी नहीं मिली है, लेकिन दिल्ली में महंगी कारों के बाद अधिकारियों को अब महंगी घड़ियां मिली हैं। घड़ियों में हीरे जड़े हुए हैं। इनका मूल्य 12 करोड़ रुपये से ज्यादा माना जा रहा है। शुक्रवार को 4.5 करोड़ रुपये की नकदी के साथ 2.5 करोड़ रुपये के गहने, करीब 70 करोड़ रुपये कीमत की कारें मिलने की जानकारी सामने आई थी। अधिकारियों के मुताबिक, अभी स्टाक व अन्य वस्तुओं का भी मूल्यांकन जारी है।

आरएसएस नेता आर. रुद्रेश की हत्या का मुख्य साजिशकर्ता मुंबई हवाईअड्डे से गिरफ्तार

- तंजानिया के दार-ए-सलाम से आने के बाद हुई आरोपित गौस नियाजी की गिरफ्तारी
- एनआइए के प्रवक्ता ने कहा, वर्ष 2016 में आरएसएस नेता रुद्रेश की हत्या के बाद से फरार था नियाजी

नई दिल्ली, प्रेट्र : एनआइए ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता को विदेश से लौटने पर मुंबई हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया है। आरोपित गौस नियाजी प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) का सदस्य है। उसने आरएसएस नेता आर. रुद्रेश की हत्या की साजिश रची थी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि रुद्रेश की हत्या के बाद गौस नियाजी वर्ष 2016 में फरार हो गया था। उसे तंजानिया के दार-ए-सलाम से आने के तुरंत बाद शुक्रवार को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एनआइए की स्पेशल टीम ने गिरफ्तार कर लिया। कर्नाटक में पीएफआइ के चार सदस्यों ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर इलाके के प्रमुख आरएसएस नेता रुद्रेश की 16 अक्टूबर, 2016 को हत्या कर दी थी।

एनआइए प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि नियाजी और असीम शेरिफ ने रुद्रेश की हत्या की साजिश रची। इप दोनों ने लोगों के बीच आतंक पैदा करने के इरादे से अन्य चार आरोपितों को रुद्रेश की हत्या करने के लिए राजी किया था। हत्यारों को बरगलाया गया कि आरएसएस के खिलाफ लड़ाई जिहाद है। नियाजी की गिरफ्तारी के साथ ही मामले के सभी आरोपितों को गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य आरोपितों के खिलाफ एनआइए स्पेशल कोर्ट, बेंगलुरु में मुकदमा चल रहा है।

भारत-विरोधी आतंकी साजिश से जुड़े मामले में फरार आरोपित अब्दुल सलीम गिरफ्तार

एनआइए ने भारत-विरोधी आतंकी साजिश से जुड़े निजामाबाद पीएफआइ मामले में एक फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एनआइए के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि पीएफआइ के तेलंगाना उत्तर क्षेत्र का सचिव रहा अब्दुल सलीम इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 15वां आरोपित है। यह मामला जुलाई 2022 में निजामाबाद पुलिस थाने में दर्ज किया गया था। उसी साल अगस्त में एनआइए ने इसे अपने हाथ में ले लिया था। पीएफआइ और उसके कैडरों की साजिश 2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की थी।

मामला सामने आने के बाद से अब्दुल सलीम फरार था। एनआइए ने बाद में उस पर इनाम घोषित किया। अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर सलीम को आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले से पकड़ा गया। जांच से पता चला है कि वह कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और मुस्लिम युवाओं को पीएफआइ में भर्ती करने में शामिल था।

ईडी से बचने को शाहजहां ने हाई कोर्ट में दायर की अग्रिम जमानत याचिका

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : संदेशखाली में ईडी की टीम पर हमले के मास्टरमाइंड शाहजहां शेख ने केंद्रीय जांच एजेंसी के हाथों गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए अग्रिम जमानत के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। न्यायाधीश देबांग्शु बसाक व न्यायाधीश शब्बर रशीदी की खंडपीठ में इस मामले पर सोमवार को सुनवाई होगी। शाहजहां को पुलिस ने बुधवार रात गिरफ्तार किया था। ईडी शाहजहां को हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती है।

इधर, सीआइडी सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में शाहजहां जानकारियां दे रहा है। उससे जब पूछताछ शुरू की गई थी तो वह अकड़ रहा था और सीआइडी के अधिकारियों के सामने इस अंदाज में बैठा था, मानों वह ऐसे अधिकारियों से मिलने का अभ्यस्त हो लेकिन जब उससे कड़ाई से पूछताछ शुरू की गई तो उसके पसीने छूटने शुरू हो गए। शाहजहां को लगा था कि उसे उसकी पार्टी के नेताओं का पूरा समर्थन मिलेगा लेकिन तृणमूल ने गिरफ्तारी के बाद जरा भी देर न करते हुए शाहजहां को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया। उसे सभी पदों से भी हटा दिया गया है। शाहजहां पर संदेशखाली की महिलाओं के यौन उत्पीड़न व स्थानीय लोगों की जमीन पर कब्जा करने का भी आरोप है।

शाह पर टिप्पणी मामले में पेशी पर नहीं आए राहुल गांधी

- न्याय यात्रा में शामिल होने को बताया कारण, 13 को पेश होने का आदेश

जासं, सुलतानपुर

पिछली पेशी पर जमानत कराने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी शनिवार को न्यायालय में पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने यह कहकर उपस्थित होने के लिए समय मांगा कि वह न्याय यात्रा में शामिल होने गए हैं। इस पर एमपीएमएलए न्यायालय के न्यायाधीश योगेश यादव ने अगली तिथि 13 मार्च तय करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है। मामला गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी को लेकर यहां चल रहे मानहानि के केस का है। इसमें गत 20 फरवरी को राहुल गांधी ने पेश होकर जमानत कराई थी। आरोप तय किए जाने के लिए शनिवार को पेशी थी, लेकिन वह नहीं आए। परिवाद दायर करने वाले भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि जमानत देते समय न्यायाधीश ने आदेश दिया था कि बयान चार्ज के लिए दो मार्च को उपस्थित हों, लेकिन राहुल ने ऐसा नहीं किया। राहुल के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने न्याय यात्रा में शामिल होने के कारण उपस्थिति से छूट व आरोप पर जवाब के लिए अवसर मांगा। इस पर न्यायाधीश ने अगली तिथि तय की।

न्यूज गैलरी

खनौरी में मृत किसान शुभकरण के सिर में मिले मेटल के छर्रे

पटियाला: दिल्ली कूच के दौरान बीते 21 फरवरी को संगरूर के खनौरी बार्डर पर मारे गए बठिंडा के 21 वर्षीय किसान शुभकरण सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। इसमें सिर पर लगे मेटल के छर्रों के कारण मौत होना बताया गया है। पंजाब पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रति हरियाणा के डीजीपी को डाक के जरिये भेज दी है। मालूम हो, शुभकरण की मौत के मामले में पटियाला के पातड़ां थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ जीरो एफआइआर दर्ज की गई है। पुलिस ने उसके सिर से मिले मेटल के छर्रे को विशेषज्ञों के पास भेज दिया है, ताकि पता लगाया जा सके कि छर्रे किस हथियार के हैं। पुलिस अफसरों का कहना है कि रबड़ की गोली के पिछले हिस्से में भी मेटल लगा होता है जो फायर होने पर पीछे रह जाता है और रबड़ की गोली टारगेट पर लगती है। कई बार मेटल रबड़ की गोली से अलग नहीं हो पाता है। संभावना है कि शुभकरण के मामले में ऐसा हुआ होगा। पुलिस अधिकारी उसके सिर की स्कैनिंग की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। (जासं)

गंगनहर में डूबकर आइआइटी रुड़की का छात्र, लापता

रुड़की: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की में बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र गंगनगर में डूबकर लापता हो गया है। जल पुलिस के जवान लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं। लेकिन, उसका कोई पता नहीं चल पा रहा है। रुड़की गंगनहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आरके सकलानी ने बताया कि शनिवार रात्रि करीब आठ बजे आइआइटी प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी कि आइआइटी में बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र अजय कुमार निवासी गुजरात अपने दोस्त के साथ गंगनहर के सोलानी पार्क पर घूमने के लिए आया था। इस दौरान पांव फिसलने से उसका दोस्त केवल निवासी हर्षनगर सोसायटी कालीकुंड धोलका, जिला अहमदाबाद गंगनहर में गिर गया और डूब रहा था। जिसको बचाने के लिए अजय ने गंगनहर में छलांग लगा दी। पार्क में घूम रहे लोगों ने शोर मचाया तो पास ही तैनात जल पुलिस के जवानों ने रेस्क्यू कर छात्र केवल को तो बचा लिया। लेकिन अजय का कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। (जासं)

पेपर लीक से टूटा पुलिस भर्ती का सपना, आहत युवती ने दी जान

जागरण संवाददाता, फिरोजाबाद

पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने से आहत एक युवती ने घर की दूसरी मंजिल पर कमरे में फंदे से लटक गई। युवती ने सुसाइड नोट में सरकारी नौकरी न मिल पाने और माता-पिता का सपना पूरा न कर पाने की बात लिखी है। मालूम हो कि उप्र भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से सिपाही भर्ती के लिए गत 17 व 18 फरवरी को परीक्षा आयोजित की गई थी। पेपर लीक होने की बात सामने आने के बाद सरकार ने परीक्षा दोबारा कराने का फैसला किया है। फिरोजाबाद में आत्महत्या करने वाली 22 वर्षीय वर्षा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पिता जगदीश प्रसाद घर में ही रेडीमेड कपड़ों का काम करते हैं। शनिवार दोपहर जगदीश प्रसाद और उनका बेटा सुमित घर से बाहर थे। घर पर वर्षा और उसकी मां ही थी। दोपहर डेढ़ बजे वर्षा ऊपर वाले कमरे में चली गई। काफी देर तक वापस न लौटने पर मां पहुंची तो अंदर से दरवाजा बंद था। अनहोनी की आशंका पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वर्षा का शव पंखे से बनाए फंदे पर झूलता मिला। बड़े भाई ने बताया, वर्षा पढ़ाई में होशियार थी। वह एसएससी व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। कुछ माह पहले दिल्ली पुलिस और एआरओ की परीक्षा दी थी। 17 फरवरी को उसने पुलिस भर्ती की परीक्षा दी थी। पेपर अच्छा हुआ था, लेकिन जब उसे पता चला कि पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद हो गई है, तब से बहुत परेशान थी।

वर्षा का फाइल फोटो।

सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक कांड में दो दबोचे गए

जासं, लखनऊ : सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को एसटीएफ ने शुक्रवार देर रात धर दबोचा। दोनों को टीम ने गोमतीनगर में शहीद पथ के किनारे किसान बाजार के पास से पकड़ा है। हालांकि गिरोह का सरगना अभी पकड़ से दूर है। डिप्टी एसपी एसटीएफ दीपक सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों में प्रयागराज के फूलपुर, बाबूगंज फाजिलपुर का रहने वाला अजय सिंह चौहान और बाबूगंज करौंजा का सोनू सिंह यादव है। दोनों के पास से दो मोबाइल, 1970 रुपये, प्रवेशपत्र और परीक्षा से संबंधित 32 प्रपत्र बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपित अजय सिंह और सोनू यादव से पता चला कि दो अभ्यर्थियों को दोनों ने पेपर दिया था। दोनों से तीन लाख रुपये लिए थे। दोनों सदस्य पर्चा लीक कराने वाले गिरोह के संपर्क में थे। गिरफ्तार आरोपित प्रयागराज की कोचिंगों में पढ़ने वाले कई अभ्यर्थियों के संपर्क में भी थे। यह दोनों परीक्षाओं में साल्वर बैठाने का काम भी करते थे। अजय सिंह और सोनू ने बताया कि उसे राजन यादव ने सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर दिया था। उसके गिरोह में प्रयागराज के थरवई का रहने वाला सुशील भारती भी शामिल है। राजन यादव व सुशील की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के मुख्य आरोपित के बारे में जानकारी मिलगी।

समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा भी निरस्त

उप्र सरकार ने सिपाही भर्ती के बाद समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) की दोनों सत्र की प्रारंभिक परीक्षाएं भी निरस्त करने का निर्णय किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पेपर लीक मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा।

वर्ग पहेली - 2562

बाएं से दाएं
2. अजय देवगन अभिनीत 2020 में आई एक फिल्म (3)।
4. बोलने में अटकना (4)।
6. मेल से बना हुआ, मिश्रण (3)।
7. अनुसंधान, छान-बीन (4)।
9 छूट देना, सहूलियत देना (4,2)।
11. ...के दो आगे तीतर, ...के दो पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर (3,3)। 14. अपमानित, लांछित (4)। 16. शपथ, सौगंध (3)।
17. बेकार और खराब चीज, जो खाने लायक न हो (2,2)।
18. नकेल लगाना (3)।

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे
1. तृप्ति का अभाव (4)। 2. अलकतरा (4)। 3. जीवनी, जीवन का वृत्तांत (3,3)।
5. खोया हुआ, गुप्त, गुमशुदा (3)।
8. शर्म करना, संकोच करना (3)।
10. एक तरफ से दूसरी तरफ होना (2,2,2)।
11. तीर्थयात्रा करने वाला व्यक्ति (3)।
12. दबाव पड़ने पर किसी लंबे पदार्थ का झुकना (4)। 13. रोयेंदार और मोटा रेशमी कपड़ा (4)। 15. जिसका पैर टूटा हो या बेकाम हो (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2562

	1	6		4		9		5
2				5				6
		9	6		8	7	4	
1			4			2		7
		7			1		9	
	2			8			1	
5			8			3		
		3		7			5	
	8		5		4			9

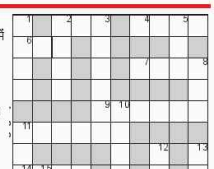

कल का हल

5	3	8	9	1	4	7	6	2
4	6	9	3	7	2	1	5	8
1	7	2	5	8	6	4	3	9
2	1	6	8	9	3	5	4	7
9	5	4	7	2	1	3	8	6
7	8	3	4	6	5	9	2	1
8	4	7	6	3	9	2	1	5
3	9	1	2	5	8	6	7	4
6	2	5	1	4	7	8	9	3

राजस्थान के शिक्षा मंत्री दिलावर का विवादित वीडियो प्रसारित

जासं, जयपुर : राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का प्रसारित एक वीडियो दो दिनों से इंटरनेट मीडिया पर चर्चा में है। इस वीडियो में शिक्षा मंत्री एक मंदिर में प्रार्थना करते हुए नजर आ रहे हैं। करीब 30 सेकेंड के वीडियो में वह हाथ जोड़कर कह रहे हैं कि जो लोग प्लास्टिक की थैली में सामान लाते हैं, जो लोग प्लास्टिक के ग्लास में चाय पीते हैं, जो गंदगी फैलाते हैं- देवी मां उनको बीमार कर देना, उनके घर में किसी न किसी के हाथ-पैर तोड़ देना, उनमें से किसी का नुकसान कर देना। गंदगी फैलाने वालों के घर में कभी धन मत आने देना। हे मां, आपसे प्रार्थना है कि प्लास्टिक का उपयोग करने वाले लोग सुखी नहीं रहें। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तो दिलावर ने सफाई देते हुए कहा, यह वीडियो काफी पुराना है। इसमें छेड़छाड़ की गई है। उधर, कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ने कहा, दिलावर अपने बेतुके बयान में जनता के खिलाफ प्रार्थना कर रहे हैं। इससे उनकी मानसिकता का पता चलता है।

नदी के नीचे चलेगी मेट्रो, पीएम छह मार्च को करेंगे शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोलकाता में हुगली नदी के नीचे चलने वाली मेट्रो सेवा का आगामी छह मार्च को उद्घाटन करेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह देश की ऐसी पहली मेट्रो परियोजना है, जिसमें नदी के नीचे सुरंगें तैयार की गई हैं। पीएम मोदी कोलकाता मेट्रो की इस परियोजना के हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड रूट का उद्घाटन करेंगे, जो 4.8 किलोमीटर लंबा है। नदी सुरंग की लंबाई 520 मीटर है। अप व डाउन लाइन के लिए दो सुरंगें तैयार की गई हैं। प्रत्येक सुरंग का आंतरिक व्यास 5.55 मीटर है। सुरंगें नदी तल से 13 मीटर नीचे एक-दूसरे के समानांतर हैं। मेट्रो ट्रेन को नदी पार करने में एक मिनट से कम समय लगेगा। नदी तल वाले मेट्रो रूट में नीली बत्तियां लगाई गई हैं, ताकि ट्रेन में सवार लोगों को इस बात का पता चल सके कि वे नदी के नीचे से गुजर रहे हैं। परिचालन शुरू होने के बाद हावड़ा देश का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन बन जाएगा।

16 किमी के रूट में 10.8 किमी हिस्सा जमीन के अंदर होगा। इसमें नदी के नीचे का हिस्सा भी शामिल है।

- अप्रैल, 2016 से हावड़ा वाले छोर से सुरंग के निर्माण का काम शुरू हुआ।
- अप्रैल, 2017 से नदी के नीचे से सुरंगें बनाने का काम आरंभ किया गया।
- मार्च, 2018 एस्प्लेनेड के कर्जन पार्क तक सुरंग बनकर तैयार हुई।
- इस रूट पर मेट्रो ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 80 किमी प्रति घंटा होगी।
- हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड जाने में महज छह मिनट का समय लगेगा।
- 2035 तक इस रूट से 10 लाख यात्री करेंगे सफर।
- यह परियोजना पूरी होने पर हावड़ा मैदान को साल्टलेक सेक्टर-5 से जोड़ेगी।
- देश की पहली मेट्रो भी कोलकाता में 24 अक्टूबर, 1984 को शुरू हुई थी।

आज का भविष्यफल- 03 मार्च, 2024 रविवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष सप्तमी।
आज का राहुकाल : सायं 04 बजकर के 30 मिनट से 06 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पश्चिम। आज का पर्व एवं त्योहार : कालाष्टमी

कल 04 मार्च, 2024 का पंचाग
कल का दिशाशूल : पूर्व
कल का पर्व एवं त्योहार : जानकी जयंती
विक्रम संवत 2080 शके 1945 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तत्पश्चात नवमी ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात मूल नक्षत्र वज्र योग तत्पश्चात सिद्धि योग वृश्चिक में चंद्रमा 16 घण्टे 22 मिनट तक तत्पश्चात धनु में।

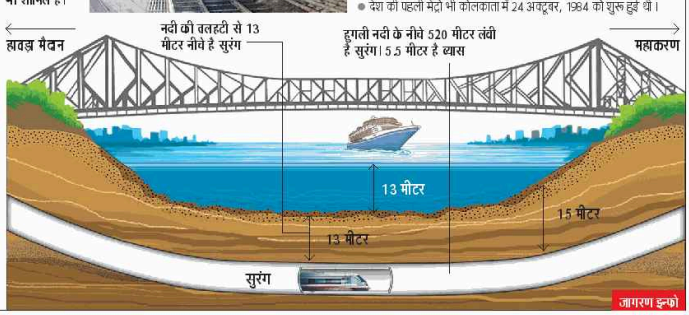

- मेष : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व उत्साहवर्धक होगी।
- वृष : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- मिथुन : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
- कर्क : संतान या शिक्षा के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
- सिंह : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। संपत्ति में वृद्धि होगी।
- कन्या : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
- तुला : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा भी संभव है।
- वृश्चिक : संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।
- धनु : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- मकर : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
- कुंभ : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया गया प्रयास सार्थक होगा।
- मीनः पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी।

****

2.5 माह में छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में तैयार हुए 1203 पीएम आवासों में लोगों ने सामूहिक गृह प्रवेश किया। इसमें जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के शामिल होने से परिवारों की खुशियां और बढ़ गईं।

रविवार विशेष

तकनीक और नवाचार से नया रूप गढ़ रहा वस्त्र उद्योग

नई दिल्ली में वस्त्र उद्योग पर आधारित चार दिवसीय वैश्विक कार्यक्रम भारत टेक्स 2024 का समापन 29 फरवरी को हुआ। इसका शुभारंभ पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया था। फार्म से फैशन यानी उद्योग तक वाली थीम स्पष्ट करती है कि इस महाआयोजन का उद्देश्य भारत को वैश्विक वस्त्र उद्योग में अग्रणी बनाना है तो है ही, रोजगार सृजन और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना भी है। वस्त्र उद्योग के विस्तार-प्रचार-प्रसार के लिए तकनीक को भी आधार बनाया जा रहा है। यही कारण है कि इस आयोजन में सौ से अधिक देशों से 3,000 से अधिक खरीदार पहुंचे। 10,000 से अधिक कारीगर, बुनकर, छात्र, गैर सरकारी कंपनियां और निर्माता शामिल हुए। दैनिक जागरण के संवाददाता **उदय जगताप** ने भारत टेक्स से खोजीं सकारात्मक और प्रेरक बदलाव की तीन कहानियां:

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स में प्रदर्शित विभिन्न डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए परिधान • जागरण

रेशम उत्पादों में बदलाव कर चीन को पछाड़ने की तैयारी

नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स में प्रदर्शित रेशम की जैकेट व कोट • जागरण

रेशम उत्पादों में फिलहाल वैश्विक स्तर पर चीन का दबदबा है, लेकिन भारत ने उससे आगे निकलने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए रेशम उत्पादों में बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य घरेलू और वैश्विक दोनों ही स्तरों पर रेशम की आपूर्ति को बढ़ाना है, जिससे भारत चार-पांच वर्षों में चीन से आगे निकल सके। रेशम को अधिकतर साड़ियों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन अब केंद्रीय रेशम बोर्ड इस सोच को बदलने की दिशा में काम कर रहा है। इसी उपक्रम की कहानी सुना रहे हैं भारत टेक्स में प्रदर्शित किए गए रेशम से तैयार नए उत्पाद।

रेशम की जैकेट और छाता: केंद्रीय रेशम बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी शिवकुमार कहते हैं कि भारत में रेशम की सर्वाधिक वैरायटी हैं। मलबरी, मुगा, एरि और टसर भारत में मिलता है। फिलहाल हमारा ध्यान घरेलू बाजार में रेशम की मांग को बढ़ाने पर है। इसके लिए हम डेनिम रेशम की हाफ जैकेट तैयार कर रहे हैं। इसकी विस्तृत श्रृंखला भारत टेक्स में प्रदर्शित की गई। धूप और बरसात से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल होता है। अब हम रेशम के छाते भी बना रहे हैं, जो अल्ट्रावायलेट किरणों को रोकने में भी सक्षम हैं। हम रेशम के अन्य उत्पादों पर भी कार्य कर रहे हैं। पी शिवकुमार कहते हैं कि विदेश में हमारे रेशम का व्यापार 1,500 करोड़ रुपये का है। हमारी वैश्विक हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है, जबकि चीन की 45 प्रतिशत। वह विश्व में रेशम उत्पादन में पहले पायदान पर है। हमने गति बढ़ाई है और जल्द पांच प्रतिशत के अंतर को कम कर देंगे। इसी दिशा में नए उत्पाद लाए जा रहे हैं।

हर किस्म है खास: टसर के कोकून से तेल निकाला जा रहा है, जो ओमेगा-3 तत्व से भरपूर है। इसके अलावा इससे सेरिसिन पाउडर भी तैयार किया जा रहा है। जिसका प्रयोग खेती, विशेषकर धान की फसल में होता है। इनके जरिये मछली का चारा भी तैयार किया जा सकता है। पी शिवकुमार बताते हैं कि मलबरी का जूस भी निकलता है। क्यूबा में इसकी काफी मांग है और वहां यह बड़ा उद्योग है। अब रेशम के ऐसे उत्पादों को भारत में भी प्रचलित करने पर कार्य किया जा रहा है। हम युवाओं को ध्यान में रखकर नए उत्पाद तैयार कर रहे हैं।

उच्च गुणवत्ता के सिल्क की पहचान जरूरी: पी शिवकुमार बताते हैं कि बाजार में रेशम के नाम पर बहुत उत्पाद आ रहे हैं और इसकी सही पहचान जरूरी है। लोगों को जागरूक करने का कार्य भी केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। साटन को रेशम के तौर पर बाजार में पेश किया जाता है, लेकिन यह वास्तव में बुनाई का ढंग है जो रेशम से काफी मिलता है। कपड़े के अंतर से इसे पहचाना जा सकता है। रेशम की चमक किसी भी अन्य कपड़े से पूरी तरह से अलग होती है। असली रेशम प्रायः हाथ से बनाया जाता है, क्योंकि इसकी बुनाई में छोटी-मोटी खामियां हो सकती हैं। नकली रेशम आमतौर पर मशीनों द्वारा बड़े पैमाने पर बनाया जाता है और लगभग दोषरहित होता है।

चिकित्सा उत्पादों से दक्षिण की ऊन की बढ़ रही पहुंच

भारत टेक्स में केंद्रीय ऊन बोर्ड के स्टाल पर डेक्कन शीप की ऊन से निर्मित दरी और अन्य उत्पादों के बारे में जाकारी लेतीं महिलाएं • जागरण

सर्दी के मौसम से जुड़े उत्पाद बनाने वाले ऊनी वस्त्र उद्योग को अब हर वक्त उपयोग में लाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके लिए विशेष तरह की ऊन की मदद ली जा रही है। दक्षिण भारत के क्षेत्रों में पाई जाने वाली भेड़ों के ऊन को मेडिकल टेक्सटाइल के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। धीरे-धीरे बाजार में इसकी मांग भी बढ़ रही है। युवा नीरज बोराटे ने इसके लिए घुंघरी डाट काम नाम से स्टार्टअप शुरू किया है। भारत टेक्स में केंद्रीय ऊन बोर्ड के स्टाल पर नीरज के इस स्टार्टअप ने डेक्कन शीप के ऊन से बने उत्पादों की नई तस्वीर प्रस्तुत की।

अलग तरह की ऊन: इस नवाचार के बारे में नीरज बोराटे बताते हैं कि ऊन को केवल मौसमी वस्त्र की परिभाषा से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। डेक्कन शीप की प्रजाति कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के साथ महाराष्ट्र में पाई जाती है। जिससे मिलने वाली ऊन काफी सख्त होती है। इससे मुलायम कपड़े तैयार नहीं किए जा सकते। इसलिए हमने इससे ऐसी दरी तैयार की है, जिसे एक्यूप्रेशर थेरेपी में उपयोग किया जा सकता है। नीरज बताते हैं कि सिर्फ दरी ही नहीं योग के लिए कुशन और आर्थोपेडिक बेल्ट भी इस ऊन से तैयार की जा रही है। अभी दक्षिण की भेड़ की ऊन से बने चिकित्सा उत्पाद घरेलू बाजार में ही पहुंचाए जा रहे हैं। अब हम विदेश के विक्रेताओं के भी संपर्क में हैं। नीरज कहते हैं कि कम वजन का कंबल भी बना रहे हैं, जो अत्यधिक सर्दी में भी लोगों का बचाव करता है।

कम बचे हैं कारीगर: नीरज बताते हैं कि आनलाइन माध्यम से सख्त रेशे वाली ऊन के उत्पादों को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। यह पूरा कार्य हैंडलूम से ही होता है। जिसे करने वाले दो-तीन सौ कारीगर ही बचे हैं। इस कारण उत्पाद निर्माण में थोड़ी परेशानी जरूर आ रही है, लेकिन मांग बढ़ने के बाद उनको और अच्छा पारिश्रमिक देकर इस उद्यम से जोड़े रखा जा सकता है। हमारे काम में देसी ऊन संस्था साथ दे रही है। उसके साथ 18 ब्रांड काम कर रहे हैं। नीरज बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 2017 से कार्य शुरू किया था। अब तक तीन राष्ट्रीय पुरस्कार उन्हें मिल चुके हैं और नए लोग जुड़ रहे हैं।

युवाओं को जोड़ टेक्निकल टेक्सटाइल की बदलेगी छवि

50% तक का लाभ होता है टेक्निकल टेक्सटाइल के उत्पादों में

50 युवाओं को 50 लाख की धनराशि एनटीटीएम के तहत स्टार्टअप के लिए दी जाएगी

बदलते समय के साथ भारत के वस्त्र उद्योग को नए स्वरूप में प्रस्तुत करना आवश्यक हो गया है। टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- प्रो. वीके वेहरा, टेक्सटाइल एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग, आइआइटी दिल्ली

भारत टेक्स में एक स्टाल पर उपस्थित महिलाएं। जागरण

भारत का वस्त्र उद्योग विश्व में दूसरे पायदान पर है। इसे पहले स्थान पर लाने के लिए भारत सरकार टेक्निकल टेक्सटाइल को माध्यम बना रही है। इसके लिए उद्योग स्थापित करने को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकार ने नेशनल टेक्सटाइल मिशन (एनटीटीएम) की शुरुआत की है। देश की स्टार्टअप संस्कृति भी इस मुहिम का हिस्सा बनी है और सरकार की तरफ से युवाओं को टेक्निकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन्फ्रा, कृषि, मशीनों और मेडिकल आदि अनेक क्षेत्रों में टेक्निकल टेक्सटाइल का उपयोग हो रहा है। पुल और सड़क बनाने में भी इसका प्रयोग किया जा रहा है।

अधिक लाभ वाला क्षेत्र: नई दिल्ली में भारत मंडपम और यशोभूमि में आयोजित भारत टेक्स में टेक्निकल टेक्सटाइल का एक अलग जोन बनाया गया। एनटीटीएम के देवव्रत रुहेला बताते हैं कि आम वस्त्र उद्योग में पांच से सात प्रतिशत का ही लाभ होता है। जबकि टेक्निकल टेक्सटाइल में व्यवसायी को 50 प्रतिशत तक लाभ मिलता है। वस्त्र उद्योग के इस हिस्से का भी विस्तार हो, इसके लिए भारत सरकार ने एनटीटीएम के तहत स्टार्टअप योजना शुरू की है। जिसके अंतर्गत युवाओं से स्टार्टअप आइडिया मंगाए गए हैं। 50 युवाओं को 50 लाख की धनराशि दी जाएगी।

कपास, रेशम और जूट से फाइबर नायलान: आइआइटी दिल्ली के टेक्सटाइल और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर बीके बेहरा बताते हैं कि भारत में कपास, रेशम और जूट का उत्पादन होता है। अब इनके फाइबर का इस्तेमाल कर कई उत्पाद बनाए जा रहे हैं। हर वस्तु को हल्का बनाए जाने पर विज्ञानियों का जोर है। इसी कारण ऐसे फाइबर का उपयोग बढ़ता जा रहा है और बाजार में इसकी मांग है। वाहनों के टायरों में लोहे के तार के स्थान पर फाइबर का उपयोग हो रहा है। मानव निर्मित फाइबर नायलान का उपयोग इसमें होता है। इससे टायर का वजन कम हो जाता है।

अभी होता है आयात: प्रो. बेहरा के अनुसार मांग बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में नए उद्योग खुल रहे हैं। पालीस्टर, पाली पोपलिन, एक्रेलिक और नायलान का उपयोग बढ़ गया है। कार्बन, एरामेड और ग्लास उच्च प्रदर्शन वाले फाइबर हैं, लेकिन भारत में इनको आयात किया जाता है। अब रिलायंस इंडस्ट्रीज कार्बन फाइबर का निर्माण शुरू करने वाली है। एरामेड का प्रयोग बुलेट प्रूफ जैकेट बनाने में होता है। इसकी मांग काफी है। यूरोपीय देश इसके उत्पादन में भारत से काफी आगे हैं।

भविष्य की राह कर रहा आसान: प्रो. बेहरा बताते हैं कि भारत विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। वस्त्र उद्योग को के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र को बढ़ाकर हम वस्त्र उद्योग को आगे ले जा सकते हैं। भारत ने सात प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद इस क्षेत्र से जताई है। टेक्निकल टेक्सटाइल भारत के कुल कपड़ा और परिधान बाजार का लगभग 13 प्रतिशत है और भारत की जीडीपी में 0.7 प्रतिशत का योगदान देता है। इस क्षेत्र में बड़ी मांग को पूरा करने की बड़ी संभावना है क्योंकि भारत में तकनीकी वस्त्रों की खपत अभी उन्नत देशों में 30-70 प्रतिशत के मुकाबले केवल 5-10 प्रतिशत ही है। भारत का कपड़ा व्यापार करीब 50 अरब डालर का है।

स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का संघ प्रमुख ने किया समाधान

राज्य ब्यूरो, पटना

- शाखा मैदान में रविवार को पटना के स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने शनिवार को दक्षिण बिहार के संघचालकों और संघ के स्वयंसेवकों से बातचीत की। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ की योजनाओं की जानकारी दी। सरसंघचालक से स्वयंसेवकों ने अपनी जिज्ञासा का समाधान भी प्राप्त किया।
शनिवार सुबह से दो सत्रों में बैठक हुई। प्रथम सत्र में भागवत ने दक्षिण बिहार के संघचालकों से बात की। दूसरे सत्र में उन्होंने प्रांत के चयनित स्वयंसेवकों से वार्तालाप किया। उन्होंने रेशमा प्रसाद द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय वांग्मय एवं कालक्रम किन्नर दर्शन का विमोचन भी किया। रविवार की सुबह सात बजे संघ प्रमुख राजेंद्र नगर स्थित शाखा मैदान में पटना के स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि रेशमा किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य हैं और दोस्ताना सफर नामक उनकी पहल काफी प्रशंसनीय रही है, जिसकी वह सचिव हैं।

पटना में शनिवार को रेशमा प्रसाद द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय वांग्मय एवं कालक्रम किन्नर दर्शन का विमोचन करते सरसंघचालक मोहन भागवत। सौजन्य : संघ

बिहार के चार दिवसीय प्रवास संघ प्रमुख गुरुवार शाम पटना पहुंचे थे। शुक्रवार को उन्होंने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के निमित्त प्रांत स्तरीय कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में पांच परिवर्तन का उदाहरण बनने का आह्वान किया।

हल्द्वानी मेडिकल कालेज में रैगिंग के मुख्य आरोपित पर 30 हजार रुपये का जुर्माना

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी

- एमबीबीएस के चार अन्य सीनियर छात्र भरेंगे 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड
- एक महीने तक कक्षाओं में प्रवेश नहीं, जूनियर छात्र को पीटने का है आरोप

उत्तराखंड के हल्द्वानी राजकीय मेडिकल कालेज में रैगिंग प्रकरण में जूनियर रेजिडेंट समेत एमबीबीएस के पांच छात्रों पर कार्रवाई हुई है। घटना में शामिल मुख्य आरोपित पर 30 हजार रुपये जुर्माना लगाने के साथ ही उसे हास्टल से भी बाहर कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त चार अन्य छात्रों को 25-25 हजार रुपये अर्थदंड भरने होंगे। इसके साथ ही इनके कक्षाओं में प्रवेश पर एक महीने तक रोक रहेगी।
राजकीय मेडिकल कालेज के ब्वायज हास्टल से 29 फरवरी को एमबीबीएस तृतीय वर्ष और द्वितीय वर्ष के छात्र शहर के एक होटल में फेयरवेल पार्टी मनाने गए थे। पार्टी में एक सीनियर की महिला मित्र भी थी। आरोप था कि जूनियर छात्र ने सीनियर की महिला मित्र से अभद्रता की। पार्टी के बाद सभी हास्टल लौटे तो रात करीब एक बजे सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्र को थप्पड़ जड़ दिया और उसे मुर्गा भी बनाया गया। इसके बाद एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र ने रैगिंग होने की शिकायत कालेज प्रशासन से की।
घटना को लेकर शनिवार को कालेज सभागार में प्राचार्य प्रो. अरुण जोशी की अध्यक्षता में एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक हुई। प्राचार्य ने बताया कि द्वितीय वर्ष के छात्र ने लिखित में शिकायत दी थी। घटना कालेज परिसर में हुई। ऐसे में कमेटी ने एंटी रैगिंग कानून के तहत कार्रवाई का निर्णय लिया।
पीड़ित और सभी आरोपित छात्रों के लिखित व मौखिक बयान लिए गए हैं। अब कार्रवाई के एक महीने बाद सभी छात्र अपने अभिभावकों के साथ शपथ पत्र देंगे। इसके बाद ही परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।

कतार में खड़ा कर 60 विद्यार्थियों को सीनियरों ने मारे थप्पड़

नईदुनिया, रतलाम: मध्य प्रदेश में रतलाम के शासकीय मेडिकल कालेज में प्रथम वर्ष के 60 विद्यार्थियों के साथ सीनियर विद्यार्थियों ने मारपीट की। जूनियर विद्यार्थियों को एक हास्टल में ले जाकर कतार से खड़ा किया गया। उसके बाद मुंह नीचे और आंखें बंद करवाकर प्रत्येक विद्यार्थी को 40 से 50 थप्पड़ मारे गए। कई विद्यार्थियों के गालों पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। मामला इंस्टाग्राम पर की गई एक पोस्ट से विवाद का बताया जा रहा है, लेकिन दबे स्वर में रैगिंग की बात भी सामने आ रही है। मामले को लेकर बड़ी संख्या में विद्यार्थी शनिवार दोपहर 3.45 बजे औद्योगिक क्षेत्र थाने पहुंचे और शिकायत की। उधर, शनिवार शाम मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की बैठक बुलाकर जानकारी ली। कालेज प्रशासन ने भी जांच शुरू कर दी है।

'दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग समाधान के लिए खटखटाते हैं तांत्रिकों का द्वार'

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में बांबे हाई कोर्ट ने की टिप्पणी
- यौन उत्पीड़न करने वाले तांत्रिक की सजा को रखा बरकरार

बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तांत्रिकों/बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं। मानसिक रूप से अक्षम लड़कियों के यौन शोषण के मामले में 45 वर्षीय एक कथित तांत्रिक की उम्रकैद को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने यह फैसला पिछले महीने सुनाया था, जिसे शनिवार को सार्वजनिक किया गया।
जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि यह 'अंधविश्वास का विचित्र मामला' है। पीठ ने कहा कि आरोपित किसी भी तरह की नरमी का हकदार नहीं है।
पीठ ने कहा, ये तांत्रिक और बाबा इन लोगों की कमजोरी और अंधविश्वास का फायदा उठाकर उनका शोषण करते हैं। फैसले में कहा गया है कि तथाकथित तांत्रिक और बाबा न केवल उनसे पैसे ऐंठकर उनकी कमजोरियों का फायदा उठाते हैं, बल्कि कई बार समाधान देने की आड़ में पीड़ितों का यौन उत्पीड़न भी करते हैं।
अभियोजन पक्ष के अनुसार तांत्रिक होने का दावा करनेवाले आरोपित ने मानसिक रूप से कमजोर छह लड़कियों को ठीक करने के बहाने उनका यौन शोषण किया था। उसने कथित तौर पर लड़कियों के माता-पिता का आर्थिक शोषण भी किया और नाबालिगों को ठीक करने की आड़ में उनसे 1.30 करोड़ रुपये लिए।
इस संबंध में प्राथमिकी 2010 में दर्ज की गई थी। एक सत्र अदालत ने 2016 में उस व्यक्ति को दोषी ठहराया और उसे शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपित ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील की थी। हाई कोर्ट ने उसकी अपील खारिज करते हुए दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा।

बेंगलुरु विस्फोट : अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं

- पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ
- सीएम सिद्दरमैया ने कहा, मामले पर राजनीति न करे विपक्ष

बेंगलुरु, प्रेट्र : बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार को हुए बम विस्फोट मामले में जांच कर्नाटक पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस विस्फोट में 10 लोग घायल हुए हैं और वे खतरे से बाहर हैं।
अभी तक की जांच में शक के दायरे में आए चार लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इन लोगों को धारवाड़, हुबली और बेंगलुरु से पकड़ा है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा है कि आइईडी विस्फोट से जुड़ी जांच प्रगति पर है। पुलिस की कई टीमें अलग-अलग दिशाओं में जांच कर रही हैं, जल्द ही नतीजा सामने आएगा। अभी तक की जांच में पता चला है कि फेस मास्क लगाए और टोपी पहने एक शख्स बस से रेस्टोरेंट में आया। वहां उसने रवा इडली ली और साथ लाया हुआ बैग वहीं छोड़कर चला गया। इस बैग में टाइमर लगा इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) था, जिसमें निर्धारित समय पर दोपहर करीब एक बजे विस्फोट हो गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने विस्फोट स्थल रामेश्वरम कैफे का शनिवार को दौरा किया। प्रेट्र

इस बीच बेंगलुरु के सभी प्रमुख स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है।
मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कहा है कि सीसीटीवी फुटेज में मिली फोटो के आधार पर रेस्टोरेंट में बम रखने वाले को पकड़ना आसान हो गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लेगी। कहा, अभी तक की जांच में घटना के लिए जिम्मेदार संगठन का पता नहीं चला है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया और घायलों से भी मिले। उन्होंने विपक्ष से मामले का राजनीतिकरण न करने की अपील की है। जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट का संबंध 2022 में मंगलुरु में हुए कुकर बम विस्फोट से होने की आशंका जताई है। कहा, सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करा रही है, मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

केरल में पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति निलंबित

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल के वायनाड में पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के एक छात्र की मौत के मामले में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एमआर शशिंद्रन को निलंबित कर दिया। राज्यपाल ने अपने निलंबन आदेश में कहा है कि इस घटना की पृष्ठभूमि में कुलपति का उनके कर्तव्यों के प्रति उदासीन और संवेदनहीन रवैया 28 फरवरी की रिपोर्ट से उजागर होता है। उन्होंने छात्र की मौत की न्यायिक जांच के भी आदेश दिए।
राज्यपाल ने हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच कराने का सुझाव दिया। पशु चिकित्सा विज्ञान व पशुपालन संकाय का स्नातक द्वितीय वर्ष का छात्र 18 फरवरी को अपने हास्टल के बाथरूम में फंदे से लटका मिला था। उसके माता-पिता ने दावा किया है कि कालेज में पढ़ने वाले कुछ छात्रों ने उन्हें बताया है कि स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआइ) के कुछ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके बेटे की पिटाई की थी।

****

दिल के दौरे के लिए कोरोना टीका जिम्मेदार नहीं

- मांडविया बोले, आइसीएमआर ने किया है विस्तृत अध्ययन
- जीवनशैली और शराब पीने जैसे कारक हो सकते हैं जिम्मेदार

नई दिल्ली, एएनआइ : स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने एक विस्तृत अध्ययन किया है, जिससे पता चलता है कि कोरोना की वैक्सीन दिल के दौरे के लिए जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए किसी व्यक्ति की जीवनशैली और अत्यधिक शराब पीने जैसे कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।
शनिवार को 'एएनआइ डायलाग्स-नेविगेटिंग इंडियाज हेल्थ सेक्टर' को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार समग्र दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है, ताकि लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा मिल सके। मांडविया ने दुनिया के लगभग 150 देशों को कोरोना के टीकों की आपूर्ति करने के भारत के प्रयासों का जिक्र किया और कहा कि इससे उन देशों में बहुत ज्यादा सद्भावना उत्पन्न हुई है।
एक प्रश्न का उत्तर देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना के टीकों को लेकर गलत धारणाएं पैदा करने का प्रयास किया गया है। अगर आज किसी को दिल का दौरा पड़ता है, तो कुछ लोग सोचते हैं कि यह कोरोना वैक्सीन के कारण है। आइसीएमआर ने इस पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। (कोरोना) वैक्सीन दिल के दौरे के लिए जिम्मेदार नहीं है। कभी-कभी लोगों के बीच गलत सूचना फैल जाती है और कुछ समय के लिए एक धारणा बन जाती है। लेकिन हम जो भी निर्णय लें, वह डाटा और वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित होना चाहिए।

मनसुख मांडविया। एएनआइ

पीएलआइ योजना के तहत 40 संयंत्रों का उद्घाटन : आइएएनएस के अनुसार, मनसुख मांडविया ने शनिवार को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना के तहत थोक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के निर्माण के लिए देशभर में 40 नए संयंत्रों का वर्चुअली उद्घाटन किया।
उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत ने न केवल दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम की है, बल्कि इन उत्पादों के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में भी उभर रहा है।
आइसीएमआर के बजटीय आवंटन में चार गुना वृद्धि : प्रेट्र के अनुसार, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि आइसीएमआर के बजटीय आवंटन में पिछले 10 वर्षों में चार गुना बढ़ोतरी देखी गई है। यह स्वास्थ्य अनुसंधान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मंडाविया ने शनिवार को आइसीएमआर की गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार भी शामिल हुईं।

दैनिक जागरण

क्रोध की अग्नि में व्यक्ति स्वयं ही जलने लगता है

प्रत्याशी चयन में बढ़त

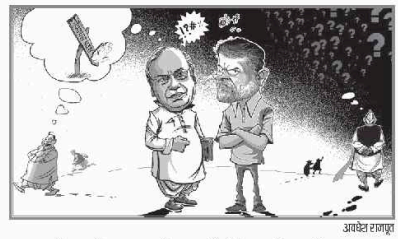

आम चुनाव की घोषणा होने के पूर्व ही भाजपा ने जिस तरह 195 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए, उससे यही पता चलता है कि वह विरोधी दलों से पहले अपने उम्मीदवार तय करके चुनाव प्रचार के मामले में आगे रहने के साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त भी लेना चाहती है। यह काम उसने कुछ समय पहले हुए पांच राज्यों और विशेष रूप से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भी किया था। ध्यान रहे कि एक समय था, जब नामांकन दाखिल करने की तिथि करीब आने पर भाजपा अपने प्रत्याशी तय कर पाती थी। प्रत्याशी चयन के मामले में आगे रहने वाले दल को एक ओर जहां चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है, वहीं उसे यह माहौल बनाने में भी मदद मिलती है कि वह चुनावी तैयारियों के मामले में औरों से आगे है। भाजपा ने जिस तरह अपने 195 उम्मीदवार तय कर लिए, उससे यह स्पष्ट है कि शेष प्रत्याशियों के नाम भी शीघ्र ही सामने आ जाएंगे। इसकी तुलना में विपक्षी दलों को देखें तो वे कहीं पीछे दिख रहे हैं। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के मुख्य घटक कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में सपा और दिल्ली एवं कुछ अन्य राज्यों की चुनिंदा सीटों पर आप के साथ मिलकर चुनाव लड़ना तो पक्का कर लिया है, लेकिन अभी प्रत्याशियों के नाम तय करना शेष है। महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड आदि में तो आइएनडीआइए अभी तक सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बना सका है और वह भी तब, जब घटक दल इसकी मांग कर रहे हैं। जब कांग्रेस को घटक दलों के साथ मिल बैठकर सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देना चाहिए, तब वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में व्यस्त है। यह समय यात्रा का नहीं, चुनावी रणनीति को धार देने का है।

भाजपा ने 195 सीटों पर अपने जिन प्रत्याशियों के नाम तय किए, उनमें प्रधानमंत्री के साथ कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री हैं, जो अपनी परंपरागत सीटों से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। प्रत्याशियों की पहली सूची यह कह रही है कि 34 केंद्रीय और राज्य मंत्री चुनाव लड़ेंगे। इनमें कुछ वे हैं, जो अभी राज्यसभा सदस्य हैं। 195 प्रत्याशियों में 28 महिलाएं हैं। इसी तरह 27 अनुसूचित जाति के, 18 अनुसूचित जनजाति के और 57 अन्य पिछड़े वर्ग के हैं। चूंकि प्रत्याशियों की पहली सूची में कई नए-पुराने मौजूदा सांसदों के नाम नहीं, इसलिए यह तय है कि अगली सूचियों में भी कुछ और सांसदों का पत्ता कटेगा। भोपाल से प्रज्ञा सिंह ठाकुर और दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधूड़ी का नाम प्रत्याशियों की पहली सूची से बाहर होने से यही संकेत मिल रहा है कि अपने बेजा बयानों से पार्टी को मुश्किल में डालने वालों को संदेश दिया जा रहा है। यह भी अच्छा है कि पुराने चेहरों पर भरोसा करने के साथ नए और अपेक्षाकृत युवा चेहरे भी चुनाव मैदान में उतारे जा रहे हैं।

खुले विकास के द्वार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को धनबाद के सिंदरी खाद कारखाने और चतरा की नार्थ कर्णपुरा मेगा ताप परियोजना और विभिन्न रेल परियोजनाओं समेत 35 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं निश्चित रूप से आनेवाले दिनों में झारखंड में विकास का नया अध्याय लिखेंगी। 8,900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित सिंदरी उर्वरक संयंत्र यूरिया क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। इससे देश में प्रति वर्ष लगभग 12.7 एलएमटी स्वदेशी यूरिया उत्पादन बढ़ेगा, जिससे देश के किसानों को लाभ होगा। किसानों को खाद के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। गोरखपुर और रामागुंडम में उर्वरक संयंत्रों के कायाकल्प के बाद यह दोबारा चालू होने वाला देश का तीसरा उर्वरक संयंत्र है। गोरखपुर और रामागुंडम में उर्वरक संयंत्रों को क्रमशः दिसंबर 2021 और नवंबर 2022 में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इन योजनाओं को मोदी की गारंटी कहा है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है, क्योंकि योजनाओं का शिलान्यास हो जाने के बाद उनके वर्षों अधर में लटक जाने से योजनाओं का न तो वास्तविक उद्देश्य पूरा हो पाता है न ही लोगों को इसका लाभ मिल पाता है। यहां से उत्पादित यूरिया का ब्रांड नाम अपना यूरिया होगा और इससे झारखंड के साथ ही बिहार, बंगाल एवं ओडिशा के किसान लाभान्वित होंगे। 25 मई, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंदरी खाद कारखाना का शिलान्यास किया था। इसी तरह चतरा में एनटीपीसी की नार्थ कर्णपुरा बिजली परियोजना राज्य की बिजली की जरूरतें पूरी करेगी।

प्रधानमंत्री ने धनबाद से जिन परियोजनाओं की शुरुआत की, वे आने वाले दिनों में झारखंड के विकास की नई कहानी लिखेंगी

कांग्रेस के लिए कठिन होती लड़ाई

संजय गुप्त

हिमाचल का घटनाक्रम यही बता रहा है कि कांग्रेस की अपने नेताओं पर पकड़ नहीं और वह उनके असंतोष की परवाह भी नहीं करती

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा के चुनाव में अभिषेक मनु सिंघवी की जिस तरह हार हुई, उससे कांग्रेस की अच्छी-खासी किरकिरी हुई। हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस के पास 40 विधायक थे, पर उनमें से छह ने भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी हर्ष महाजन के पक्ष में वोट दिया। भाजपा ने संख्याबल न होते हुए भी कांग्रेस से अपने पाले में आए हर्ष महाजन को जिस तरह राज्यसभा प्रत्याशी बनाया, उससे यही लगा कि कुछ खेल हो सकता है, लेकिन शायद कांग्रेस ने इसकी परवाह नहीं की। उसे तो इसकी भनक तक नहीं लगी कि तीन निर्दलीय विधायकों के साथ उसके अपने छह विधायक भाजपा संग जा सकते हैं। इन विधायकों के पालाबदल के चलते अभिषेक मनु सिंघवी और हर्ष महाजन को 34-34 वोट मिले। इसके चलते लाटरी से फैसला हुआ, जिसमें सिंघवी पराजित हुए।

करीब डेढ़ साल पहले हिमाचल में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही ऐसी खबरें आ रही थीं कि सरकार और पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं। राज्यसभा चुनाव ने इस पर न केवल मुहर लगा दी, बल्कि सुक्खू सरकार की चूलें भी हिला दीं। छह विधायकों के पाला बदलने से सुक्खू सरकार अल्पमत में आ गई। विधानसभा में भाजपा के 15 विधायकों को निलंबित कर बजट पारित कराने के साथ बहुमत साबित कर सरकार को बचा लिया गया। बाद में विधानसभा अध्यक्ष ने छह विधायकों को अयोग्य करार दिया, लेकिन इससे हिमाचल सरकार पर मंडरा रहा खतरा टला नहीं है। यदि कांग्रेस यह मान रही है कि सब कुछ सही हो गया तो यह उसकी भूल है। मंत्री पद से त्यागपत्र देने वाले विक्रमादित्य सिंह फिलहाल उसे स्वीकारने पर तो जोर नहीं दे रहे, लेकिन उसे वापस लेने को तैयार नहीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे हैं। उनकी मां प्रतिभा सिंह कांग्रेस सांसद और हिमाचल कांग्रेस की अध्यक्ष हैं। उन्होंने चुनाव बाद मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश की थी, लेकिन उसे ठुकराकर सुखविंदर सिंह सुक्खू को कमान सौंपी गई। उनके साथ मुकेश अग्निहोत्री को उप मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन मंत्रियों का चयन करने में करीब एक माह लग गया। इसके बाद माना गया कि सब कुछ ठीक है, लेकिन कांग्रेस में असंतोष की खबरें आती रहीं। किन्हीं कारणों से कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी अनदेखी करना ही ठीक समझा। पता नहीं हिमाचल में आगे क्या होगा, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि छह विधायकों ने मौकापरस्ती का परिचय देकर कांग्रेस को धोखा दिया। अपने देश में जनप्रतिनिधियों का इस तरह पाला बदलना अब अचंभित नहीं करता। कई बार विधायक या सांसद किसी स्वार्थवश अपनी पार्टी से बगावत कर बैठते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि राज्यसभा चुनाव में हिमाचल की तरह उत्तर प्रदेश में भी सपा के सात विधायकों ने पाला बदलने का काम किया। ऐसे जनप्रतिनिधि कभी-कभी राजनीतिक अस्थिरता के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। वे अपनी महत्वाकांक्षा के आगे पार्टी अनुशासन में रहने को तैयार नहीं होते। यह भी साफ है कि ऐसे जनप्रतिनिधि अपने दल की विचारधारा को कोई महत्व नहीं देते। क्या यह अजीब नहीं कि कांग्रेस से चुनाव जीते हिमाचल के छह कांग्रेस विधायकों को अचानक भाजपा की विचारधारा भाने लगी? ऐसे नेता केवल अपने दल को ही नहीं, मतदाताओं को भी धोखा देते हैं। यदि किसी विधायक, सांसद को दूसरे दल की विचारधारा अच्छी लगने लगी है तो उसे चाहिए कि वह पहले विधानसभा या लोकसभा की सदस्यता त्यागे, फिर अपनी पसंद के दल में शामिल हो।

अवधेश राजपूत

वैसे तो देश में दलबदल विरोधी कानून है, लेकिन वह विधान परिषद या राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल को मत देने वालों पर लागू नहीं होता। इसी कारण हिमाचल के छह कांग्रेस विधायक स्पीकर के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देने जा रहे हैं। पता नहीं उनकी सदस्यता बची रहेगी या नहीं, लेकिन ऐसे जनप्रतिनिधियों को नियंत्रित करना आवश्यक है। ऐसा कोई नियम-कानून बनना चाहिए, जो विधान परिषद या राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल को मत देने वाले जनप्रतिनिधियों की सदस्यता स्वतः खारिज कर सके। कहना कठिन है कि राजनीतिक दल ऐसा कोई कानून बनाने के लिए तैयार होते हैं या नहीं, लेकिन हिमाचल के घटनाक्रम से कांग्रेस को चेत जाना चाहिए।

हिमाचल का घटनाक्रम यही बता रहा कि कांग्रेस की अपने नेताओं पर पकड़ नहीं और वह उनके असंतोष की परवाह भी नहीं करती। इन दिनों एक के बाद एक कांग्रेस नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस काडर पार्टी की विचारधारा या राजनीतिक विमर्श पर भरोसा नहीं कर पा रहा है। जब आम चुनावों की घोषणा होने ही वाली है, तब मोदी के सामने राहुल गांधी का नेतृत्व कमजोर दिख रहा है। इससे भी कांग्रेस नेताओं को अपना राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल नहीं दिख रहा। कई कांग्रेस नेता बेहतर भविष्य की आस में भाजपा में जा रहे हैं। जब कांग्रेस या अन्य दल के नेता भाजपा में जाते हैं तो यह जुमला उछाला जाता है कि ईडी और सीबीआइ के दबाव के चलते ऐसा हो रहा है। इस जुमले से बात बनने वाली नहीं, क्योंकि कई ऐसे नेता भी भाजपा में गए हैं, जिनके खिलाफ ईडी या सीबीआइ की कोई जांच नहीं।

कांग्रेस को अपने अंदर झांकना चाहिए कि वह कोई ऐसा विमर्श क्यों नहीं खड़ा कर पा रही, जिससे उसका काडर उत्साहित बना रहे। आज भाजपा यह नारा दे रही है कि अबकी बार-राजग 400 पार। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के पास इस नारे का कोई ठोस जवाब नहीं। आम चुनाव का परिदृश्य का इतना एकतरफा दिखना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं, लेकिन इस स्थिति के लिए भाजपा को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार है, जो अपने गठबंधन आइएनडीआइए को सशक्त नहीं कर सकी। उसने अभी तक घटक दलों के साथ सीटों का जो बंटवारा किया है, वह बहुत उत्साहित नहीं करता। वह कुछ ही राज्यों में भाजपा का मुकाबला करती दिख रही है। इसके चलते जनता को यही संदेश जा रहा है कि कांग्रेस भाजपा का मजबूत विकल्प नहीं। यह संदेश उन मतदाताओं को भाजपा संग जाने को प्रेरित कर सकता है, जो अपना वोट जाया न होने देने की मानसिकता रखते हैं। यदि ऐसा हुआ तो कांग्रेस के लिए भाजपा का मुकाबला करना और कठिन हो जाएगा।

response@jagran.com

नेताओं के मन की आवाज

हास्य-व्यंग्य

पिछले दिनों राज्यसभा की सीटों के लिए मतदान हुआ। इसमें कुछ मतदाताओं को आत्मा और मन की आवाज जिस अंदाज में सुनाई दी, उससे देश भर में ध्वनि प्रदूषण हो गया। एक राज्य की सरकार की चूलें भी हिल गईं। इसे कहते हैं आत्मा के आवाज की ताकत, लेकिन कभी आपने विचार किया है कि क्या होती है आत्मा या फिर मन की आवाज? यह समझने से पहले आत्मा के बारे में जानना जरूरी है। आत्मा अजर-अमर तो है, लेकिन उसके रूप-स्वरूप के बारे में कोई नहीं जानता। विज्ञान गूगल की खोज होने के पहले से गूगल का काम कर रहा है, किंतु 'वायस आफ आत्मा' टाइप करते ही वह भी हैंग हो जाता है। मन की आवाज के बारे में भी पता नहीं चला कि वह कैसे सुनाई देती है। विज्ञान चाहे जितना बड़ा ज्ञानी बने, मगर यह भी नहीं जानता कि आत्मा है क्या। आदिकाल से जितने भी मनुष्यों का निर्माण हुआ या हो रहा है, उन सब में पंचतत्वों के साथ आत्मा भी फिट किया जाता रहा है। शरीर और आत्मा का बिछोह मौत के बाद ही होता है, मगर आत्मा कभी नहीं मरता, बस अपना रूप बदलता है। उसे किसी ने आज तक नहीं देखा, लेकिन उसकी आवाज सुनने की बात अक्सर सुनी जाती है। हालांकि यह कोई नहीं बताता कि वह आवाज कैसी है। मधुर है या कर्कश। साथ ही यह बात भी रहस्य है कि आत्मा कहता क्या है, जिसे सुनना जरूरी होता है। या बिना कुछ कहे ही बहुत कुछ सुन लिया जाता है।

कमल किशोर सक्सेना

नेताओं को जनता की समस्याएं भले न सुनाई दें, किंतु आत्मा या मन की आवाज तड़ से सुनाई दे जाती है

राजनीति में आत्मा और मन की आवाज का बहुत महत्व है। हाईकमान से ज्यादा, कुर्सी से कम। अक्सर दलबदल, राज्यसभा या विधान परिषद के लिए मतदान के क्षणों में नेताओं का आत्मा बोल उठता और मन डोल जाता है। हालांकि विज्ञानी यह भी पता नहीं लगा सके हैं कि आत्मा कहां से बोलता है? आवाज निकलने के लिए जिस हलक की जरूरत होती है, वह भी आत्मा के पास होता है या नहीं? नेता लोग आत्मा और मन की आवाज सुनने के विशेषज्ञ माने जाते हैं। वैसे इस बात पर लोगों में मतभेद हो सकता है कि हर नेता के पास आत्मा होता है, लेकिन यह मान लिया जाता है कि जो व्यक्ति डेढ़ क्विंटल का शरीर धारण किए है, उसके पास दस-बीस ग्राम का आत्मा भी होगा और वह आत्मा न सही, मन की आवाज तो सुनता ही होगा। यही कारण है कि नेताओं को गरीबों का आर्तनाद, जनता की समस्याएं, घोटालों का कोलाहल भले न सुनाई दे, किंतु आत्मा या मन की आवाज तड़ से सुनाई दे जाती है।

हमारे एक गैर राजनीतिक मित्र ने कई बार अपने आत्मा और मन की आवाज सुनने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। आत्मा शरीर के भीतर होता है, यह तो उन्हें भी पता था, लेकिन कहां होता है, यह नहीं पता। माना यह जाता है कि शरीर से प्राण निकलने के साथ आत्मा भी साथ छोड़ देता है। कुछ लोग प्राण और आत्मा को एक ही मानते हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार दिल की धड़कन बंद होने या दिमाग के निष्क्रिय होने पर मनुष्य को प्राण विहीन अर्थात मृत मान लिया जाता है। अतः मित्रवर ने सोचा कि आत्मा का निवास स्थान दिल या दिमाग में से किसी जगह होता होगा। दिल सीने में होता है। सीना, पेट और गले के बीच में। यह आकलन कर उन्होंने अपने कान सीने तक ले जाने की कई पुरजोर कोशिश की, मगर नाकाम रहे। फिर उन्होंने मन को टटोला। इस चक्कर में उन्हें पेट के भीतर होने वाली गुड़गुड़ाहट तो सुनाई दे गई, किंतु आत्मा या मन की कानाफूसी तक हाथ न लगी। यही हाल शरीर के टाप फ्लोर का भी रहा। दिमाग सिर के भीतर और कान बाहर होते हैं। फिर भी उन्हें कोई आवाज नहीं सुनाई दी। जबकि दोनों एक ही मकान में रहते हैं। मित्र ने अपने कानों को खींच-खींचकर, आत्मा या मन की आवाज सुनने की कोशिश की। आवाज तो न सुनाई दी, उल्टे अब वह ऊंचा सुनने लगे हैं।

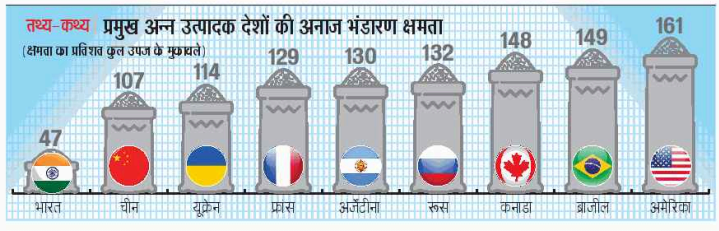

response@jagran.com

ऊर्जा

आत्मोद्धार

संसार के त्रिविध तापों से पीड़ित एक भक्त का भगवान से याचना का केंद्रीय भाव आत्मोद्धार होता है। कोई भी प्रार्थना इसके बिना पूर्ण नहीं होती। इसका क्षेत्र लौकिक और पारलौकिक, दोनों होता है। लौकिक क्षेत्र में मनुष्य इस जगत के भौतिक दुखों से छुटकारा पाना चाहता है, जबकि पारलौकिक क्षेत्र में जीव इस भवसागर में आवागमन से मुक्ति की कामना करता है। यदि देखा जाए तो इसमें जीव का जगत के दुखों से पलायन का भाव प्रमुख होता है, परंतु दुख इस जगत की सच्चाई हैं जिनसे पलायन संभव नहीं। सुख-दुख का अनुभवकर्ता मन है, आत्मा नहीं। शास्त्रों में मन को बंधन (दुख) और मोक्ष (सुख) का कारण कहा गया है। यदि मन अनियंत्रित है तो निश्चित ही बंधन का कारण बनेगा, किंतु नियंत्रित होने पर यही मोक्ष का कारण बन जाता है।

नियंत्रित मन से की गई क्रिया साधना का रूप ले लेती है। आत्मोद्धार के मार्ग का सबसे बड़ा बाधक अहंकार समाप्त हो जाता है, जिससे सुख-दुख में समान रहने की भावना बलवती होती है। इस अवस्था में साधक संसार में रहकर भी स्वयं को सांसारिक दुखों से पृथक अनुभव करता है।

आत्मोद्धार के लिए जीव स्वाधीन है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं- इस संसार में मनुष्य अपना उद्धार स्वयं कर सकता है। इंद्रियों पर विजय प्राप्त करके यह आत्मा अपना मित्र हो जाता है, जबकि काम, क्रोध, लोभ आदि के वशीभूत होने पर शत्रु, जो जीव को अधोगति की ओर ले जाने वाला होता है। समत्वयोग आत्मोद्धार का सर्वश्रेष्ठ उपाय है, जो सामान्य जीवन-यापन करते हुए भी किया जा सकता है। स्वामी रामतीर्थ के अनुसार इस दुनिया में चाहे करोड़ों ईसा, बुद्ध, राम या कृष्ण जन्म ले लें, पर जीव का उद्धार नहीं कर सकते। उद्धार तो स्वयं से होगा। प्रार्थनाएं आत्मिक संबल प्रदान कर आत्मोद्धार का मार्ग प्रशस्त कर देती हैं, किंतु मार्ग पर चलना तो स्वयं जीव को है।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

वायुमंडल में भी बहती हैं जल धाराएं

मुकुल व्यास

उच्च नमी वाली जल धाराएं हमारे वायुमंडल में उसी प्रकार बहती हैं जैसे जमीन पर सामान्य नदियां बहती हैं

हमारे आकाश में भी जल धाराएं बहती हैं, यह सुनकर आपको जरूर आश्चर्य होगा। ये उच्च नमी वाली जल धाराएं हमारे वायुमंडल में उसी प्रकार बहती हैं जैसे जमीन पर सामान्य नदियां बहती हैं, लेकिन इन आकाशीय धाराओं को देखना हमारे लिए बहुत कठिन है। ये वायुमंडलीय जल धाराएं अक्सर चक्रवातों का उत्पाद होती हैं। ये जल धाराएं यह तय करती हैं कि किस जगह तीव्र वर्षा होगी। इस वजह से उनकी अदृश्यता एक बड़ी समस्या बन जाती है। हमारा गर्म होता वातावरण अब अधिक मात्रा में पानी सोख रहा है जिससे इन हवाई जलमार्गों को रास्ता बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में इन जल धाराओं को समझना हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। जल वाष्प कहां बहेगी, यह अनुमान लगाने के लिए शोधकर्ता अभी तक कंप्यूटर माडलिंग पर निर्भर थे। अब उन्हें वास्तविक समय में आकाशीय नदियों पर नजर रखने में सफलता मिली है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने इसमें स्थानिक तापमान वितरण के उपग्रह रिकार्ड की मदद ली। इस डाटा को नासा के नमी पता लगाने वाले उपग्रह के डाटा से मिलाने पर वायुमंडल में नमी से भरी धाराओं के वैश्विक वितरण की जानकारी मिली। आकाश की अधिकांश नमी वायुमंडलीय जल धाराओं द्वारा दूर-दूर तक पहुंचाई जाती है, क्योंकि वे ध्रुवों की ओर बहती हैं। ये जल धाराएं अमेरिका और यूरोप में 30 प्रतिशत वार्षिक वर्षा और पूर्वी एशिया के गीले मौसम में 40 प्रतिशत वर्षा के लिए जिम्मेदार हैं। वायुमंडलीय जल धाराएं आम तौर पर महासागरों के ऊपर बनती हैं, लेकिन जब वे जमीन के ऊपर आसमान से टकराती हैं तो वे अक्सर विनाशकारी हवाएं और बाढ़ जैसे मौसम संबंधी खतरे पैदा करती हैं।

वायुमंडलीय जल धाराएं कई आकृतियों में आती हैं। जिनमें तेज हवाओं के साथ सबसे अधिक मात्रा में जल वाष्प होती है। वे अत्यधिक वर्षा और बाढ़ पैदा कर सकती हैं। सभी वायुमंडलीय जल धाराएं नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। अधिकांश कमजोर प्रणालियां हैं, जो अक्सर लाभकारी बारिश या बर्फबारी प्रदान करती हैं, जो जल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। ये आकाशीय जल धाराएं समुद्री बर्फ की परिवर्तनशीलता को भी प्रभावित करती हैं। उनकी उपस्थिति बर्फ के पिघलने के स्तर को बढ़ाती है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों ध्रुवों पर समुद्री बर्फ लगातार घट कर रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच रही है। दृश्यमान आकाशीय धाराओं का विश्लेषण करने के बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि पिछले माडल वायुमंडलीय जल धाराओं द्वारा उत्पादित वर्षा की आवृत्ति को बहुत ज्यादा आंक रहे थे, पर वर्षा की तीव्रता को कम। नई पद्धति को अब मौसम पूर्वानुमान के लिए आजमाया जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

राजरंग

कमजोर पार्टी, ताकतवर नेता

मौजूदा दौर में राजनीति में सफल होने का तरीका ही नहीं, पैमाना भी बदल चुका है। इसका एक नमूना लोकसभा चुनाव में जीत की गारंटी के लिए कई चमकते चेहरों को दोबारा टिकट नहीं देने का भाजपा का फैसला भी है। मगर कांग्रेस सियासत के परंपरागत तरीके पर ही चलती दिख रही है। नाकामियों की लंबी सूची के बाद भी पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल हाईकमान के दुलारे बने हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पार्टी के हाथों से सुनिश्चित राज्यसभा सीट निकल गई और सरकार पर संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। महाराष्ट्र से लेकर असम और बिहार से लेकर गुजरात तक नेताओं, सांसदों या विधायकों का कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने का सिलसिला टूट नहीं रहा है। फिर भी कांग्रेस के संगठन महासचिव पार्टी नेताओं से मिलने के मामले में उदासीन नजर आ रहे हैं। ऐसे में पार्टी की जमीनी स्थिति कैसी होगी? यह बताने की जरूरत नहीं। अपने ही नेता तंज कसने से नहीं चूक रहे कि पार्टी कमजोर हो रही है, पर संगठन महासचिव ताकतवर।

पहले टिकट दो

लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही भाजपा मुख्यालय में टिकट मांगने वालों का जमावड़ा लगने लगा है। वरिष्ठ नेताओं को तरह-तरह के लोगों का सामना करना पड़ रहा है। एक नजारा मुख्यालय में मौजूद बिहार के प्रभारी महासचिव के आफिस में देखने को मिला। गत दिनों बिहार से आए एक नेता जी अपना टिकट फाइनल करने की जिद पर अड़ गए। प्रभारी महोदय समझाते रहे कि चुनाव नजदीक है। इस समय उन्हें क्षेत्र में सक्रिय होना चाहिए। यदि उनकी उम्मीदवारी में दम हुआ तो उन्हें टिकट दे दिया जाएगा, लेकिन उक्त नेता ने साफ कर दिया कि उसे 25 वर्षों का राजनीतिक अनुभव है। उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है। बिना टिकट लिए वह क्षेत्र में जाकर बेवजह अपना पैसा क्यों खर्च करे। पार्टी पहले टिकट सुनिश्चित करे। काफी समझाने के बाद भी उक्त नेता मानने को तैयार नहीं थे। प्रभारी महासचिव से निराश होने के बाद वह अन्य वरिष्ठ नेताओं की खोज में आगे बढ़ गए।

असली बिहारी

फिल्मी दुनिया के बाद राजनीति में भाग्य आजमाने वाले शत्रुघ्न सिन्हा को बिहारी बाबू के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन अबकी बार उनकी बड़ी परीक्षा है। भाजपा उनके विरुद्ध एक अन्य फिल्म स्टार पवन सिंह को उतार रही है। पवन भी बिहारी और भोजपुरी फिल्मों के स्टार हैं। बिहारी बाबू ने पांच वर्ष पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में पटना से किस्मत आजमाई थी। हार गए तो ममता बनर्जी के आमंत्रण पर बंगाल पहुंच गए। आसनसोल से उपचुनाव लड़े और संसद पहुंच गए, किंतु लगता है कि भाजपा उन्हें राहत देने के पक्ष में नहीं है। पवन सिंह के जरिये बंगाल तक पीछा करेगी। एक दौर था जब भाजपा ने उन्हें 1992 में दिल्ली में तब के सुपर स्टार और कांग्रेस प्रत्याशी राजेश खन्ना के खिलाफ उतारा था। तब बिहारी बाबू ने हार कर भी भाजपा में अपना भाव बढ़ा लिया था। पटना में एक बार उनका मुकाबला एक अन्य फिल्म अभिनेता एवं कांग्रेस प्रत्याशी शेखर सुमन से भी हुआ, किंतु जीत शत्रुघ्न सिन्हा की ही हुई। अब फिर दो फिल्म स्टारों के बीच असली बिहारी होने की कड़ी परीक्षा होने वाली है।

मौन बहस

जज भी लगातार वकीलों की बहस सुनते-सुनते थक जाते हैं। वे चाहते हैं कि वकील थोड़ा चुप भी रहें। कई बार जज वकीलों से कहते भी हैं कि आप अपनी दलीलें लिखित में दे दें, लेकिन वकील फिर भी नहीं मानते। पिछले दिनों एक हाई कोर्ट में ऐसा ही वाकया हुआ। एक मामले का जिक्र करते हुए वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि अगली सुनवाई के लिए जो तारीख तय की गई है उसे आगे बढ़ा दे, क्योंकि उस दिन मेरा मौन व्रत होता है। जज साहब भी वकील को अदालत में चुप रखने का मौका कहां छोड़ने वाले थे। तुरंत कहा-तारीख वही रहेगी। आप उस दिन कोर्ट में आकर कुछ भी मत बोलिएगा, सिर्फ लिखित में दलीलें दे दीजिएगा। हालांकि वकील ने बहस करने की बात कही, मगर जज साहब नहीं माने। एक दिन वकील को चुप रखने का हाथ आया मौका भला कैसे छोड़ते।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस.बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

10 वर्ष अंडमान निकोबार स्थित सेलुलर जेल में रखा था ब्रिटिश सरकार ने वीर सावरकर को, जिसे कालापानी की सजा के रूप में भी जाना जाता है।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

हिंदी और गांधी के सपनों पर ग्रहण

क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी का सम्यक विकास करने एवं उसे वैश्विक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के लिए सुसंगत प्रयास करने के उद्देश्य से वर्ष 1997 में संसद में पारित एक अधिनियम के माध्यम से महाराष्ट्र के वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। परंतु कुछ समय से यहां पूर्णकालिक कुलपति नहीं होने के कारण इसका कामकाज उचित तरीके से नहीं हो रहा है, कुछ निर्णय वाट्सएप पर लिये जा रहे हैं, जिन पर सवाल खड़े हो रहे हैं

महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अनेक कारणों से पिछले लंबे समय से है विवादों में। फाइल

महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को हिंदी को रोजगार की भाषा बनाने के लिए प्रयत्न करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। संसद के पारित अधिनियम के आलोक में कांग्रेस समर्थक अधिकारी अशोक वाजपेयी को विश्वविद्यालय का पहला कुलपति बनाया गया। वह लगभग चार वर्षों तक विवि को दिल्ली से ही चलाते रहे। कभी कभार वर्धा चले जाते थे। उनके कार्यकाल में कुछ विवाद भी हुए। उनके बाद कई कुलपति नियुक्त हुए, लेकिन विवि अपने उद्देश्यों की तरफ बहुत धीरे-धीरे बढ़ पाया। वर्धा स्थित यह विवि कभी छोटे तो कभी बड़े विवाद में घिरा रहा। कभी नियुक्तियों को लेकर तो कभी निर्माण को लेकर। पिछले वर्ष 14 अगस्त को अप्रिय परिस्थितियों में कुलपति रजनीश कुमार शुक्ल ने कुलपति के पद से इस्तीफा दे दिया। रजनीश शुक्ल का कार्यकाल भी विवादित रहा। जब उन्होंने पद छोड़ा तो विवि के वरिष्ठतम प्रोफेसर एल. कारूण्यकरा को कुलपति का प्रभार दिया। लगभग दो माह तक रजनीश शुक्ल का इस्तीफा स्वीकृत नहीं हुआ और प्रोफेसर कारूण्यकरा विवि चलाते रहे। शिक्षा मंत्रालय ने जब रजनीश शुक्ल का इस्तीफा स्वीकृत किया तो साथ ही नागपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आइआइएम) के निदेशक को विवि के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। इसके बाद प्रोफेसर कारूण्यकरा अदालत चले गए जहां मामला लंबित है। अतिरिक्त प्रभार के रूप में नागपुर आइआइएम के निदेशक विवि चला रहे हैं। नए कुलपति की नियुक्ति के लिए शिक्षा मंत्रालय ने विज्ञापन दे दिया है।

इस क्रोनोलाजी को बताने का उद्देश्य यह है कि किस तरह से महात्मा गांधी और हिंदी के नाम पर बना यह केंद्रीय विवि निरंतर विवादों में रहा। इन विवादों का असर इसके कामकाज पर पड़ रहा है। स्थायी कुलपति के त्यागपत्र के छह माह बीत जाने के बाद भी कुलपति की नियुक्ति नहीं होने के कारण विवि के सामने जो बड़े उद्देश्य थे, उन पर ब्रेक लग गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के भारतीयकरण के लक्ष्य को पाना चाह रहे हैं। इसके लिए वह स्वयं बहुत सक्रिय रहे हैं, अब भी हैं। भारतीय भाषा भी प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्राथमिकता में है। भारतीय भाषा को रोजगार से जोड़ने के लिए भी बड़े स्तर पर कार्य हो रहे हैं। पाठ्यक्रम से लेकर पाठ्य सामग्री तक तैयार करने के लिए पिछले दो वर्षों से हर स्तर पर श्रम हो रहा है। लेकिन जब हिंदी के इस विवि की स्थिति ऐसी लचर हो तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को समग्रता में पाने में कठिनाई हो सकती है। इस समय जब महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के माध्यम से हिंदी को शक्ति देने का उपक्रम जोर शोर से चलाया जाना चाहिए था, तब विवि मुकदमों में उलझा हुआ है। जिनके पास विवि का अतिरिक्त प्रभार है, वे अतिरिक्त दायित्व की तरह ही निर्वाह भी कर रहे हैं। विवि शिक्षक संघ ने अभी हाल ही में कुलपति को एक पत्र लिखने की बात कही है जिसमें वे यह मांग करेंगे कि प्रशासन विवि की स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करे। शिक्षकों को संबोधित उसी पत्र में शिक्षक संघ ने आरोप लगाया है कि विवि में नियम-कानून को दरकिनार कर निर्णय लिए जा रहे हैं। कर्मचारियों और शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है। ये आरोप हैं और इनकी जांच होगी तभी सच्चाई का पता चल पाएगा।

इन दिनों एक बेहद दिलचस्प बात इस विवि से जुड़ी है, वह यह कि इसके रोजमर्रा के निर्णय वाट्सएप पर हो रहे हैं। चाहे वह शिक्षकों के अवकाश की स्वीकृति का मामला हो, चाहे खाते से पैसे निकालने की अनुमति का संदर्भ हो या किसी शिक्षक को किसी कार्यक्रम आदि में भाग लेने की अनुमति का मामला हो। अधिकतर मामलों में कुलपति का अप्रूवल वाट्सएप पर हो रहा है। इस प्रवृत्ति के कारण विवि में यह चर्चा होने लगी है कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि अब वाट्सएप यूनिवर्सिटी बन गया है। अभी तक विमर्श या चर्चा के दौरान जब काल्पनिक बातों को तथ्य बनाकर पेश किया जाता था तो कहा जाता था कि वाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान मत दो। वाट्सएप यूनिवर्सिटी का प्रयोग हल्के-फुल्के अंदाज में होता था, जिसे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि से जुड़े कुछ लोग अपनी यूनिवर्सिटी का मजाक बनाने के लिए प्रयोग करने लगे हैं। यह ऐसी स्थिति है जिसकी कभी कल्पना नहीं की गई थी। अकादमिक परिषद और कार्य परिषद की लंबे समय से बैठक नहीं होने के कारण बड़े निर्णय नहीं लिए जा रहे हैं। वाट्सएप पर जितने निर्णय हो सकते हैं वे हो रहे हैं। वाट्सएप के स्क्रीन शाट के प्रिंट लेकर फाइलों में लगा दिए जाते हैं।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि एक स्वप्न था। एक ऐसा स्वप्न जिसे 1975 में नागपुर में आयोजित पहले विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान देखा गया था। उस सम्मेलन के दौरान प्रस्ताव पारित किया गया था कि वर्धा में हिंदी के एक विवि की स्थापना हो। वर्ष 1993 में मारीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि की आवश्यकता पर चर्चा हुई थी। तब यह भी कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के लिए भी एक ऐसे विवि की आवश्यकता है। महात्मा गांधी के हिंदी प्रेम को भी इस विवि की स्थापना की आवश्यकता से जोड़ा गया था। तब जाकर 1997 में संसद ने ऐसे विवि की स्थापना को स्वीकृति दी थी। आज इस विवि के दो मान्यता प्राप्त केंद्र कोलकाता और प्रयागराज में चल रहे हैं। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में भी एक केंद्र कार्यरत है जिसे यूजीसी से मान्यता मिलना शेष है। गुवाहाटी में चौथा केंद्र खोलने की कवायद हो रही थी। कोलकाता का केंद्र काफी समय से किराये के मकान में चल रहा है। वहां बहुत कम जगह है। आरोप है कि अगर विश्वविद्यालय प्रशासन किसी को प्रताड़ित या दंडित करना चाहता है तो उसका तबादला कोलकाता केंद्र में कर दिया जाता है। प्रयागराज में विश्वविद्यालय का अपना परिसर है, लेकिन वह भी आधारभूत सुविधाओं की बाट जोह रहा है। यह शोध का विषय हो सकता है कि इस केंद्र में जितने कर्मचारी या अध्यापक हैं उस अनुपात में विद्यार्थी हैं या नहीं। अमरावती जिले के केंद्र को जब मान्यता ही प्राप्त नहीं है तो उसकी चर्चा व्यर्थ है। हिंदी के नाम पर बने इस विवि पर केंद्र सरकार को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर ऐसा हो पाता है तो इसको एक ऐसे केंद्र के रूप में विकसित किया जाए जो हिंदी पठन पाठन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित हो सके। विश्व के अन्य देशों के विवि में हिंदी शिक्षण के समन्वयक के रूप में काम कर सके। वहां के लिए पाठ्यक्रम तैयार कर सके, शिक्षक तैयार कर सके। इस विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के एक ऐसे वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना होगा जहां विश्व की अन्य भाषाओं में चल रही गतिविधियों पर विमर्श हो सके, शोध हो सके। अगर ऐसा हो पाता है तो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सोच को भी शक्ति मिल सकती है। अन्यथा वाट्सएप यूनिवर्सिटी तो चलती ही रहेगी।

खरी खरी

सेल्फी कर्म में सावधानी

रेखा शाह आरबी

आजकल शादी-ब्याह का सीजन चल रहा है। शादी-ब्याह में केवल खाने के ही शौकीन लोगों की धूम नहीं रहती है। एक चीज और है जिसका क्रेज आजकल बहुत बढ़ गया है। वह है लोगों का सेल्फी के प्रति मोह। लोग शादी-विवाह में आजकल जाते हैं तो दूल्हा-दुल्हन को बाद में देखते हैं, पहले वह जगह देखते हैं, जहां पर सेल्फी अच्छी आ सके। उपयुक्त स्थान का चयन कर लेने के पश्चात लोग भर भर कर फोटो सेशन और सेल्फी लेते हैं। पुराने और नए रिश्तेदारों से मिलना-जुलना भूल जाते हैं, लेकिन सेल्फी लेना और फोटो खींचना नहीं भूलते हैं।

वस्तुतः हर कोई चाहता है कि वह कुछ ऐसी फोटो खींचे कि इंटरनेट मीडिया पर दोस्तों को दिखाकर वाहवाही लूट सके। आम तौर पर घरों के भीतर उतनी सुंदर सजावट या लाइटिंग आदि नहीं होती है, जितनी शादी-विवाह के पंडाल और मैरिज हाल में होती है। अतः वहां पर जाते ही सेल्फी के भूखे इंसान का अंतरात्मा सेल्फी खींचने पर उतारू हो जाता है। वहां पर सेल्फी लेने और फोटो खींचने की सारी सुविधा रहती है, इसलिए खूब खींचते हैं। कई बार तो सेल्फी का शतक भी लगा देते हैं। न तो सेल्फी खींचने में कोई खर्चा है, और उन ही उसे इंटरनेट मीडिया मंचों पर चेपने में खर्चा आता है।

लेकिन फोटो खींचना और खिंचवाने में कुछ मूलभूत बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे नेता बनने से पहले कार्यकर्ता बनना पड़ता है, उसी प्रकार अच्छी तस्वीरों के लिए कुछ बातों को मानना पड़ता है, वरना आपकी तस्वीर सुंदर के बजाय छछूंदर जैसी आएगी और आपकी सेल्फी खींचने में लगाई गई ऊर्जा व्यर्थ चली जाएगी। आप लोगों की तारीफ के पात्र बनते बनते मजाक के पात्र बन जाएंगे।

सबसे पहले तो किसी भी विवाह में जाएं तो अपने से फेयर कलर वालों या अपने से गोरे लोगों के साथ खड़े होकर फोटो बिल्कुल नहीं खिंचवाएं। बेकार में हंस के बगल में वनमानुष की तरह दिखाई देने लगेंगे। इसीलिए मुफ्त में किसी को हंस या कबूतर बनने का अवसर क्यों देना और इज्जत का भी फालूदा क्यों करवाना। अतः इनसे दूर ही रहें। कहीं फोटो लगाने में भी आपको शर्म आएगी। इसीलिए शादी-ब्याह में फोटो खिंचवाना है तो अपने से सांवले लोगों को पकड़ लीजिए। उसके बाद अपनी फोटो की रौनक देखिए।

दूसरा, यह कि अपने से लंबे लोगों के साथ फोटो नहीं खिंचवाएं। यदि आपकी शारीरिक ऊंचाई कम है तो फिर आप फोटो में ठिगने नजर आ सकते हैं। उससे बचने का यही उपाय है कि अपने बराबर की ऊंचाई वाले लोगों के साथ फोटो खिंचवाएं। वरना बेकार में ताड़ के बगल में चने के झाड़ जैसे लगने लगेंगे। मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि आप किसी को ताड़ और स्वयं को चने के झाड़ जैसा बिल्कुल नहीं दिखाना चाहेंगे। तो फिर आपकी भलाई इसी में है कि आप अपने से लंबे लोगों से थोड़ी दूरी बनाकर शादी-विवाह में फोटो खिंचवाते समय रहें।

तीसरा, पतले लोगों के साथ फोटो नहीं खिंचवाएं। पतले लोगों के साथ फोटो खिंचवाने पर ग्लास के बगल में आप पतीला जैसे लगेंगे। लोग आपका मोटापा ही देखेंगे, आपके चेहरे की तरफ नजर नहीं डालेंगे। यह तो बैठे बिठाये बेइज्जती हो जाएगी। तो ज्यादा पतले लोगों से सौ कदम शादी-ब्याह में दूर ही रहें। सेल्फी और फोटो का गुणा-गणित तो यही कहता है कि विवाह कार्यक्रम में उपस्थित तमाम लोगों से दोस्ती गांठने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन फोटो खिंचवाते समय आपको उपरोक्त सभी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

(लेखिका व्यंग्यकार हैं)

X पोस्ट

दिल्ली में डीडीए ने रैट माइनर वकील हसन का घर गिरा दिया। हंगामा हुआ तो एलजी और डीडीए कह रहे हैं कि नया घर देंगे। पहले तो यह बताएं कि क्या घर अवैध था? अगर नहीं तो गिराया कैसे? अगर हां तो दूसरा देंगे क्यों? एक अच्छे काम से दूसरे गलत काम को क्यों छिपाना? गलत गिराया तो अधिकारी बर्खास्त हों।
अनुरंजन झा@anuranjanj

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुआ धमाका उस दौर की याद दिलाता है जब छोटे-बड़े शहरों में हर साल हुए धमाकों में उतने ही लोग मार डाले गए थे, जितने गुजरात दंगों में मरे थे। सबसे बुरी मार देश को सबसे अधिक आय देने वाले मुंबई पर पड़ी थी। आतंकी को कड़ी सजा न दी गई तो वही दौर लौट सकता है।
शिव कांत@shivkant

पाला बदलने वाले विधायकों-सांसदों का पहले इस्तीफा होना चाहिए या उन्हें तत्काल बर्खास्त करने का नियम होना चाहिए। ऐसे नेता दोबारा जनता के बीच जाएं और जीत कर आएं। दलबदल पर रोक लगाने का कानून और भी सख्त हो, क्योंकि यह जनता के साथ खुलेआम धोखा है।
संदीप सौरव@Sandeep_Saurav_

राजस्थान में सरकारी नौकरी के लिए लागू किया गया दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम बिल्कुल सही है। हरियाणा सरकार ने तो बहुत पहले पंचायत चुनाव के लिए ऐसा नियम लागू किया था।
आरके विज@ipsvijrk

जागरण जनमत
कल का परिणाम

क्या जीडीपी वृद्धि के अपेक्षा से बेहतर आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभों की मजबूती को दर्शाते हैं?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या गौतम गंभीर ने राजनीति से संन्यास लेकर ठीक किया?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

करते हैं नीतीश जी पीएम को आश्वस्त,
कहीं न जाएंगे अभी यहीं रहेंगे मस्त।
यहीं रहेंगे मस्त यहीं का मौसम अच्छा,
कौन संभाले जाय वहां लालू का बच्चा!
बिला वजह ही आप इधर से उधर विचरते,
गाली खाते आप मौज तेजस्वी करते!!
– ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

प्राचीन कथाओं का आधुनिकीकरण

सुकांत सौरभ

भारत में पौराणिक घटनाओं से प्रेरित साहित्य रचना की संस्कृति नवीन नहीं है, परंतु विगत वर्षों में कई ऐसे साहित्यकार हुए हैं, जिन्होंने अपने रचनाकर्म से युवा पीढ़ी को इन्हें केवल मिथक कथाओं के रूप में देखने से आगे की एक दृष्टि दी है। अमीश त्रिपाठी, देवदत्त पटनायक, नरेंद्र कोहली समेत अनेक साहित्यकारों की सूची में आलोक व मयंक अग्रवाल भी शामिल हैं। उनकी रचना 'देवों का उदय' पौराणिक कथाओं को लेकर लिखा गया उपन्यास है, जिसमें लेखकद्वय ने हजारों वर्ष पूर्व देवों की एक नई उभरती विकसित सभ्यता की कल्पना की है।

आधुनिक भारतीय लेखकों में प्राचीन भारतीय साहित्य और लोकप्रिय किंवदंतियों से विषयों को चुनने और उन्हें अतीत की घटनाओं की अपनी व्याख्या के साथ अलग ढंग से प्रस्तुत करने की एक स्पष्ट प्रवृत्ति है। तर्कशास्त्रियों का एक वर्ग इन किंवदंतियों को ठोस सबूतों के अभाव में मिथकों के रूप में वर्णित करता है। यद्यपि, लाखों लोगों के लिए वे दृढ़ विश्वास और वास्तविक घटनाओं के विषय हैं। विज्ञान के इस युग में, हमारा मस्तिष्क बिना साक्ष्य या उचित स्वीकार्य तर्क के किसी भी आख्यान को स्वीकार करने से इन्कार करता है। इसलिए लेखकद्वय ने अपनी इस रचना में पौराणिक कथाओं के पीछे तर्क खोजने का प्रयास किया है।

इस पुस्तक में लेखकद्वय ने हजारों वर्ष पूर्व सुरों की कुछ शाखाएं, जो अपने मूल निवास हिमालय की तराइयों से निकलकर सुदूर पश्चिम में बस गईं, उनकी कथा को एक रोचक रूप देने का प्रयास किया है। उनके अनुसार, धीरे-धीरे वे आज के भारत से लेकर पश्चिम एशिया तक स्थान-स्थान पर फैल गए। नई सभ्यताओं ने जन्म लिया और आवागमन के नए मार्ग स्थापित हुए। विश्व के बड़े भू-भाग पर शासन करने वाले सुरों ने देव की उपाधि धारण कर ली। समय के साथ सुर दो समूहों में विभाजित हो गए। वे, जो सुरों की कठिन सिद्धांतों वाली जीवन-पद्धति से सहमत नहीं थे, उन्होंने असुर नाम अपना लिया। सुरों और असुरों के बीच प्रायः झड़पें होती रहती थीं, परंतु समुद्री मार्गों की तलाश के लिए उन्होंने मिलकर समुद्र-मंथन अभियान चलाया, जो उन्हें आश्चर्यों और रहस्यों के लोक में ले गया। इस रहस्यलोक में उन्हें मिला सोम नामक अमृत, जिस पर अधिकार को लेकर एक बार फिर सुरों और असुरों के मध्य विवाद उत्पन्न हो गया। 'देवों का उदय' में लेखकद्वय ने इन्हीं प्राचीन कथाओं को लेकर एक उपन्यास का रूप दिया है।

इस कृति में कल्पना और पौराणिक कथाओं को एकसाथ जोड़कर इसे औपन्यासिक रूप दिया गया है, जिसकी कथा न केवल रोचक और मनोरंजक है, बल्कि प्राचीन विश्व के प्रति जिज्ञासा भी उत्पन्न करती है

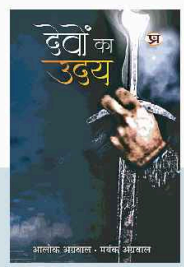

पुस्तक : देवों का उदय
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
लेखक : आलोक अग्रवाल एवं मयंक अग्रवाल
मूल्य : 500 रुपये

लेखकद्वय ने अपनी इस रचना में सुरों या देवताओं को अग्रणी मानव जाति माना है, जिन्हें प्रकृति के बारे में बेहतर ज्ञान था। लेखकद्वय के अनुसार, असुर भी सुरों की तरह ही एक श्रेष्ठ मानव जाति थे, लेकिन सुरों के साथ उनके वैचारिक मतभेदों के कारण वे हमेशा उनके साथ युद्धरत रहते थे। यह अच्छी तरह से जानते हुए कि सभ्यता तभी समृद्ध हो सकती है, जब सुर और असुरों की दो श्रेष्ठ शक्तियां एक साथ आएं। 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'विश्व एक परिवार है' भगवान विष्णु का आदर्श वाक्य था। इसी कारण वे सुर और असुरों को संयुक्त रूप से 'समुद्र मंथन' अभियान चलाने के लिए एक साथ लाए। यद्यपि, अभियान की खोजों को लेकर, विशेष रूप से सोम या अमृत को लेकर दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। इस काल के लिखित इतिहास का अभाव है। यही कारण है कि लेखकद्वय ने अपनी इस रचना में कल्पना और वेदों-पुराणों के तत्वों को एकसाथ जोड़कर एक सुगंधित पुष्प माला को पिरोया है जिनकी पंखुड़ियां पाठकों को एक अद्भुत अनुभव देती हैं। यह उपन्यास न केवल पाठकों को रोचक और मनोरंजक लगेगा, बल्कि यह उनमें प्राचीन अज्ञात विश्व के प्रति जिज्ञासा भी उत्पन्न करेगा।

वीर सावरकर का प्रासंगिक चिंतन

मुकेश चौरसिया

विनायक दामोदर सावरकर स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, इतिहासकार और विचारक थे। उन्हें वीर सावरकर के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू राष्ट्रवाद की राजनीतिक विचारधारा 'हिंदुत्व' को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय उनको जाता है। समाज सुधारक के तौर पर भी उनका बड़ा योगदान था। इसकी झलक उनकी साहित्यिक रचनाओं में देखने को मिलती है। उन्होंने कई नाटकों और कविताओं की रचना की थी। इस पुस्तक 'सावरकर की चिंतन-दृष्टि' में सावरकर की वैचारिक दृष्टि को समझने का प्रयास किया गया है। पुस्तक में उनके चार नाटकों 'संगीत उःशाप', 'संगीत बोधिवृक्ष', 'संगीत संन्यस्त खड्ग' और 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' के अलावा कुछ चुनिंदा कविताओं को विवेचित और विश्लेषित किया गया है।

'संगीत उःशाप' नाटक अछूतोद्धार अछूत हिंदुओं का धर्माभियान और हिंदुओं के इस्लामीकरण जैसे ज्वलंत प्रश्नों और उसके कारणों को दर्शाता है। 'संगीत बोधिवृक्ष' नामक नाटक महात्मा बुद्ध के वैराग्य की गाथा को रेखांकित करता है। 'संगीत संन्यस्त खड्ग' नाटक में नाटककार ने राज के लिए बुद्ध की शिक्षा के साथ-साथ जनहित, समाजहित, जन सुरक्षा हेतु शस्त्र को उठाना पुण्य माना है। जबकि 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' सावरकर के चिंतन को दर्शाता है। 'संगीत उत्तरक्रिया' में पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठों की हार, उनके साथ हुए अत्याचार व मराठों ने किस तरह प्रतिशोध लिया, उसकी गाथा है। 'देश रसातल को जा पहुंचा', 'शिववीर', 'प्रियतम हिंदुस्थान' 'हमारा स्वदेश हिंदुस्थान' आदि उनकी कविताएं स्वाधीनता आंदोलन में स्वतंत्रता की चेतना जगाने का काम करती थीं। सावरकर का चिंतन आज भी प्रासंगिक है। यह पुस्तक यही बताती है। सावरकर के बारे में उत्सुक पाठकों के लिए यह उपयोगी है।

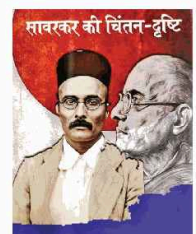

पुस्तक : सावरकर की चिंतन-दृष्टि
लेखक : डा. सुधांशु कुमार शुक्ला
प्रकाशक : कलमकार पब्लिशर्स
मूल्य : 500 रुपये

यतीन्द्र मिश्र

आधुनिकता से उपजे अकेलेपन की दास्तान

'मनुष्य में से मनुष्यता का खारिज होते जाना ही मेरी कहानियों की दुखती रग है।' प्रसिद्ध कथाकार सूर्यबाला के ये शब्द उनके कहानी संग्रह 'बहनों का जलसा' की संवेदनशीलता और सजीवता को समझने के साथ उसे आत्मसात करने हेतु पर्याप्त हैं। पात्र, चरित्र, घटनाएं, रिश्ते और पहचानों के टूटते-जुड़ते, हंसते-रुलाते सिलसिले, किसी कहानी को गढ़ने के लिए जिन तमाम पहलुओं और कल्पनाशक्ति की आवश्यकता होती है, वे सभी यहां संपूर्णता में मौजूद हैं। सूर्यबाला की इन कहानियों में दया, प्रेम, करुणा, सहानुभूति, अपनेपन की अनुभूतियां तो हैं ही, साथ ही आधुनिकता की तरफ अग्रसर होते समाज के मध्य व्याप्त सन्नाटे, अकेलेपन और टूटते रिश्तों को बचाने की जद्दोजहद भी देखने को मिलती है। माता-पिता, पुत्र, दोस्त, बहन, प्रेमिका जैसे आत्मीय रिश्तों के मेल से लेखिका बेहद सहजता से अपनी कहानियों को बुनती हैं, जो किसी एक वर्ग तक सीमित न होकर बहुआयामी हैं। हमारे अंतर्मन को गहराई से स्पर्श करती इस पुस्तक में दर्ज कहानियों से हम बदलते सामाजिक परिवेश, विदेश की ओर आकर्षित होते लोग, इससे उत्पन्न माता-पिता का अकेलापन, मकान में पसरा सन्नाटा, जीवन के नजरियों एवं मूल्यों का बदलना और इन सबसे महत्वपूर्ण पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की स्थिति के साथ उनके संघर्षों से अवगत होते हैं। लेखिका कहती हैं, 'क्रोशिए के एक नन्हे कंगूरे के साथ जैसे रेशमी धागों के फूल खिलते जाते हैं... कहानी भी कुछ-कुछ वैसे ही मर्म के एक गझिन बिंदु से उठाकर बेलबूटे काढ़ती चली जाती है, शब्दों की लय बनती जाती है।'

इस संकलन में कुल 12 कहानियां हैं, जिनमें 'बहनों का जलसा', 'वाचाल सन्नाटे', 'विजयिनी', 'वेणु का घर', 'बादशाह', 'सूबेदारनी का पोता', 'पंचमी के चांद की विजिट' आदि शामिल हैं। यह सूर्यबाला की लेखनी की ताकत ही है जिनकी पठनीय, धाराप्रवाह और स्पष्ट भाषा हमें दृढ़ता से बांधकर रखती है और हम यहां पात्रों के अकेलेपन से गुजरते हुए भी आहत नहीं होते। संग्रह की पहली कथा 'बहनों का जलसा' चार बहनों की कहानी है। ट्रेन के बंद डिब्बे में कुछ घंटे की यात्रा के जरिये अपने जीवन की समस्याओं को संवादपूर्ण ढंग से उजागर करती हैं। सबकी मंजिल अलग-अलग है, परंतु उस थोड़े समय को जीने की चाहत और व्याकुलता सबके भीतर दिखाई देती है। लेखिका ने बड़ी, संझली, मंझली और छोटी, चारों बहनों के मध्य भावनात्मक संवाद करते हुए नारी-एकता और नारी-मुक्ति के जीवंत संकल्प की सर्वश्रेष्ठ कथाओं में से एक को रचा है। तीनों बहनों की अपनी परेशानियां हैं, लेकिन यहां बड़ी बहन की कथा बेहद क्रांतिकारी है, जिसमें उसका साथ उसकी सौतन देती है। राव उमराव सिंह के कहने पर कि 'हमारे यहां तो बेटा होने पर बंदूक दगती हैं' तो राय साहब का जवाब 'हमारे यहां तो बेटा न होने पर भी बंदूक दगती है' इसके बाद उस महफिल में जोर का ठहाका लगा। इस नृशंस घटना ने बड़ी को अंदर तक झकझोर दिया और वह नारी-हत्या की उस व्यवस्था को बदलने का संकल्प लेती है। छोटी के द्वारा बड़ी से पूछे जाने पर कि तुमने अपनी कोठी, शानोशौकत छोड़ दी थी, पर बड़ी का जवाब, 'सुख नहीं केवल सुविधाएं और सुविधाएं सुख या दुख का कारण नहीं हुआ करतीं।' आज भाग-दौड़ भरी जिंदगी में नैतिकता को भूलते जा रहे समाज के लिए यह ऐसी कहानी है, जो इस क्रूर समय पर हलफनामे की तरह देखी जा सकती है।

सूर्यबाला ने पात्रों के मध्य सवाल में ही जवाब का अनोखा सामंजस्य बिठाया है। 'बच्चे कल मिलेंगे' कहानी भारत की संस्कृति को सहेजने की कवायद है। एक बच्ची वासवी के माध्यम से लेखिका ने अपनी अलग शैली में बताने की कोशिश की है कि हमारा देश समस्त रूप से परिपूर्ण है। इसकी बानगी के लिए कहानी में वर्णित तीसरे सप्ताह की पंक्तियों पर गौर करें- 'ओह! इंडिया में कितनी तरह की मिठाइयां होती हैं- लड्डू, रसगुल्ले, गुलाब-जामुन!', 'हां, हां, वही... दादी को खूब सारी मिठाइयां बनानी आती हैं, तरह-तरह की... यमी स्वीट्स।' 'विजयिनी' कहानी सत्या नामक पात्र से आकार लेती है। घर में नई बहू के आगमन पर वह महसूस करती है कि कैसे वह सभी के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है। वह भी बहू की तरह अपने अनुसार जीवन जी सकती थी। 'पंचमी का चांद' में हम पाते हैं, विकास और आकांक्षा दो युगल, उन्होंने जिस चांद के लिए शहर से दूर घर खरीदा था। रोजमर्रा की जिंदगी के कारण वही चांद उनसे दूर होता जाता है।

'प्यार के रिन्यूड लाइसेंस' कहानी में समय के साथ बदलते समीकरणों से रिश्तो को संभालने एवं बचाने की कथा है। दुखद विसंगतियां, विडंबनाएं, मन की तहों के भीतर हरदम चलते संघर्ष, रिश्तों और भावनात्मक निर्भरता के धागे का टूटना, साथ ही साथ इन सबसे बढ़कर एक स्त्री कैसे सबसे ज्यादा खोती है, जिसके इर्द-गिर्द परिवार बसता है, समाज आकार लेता है, यह सब दृश्य हमारी आत्मा को कंपा देते हैं। यह पुस्तक हर उस उम्र के पाठक के लिए है, जिनके परिवारवाले भारत से बाहर रहते हैं या अपने रिश्तों को कहीं बिसरा बैठे हैं।

पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की स्थिति के साथ उनके संघर्षों से अवगत करवाती यह पुस्तक एक कहानी संग्रह है जो आधुनिक रहन-सहन के साथ रिश्तों में उपज रहे अकेलेपन को भी दर्शाती है

पुस्तक : बहनों का जलसा
लेखिका : सूर्यबाला
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
मूल्य : 199 रुपये

****

वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 27 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2023 से फरवरी 2024 के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 27.06 प्रतिशत बढ़ा है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, इस अवधि में इन खदानों से 12.68 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआ है। इसी तरह, इन खदानों से समान अवधि में कोयला आपूर्ति 29.14 प्रतिशत बढ़कर 12.88 करोड़ टन रही है। फरवरी में इन खदानों से कोयला उत्पादन 1.48 करोड़ टन और आपूर्ति 1.29 करोड़ टन रही है। (प्रेट्र)

भारत कोयला खनन के लिए मशीनरी और उपकरणों के आयात पर खर्च कम करने और अपनी क्षमता बढ़ाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है।

— अमृत लाल मीणा, सचिव, कोयला मंत्रालय

अब हर शहर में खुलेगा एक सहकारी बैंक : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने की घोषणा, कहा- एनयूसीएफडीसी से शहरी सहकारी बैंकों का विकास होगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को समृद्ध करने के लिए अब प्रत्येक शहर में कम से कम एक शहरी सहकारी बैंक की स्थापना होगी। उन्होंने सहकारी बैंकों को आम जनता की समृद्धि का रास्ता बताया। वह शनिवार को राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम (एनयूसीएफडीसी) के उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरबीआइ ने एनयूसीएफडीसी को गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी और शहरी सहकारी बैंकिंग के लिए स्व-नियामक संगठन के रूप में काम करने की सहमति दी है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि जबतक सहकारी संस्थाओं को ताकत नहीं दी जाएगी, तबतक हम आगे नहीं बढ़ सकते। लगभग 20 वर्ष के संघर्ष के बाद आज एनयूसीएफडीसी की स्थापना हो रही है। अंब्रेला संगठन बनने से शहरी सहकारी बैंकों का विकास कई गुना बढ़ जाएगा। यह छोटे बैंकों के लिए सुरक्षा कवच जैसा काम करेगा। इससे जमाकर्ता का विश्वास बढ़ेगा और आने वाले दिनों में काम में वृद्धि होगी। विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि हम खुद को समय के साथ बदलते रहें और बैंकिंग नियमों का पालन करें। सहकारी वित्तीय क्षेत्र में अच्छा काम करने वाली संस्थाओं को बैंक में बदलने के लिए इस संगठन को व्यवस्था करनी चाहिए। इसका खास काम बैंकिंग नियमों के लिए छोटे बैंक को तैयार करना होना चाहिए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रत्येक शहर में एक को-आपरेटिव बैंक बनाने के लिए काम करना चाहिए। देशभर में व्यापार करने के लिए जरूरी सुविधाओं की क्लीयरिंग की भी व्यवस्था बनानी होगी। आज हमारे पास 1,500 सहकारी बैंकों की 11 हजार शाखाओं में पांच लाख करोड़ रुपये जमा हैं। साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये ऋण की संग्रहित क्षमता भी है। यह बड़ी ताकत है। इसे बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चलना है। यह अच्छी बात है कि शहरी सहकारी बैंक अपना शुद्ध एनपीए कम कर 2.10 प्रतिशत तक ले आए हैं। इसमें और सुधार करने की जरूरत है। अंब्रेला संगठन को तीन वर्षों में कठोर परिश्रम कर इसकी नींव डालनी चाहिए।

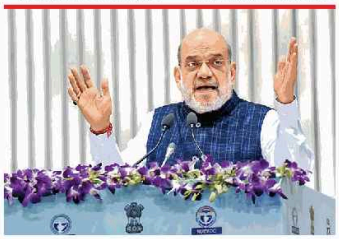

- केंद्रीय मंत्री ने किया सहकारी बैंकों के संगठन राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम का उद्घाटन
- कहा- छोटे बैंकों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा नया निगम, जमाकर्ता का भरोसा बढ़ेगा

नई दिल्ली में शनिवार को एनयूसीएफडीसी के उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह • एएनआइ

1,500 सहकारी बैंकों में जमा हैं पांच लाख करोड़ रुपये

2.10 प्रतिशत तक आ गया है शहरी सहकारी बैंकों का एनपीए

एनयूसीएफडीसी सारी समस्याओं का समाधान

एनयूसीएफडीसी की विशेषता बताते हुए अमित शाह ने कहा कि यह संस्था मात्र एक संगठन नहीं है, बल्कि सारी समस्याओं का समाधान है। आम जनता के जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता कोई है तो केवल अर्बन को-आपरेटिव बैंक है। अगर आगे बढ़ना है तो हर गांव, शहर में युवाओं और स्टार्टअप को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सवा सौ साल तक सहकारिता क्षेत्र अस्तित्व के लिए लड़ता रहा, लेकिन अब तेज गति से चलेगा। देश के अर्थतंत्र में सम्मान प्राप्त करेगा। भारत जैसे विशाल देश में विकास का पैरामीटर सिर्फ आंकड़े नहीं हो सकते, बल्कि कितने लोगों की सहभागिता है, यह बड़ा पैरामीटर होना चाहिए। इस मौके पर सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा, वित्त राज्यमंत्री भागवत किशनराव कराड, सहकारिता सचिव आशीष भूटानी और एनयूसीएफडीसी के चेयरमैन ज्योतिंद्र मेहता उपस्थित थे।

बायजूस के 20 हजार कर्मचारियों को वेतन देने में हो रही देरी

नई दिल्ली, आइएएनएस: दिग्गज एडटेक प्लेटफार्म बायजूस के करीब 20 हजार कर्मचारियों को फरवरी का वेतन मिलने में देरी हो रही है। बायजूस के संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि 25 से 30 करोड़ डालर की राशि का राइट्स इश्यू सफलतापूर्वक बंद हो गया है। लेकिन कुछ प्रमुख निवेशकों के साथ विवाद के चलते यह राशि एक अलग खाते में ब्लाक है।

रवींद्रन ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा, 'मुझे आपके यह बताते हुए खेद हो रहा है कि आपके वेतन की प्रक्रिया शुरू करने में असमर्थ हैं। पिछले महीने हमें पूंजी की कमी के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। अब धन होने के बावजूद हमें देरी का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी अभी भी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि वेतन का भुगतान 10 मार्च तक कर दिया जाए।' नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की बेंगलुरु पीठ के बायजूस को विवाद का निपटारा होने तक राइट्स इश्यू की राशि को एक अलग खाते में रखने का निर्देश दिया है। कंपनी के कुछ निवेशकों ने राइट्स इश्यू पर सवाल उठाए हैं।

यह महज आंकड़ा नहीं

स्टाक मार्केट इंडेक्स का मकसद क्या है? जब मैं खबरें और इंटरनेट मीडिया को देखता हूं, तो इसमें कोई शक ही नहीं लगता कि इंडेक्स का एकमात्र उद्देश्य आंकड़े दिखाना है कि आज बाजार कैसा रहा या कल बाजार ने कैसा किया। हां, इसमें व्यापक 'विश्लेषण' भी शामिल होता है जिसमें सुराग ढूंढे जाते हैं कि बाजार क्यों बढ़े या क्यों गिरे। अगर इंडेक्स का काम महज यहीं तक सीमित होता, तो असल में ये किसी काम का नहीं होता।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च आनलाइन डाट काम

बोनस

ये समझना महत्वपूर्ण है कि शेयर बाजार इंडेक्स, बाजार के प्रदर्शन का दिन भर की संख्यात्मक तस्वीर देने के अलावा और भी बहुत कुछ करते हैं। मुझे लगता है कि हर निवेशक जानता है, शेयर मार्केट इंडेक्स पूरे बाजार के लिए एक रिपोर्ट कार्ड की तरह हैं। वे दिखाते हैं कि बाजार कैसा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन ये नहीं दिखाते कि हर स्टाक क्या हाल है। अगर आप केवल इंडेक्स देख रहे हैं, तो आप निवेश के अच्छे मौकों से चूक जाएंगे। मिसाल के तौर पर, इंडेक्स ऊपर जा सकता है, लेकिन कुछ स्टाक नीचे जा सकते हैं। अगर आप केवल इंडेक्स देख रहे हैं तो हो सकता है कि आपका ध्यान इस बात पर जाए ही न। यहां तक तो फिर भी ठीक है, लेकिन असल सवाल तो ये है कि हम इंडेक्स का इस्तेमाल और किस चीज के लिए कर सकते हैं?

इंडेक्स के बारे में एक बड़ी बात है, जिसे हममें से ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं कि ये वर्तमान को अतीत से जोड़ने वाले पुल का काम करते हैं। ये ऐतिहासिक रिकार्ड हैं, जो समय के साथ अर्थव्यवस्था, व्यापार और बाजार के उतार-चढ़ाव दिखाते हैं। इन इंडेक्स की मौजूदा स्थिति की तुलना उनके ऐतिहासिक स्तरों से करने के साथ, वर्तमान पैटर्न की ऐतिहासिक स्तरों से तुलना करने पर, ये न केवल समझने के लिए एक शक्तिशाली टूल हैं कि बाजार आज कहां खड़ा है। बल्कि ये भी बताता है कि बाजार यहां तक कैसे पहुंचा और आगे क्या हो सकता है।

ये ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य कई कारणों से महत्वपूर्ण है। पहला, ये बाजारों की अक्सर ऊपर-नीचे होने वाली प्रकृति को उजागर करता है, इसे समझने से ये भरोसा मिलता है कि बाजार में सायकल्स (चक्र) चलते रहते हैं। ये देखना कि पिछली गिरावट के बाद इंडेक्स में किस तरह से सुधार हुआ है, लचीलापन और लांग-टर्म नजरिया दे सकता है, जिससे निवेशकों को शार्ट-टर्म मार्केट के उतार-चढ़ाव से परे देखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। जब मेरी रिसर्च टीम बाजार की किसी गिरावट को लेकर घबराती है, तो मैं उन्हें 2007 या 2001 या 1993 में मैंने जो कुछ देखा और महसूस किया, उसके कुछ अनुभव सुनाता हूं, और वो आश्वस्त हो जाते हैं।

दो तरीकों से, ये ऐतिहासिक लेंस हमें उस पैटर्न की पहचान में मदद करता है जो भविष्य में बाजार की हलचल के बारे में बता सकते हैं। हालांकि, इतिहास खुद को ठीक वैसे का वैसा नहीं दोहराता, पर काफी हद तक एक जैसा रहता है। यानी कुछ घटनाओं के लिए पिछले बाजार की प्रतिक्रियाओं को समझने से हमें भविष्य की वैसी ही स्थितियों में संभावित नतीजों की अपेक्षा करने में मदद मिल सकती है। खासतौर पर, ये अनिश्चितता के समय में बड़े काम का हो सकता है, जहां ऐतिहासिक संदर्भ ये संकेत दे सकता है कि बाजार कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

अंत में, ये ऐतिहासिक विश्लेषण निवेश के लिए ज्यादा अनुशासित नजरिए को बढ़ावा देता है। वो निवेशक जो बाजारों की सायक्लिक (चक्रीय) प्रकृति और लंबे समय के रुझानों के असर को समझते हैं, वो शार्ट-टर्म के उतार-चढ़ावों पर भावनाओं में बहकर प्रतिक्रिया करने के बजाय रणनीतिक और लंबे समय का नजरिया अपनाने की ज्यादा संभावना रखते हैं।

विशेष कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई पर

- दूसरे सत्र के बाद 60 अंक बढ़कर 73,806 पर बंद हुआ सेंसेक्स
- कारोबार दूसरी वेबसाइट पर ले जाने के लिए हुआ विशेष सत्र

मुंबई, प्रेट्र: घरेलू शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई में शनिवार को दो बार विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया गया। इसमें सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई पर जाकर बंद हुए। दूसरे विशेष सत्र के बाद बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 60.80 अंक की वृद्धि के साथ 73,806.15 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर जाकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 249.35 अंक बढ़कर 73,994.70 के उच्च स्तर तक पहुंचा। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 39.65 अंक की वृद्धि के साथ 22,378.40 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 80 अंक बढ़कर 22,419.55 के स्तर तक पहुंचा था।

इससे पहले सुबह के विशेष सत्र में सेंसेक्स 114.91 अंक बढ़कर 73,860.26 के स्तर पर बंद हुआ था। 45 मिनट के इस विशेष सत्र में सेंसेक्स 73,982.12 के नए उच्च स्तर तक पहुंचा था। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 56.25 अंक की वृद्धि के साथ 22,395 पर बंद हुआ था।

किसी भी व्यवधान की स्थिति में शेयर बाजारों का कारोबार प्राथमिक वेबसाइट से रिकवरी वेबसाइट पर ले जाने की तैयारियों के परीक्षण के लिए बीएसई और एनएसई में इस विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान केवल इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव में कारोबार हुआ।

किसानों-मछुआरों के हितों की रक्षा में सफल रहा भारत

राजीव कुमार • अबूधाबी

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा, भारत डब्ल्यूटीओ की कांफ्रेंस से पूरी तरह संतुष्ट
- पब्लिक स्टाक होल्डिंग और मछुआरों की सब्सिडी में कटौती पर नहीं बन सकी सहमति

पीयूष गोयल।

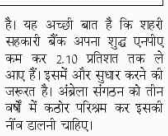

डब्ल्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय कांफ्रेंस (एमसी-13) की समाप्ति के बाद वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत इस कांफ्रेंस से पूरी तरह संतुष्ट है। इससे हमारे किसान व मछुआरों का हित कहीं से प्रभावित नहीं होगा और हम पहले की तरह उन्हें हर प्रकार का लाभ देते रहेंगे। नीतिगत रूप से भी हमें इसमें कोई बाधा नहीं आएगी। खाद्य सुरक्षा के लिए सरकार पहले की तरह किसानों से अनाज खरीदती रहेगी और उन्हें सब्सिडी भी देती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत गैर व्यापारिक मुद्दों को डब्ल्यूटीओ के मंच पर चर्चा के लिए आने से रोकने में सफल रहा। चीन विकास के लिए निवेश सहमति पत्र पर तो यूरोप औद्योगिक नीति पर एमसी-13 में चर्चा करना चाहता था। 26 फरवरी से लेकर एक मार्च तक अबूधाबी में एमसी-13 का आयोजन किया गया।

गोयल ने कहा कि कमोबेश हम जिस उद्देश्य के साथ अबूधाबी आए थे, उसे हमने प्राप्त कर लिया है। हमारा सबसे बड़ा उद्देश्य अपने किसान व मछुआरों की रक्षा करना था। हालांकि, इसमें पब्लिक स्टाक होल्डिंग को लेकर स्थायी समाधान या विकसित देशों द्वारा मछुआरों को दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती जैसे किसी भी बड़े मुद्दों पर कोई सहमति नहीं बनी सकी।

एमसी-13 में ई-कामर्स के जरिए डिजिटल रूप में आने वाली वस्तुओं के आयात पर सीमा शुल्क की छूट की अवधि को फिर से दो साल के लिए बढ़ा दिया गया, जबकि भारत इस छूट को समाप्त करने के पक्ष में था। हालांकि, इस फैसले से डिजिटल रूप में विदेश से आने वाली किताब या फिल्म जैसे आइटम के महंगे होने की आशंका समाप्त हो गई। भारत सीमा शुल्क छूट को हटाने के पक्ष में यह दलील दे रहा था कि एक संप्रभु देश के पास यह अधिकार होना चाहिए कि वह अपने उद्योग के हित में जरूरत पड़ने पर सीमा शुल्क लगा सके। ई-कामर्स के जरिए डिजिटल उत्पादों के निर्यात में अधिकतर हिस्सेदारी विकसित देशों की है।

दो नए देशों को मिली डब्ल्यूटीओ की सदस्यता

एमसी13 में दो नए देश कोमोरोस और तिमोर-लेस्टे को डब्ल्यूटीओ की सदस्यता दी गई। इसके साथ ही डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों की संख्या 166 हो गई। 22 और देशों ने डब्ल्यूटीओ की सदस्यता के लिए आवेदन किया है। एमसी-13 में एक और महत्वपूर्ण फैसला यह लिया गया कि अति कम विकसित देशों (एलडीसी) को अपने दायरे से बाहर निकलकर विकासशील देशों के दायरे में शामिल होने पर पहले तीन साल उन्हें विभिन्न व्यापारिक राहत जारी रहेगी।

राष्ट्रीय फलक

आइएसआइ को सैन्य सूचनाएं भेजने वाले को जेल

जागरण संवाददाता, कानपुर

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ को सैन्य ठिकानों की सूचना भेजने वाले फैसल रहमान उर्फ गुड्डू को अपर जिला जज आठ राम अवतार प्रसाद की कोर्ट ने 10 साल कैद की सजा सुनाई है। 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। फैसल झारखंड का रहने वाला है और उसे एटीएस ने 18 सितंबर 2011 को कानपुर में पकड़ा था। उसने रांची छावनी, प्रयागराज, बबीना व कानपुर के सैन्य ठिकानों की सूचनाएं आइएसआइ को भेजी थीं। वह पाकिस्तान में आइएसआइ का प्रशिक्षण ले चुका था।

फैसल रहमान उर्फ गुड्डू को एटीएस ने मुरे कंपनी पुल के पास से गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से सेना से जुड़ी जानकारियों वाले अभिलेख मिले थे। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद डिमरी व विशेष लोक अभियोजक पंकज त्रिपाठी ने बताया कि अभियोजन की तरफ से 11 गवाहों की गवाही कराई गई। फैसल ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि पाकिस्तान में उसकी शादी होने के कारण फंसाया गया है। वह पत्नी और दो बच्चों से पिछले 11 साल से नहीं मिला है। अभियोजन ने कहा, उसने देश की राष्ट्रीय एकता व अखंडता के विरुद्ध कार्य किया है। फैसल ने कोर्ट में अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 32 का हवाला देते हुए मुकदमे में खुद ही बहस करने की बात कही थी। इसे अदालत ने मंजूर कर लिया था।

आइएसआइ को सैन्य ठिकानों से जुड़ी सूचनाएं भेजने वाला फैसल रहमान। जागरण

कराची में हुई थी शादी

फैसल रहमान ने बताया कि वह उच्च शिक्षा के लिए चार साल रूस में रहा था। उसकी मौसी जाकिया मुमताज कराची में रहती थी। उसने 1997 में मौसी की बेटी साइमा फैसल से कराची में शादी की थी। साइमा उस समय पाकिस्तान में गवर्नमेंट इस्लामिया कालेज में प्रवक्ता थी। वह एक बार बिना सरकारी अनुमति के भारत आई थी। आइएसआइ ने पत्नी पर कार्रवाई का डर दिखाकर उसे जासूसी के लिए तैयार किया था। सैन्य ठिकानों से जुड़ी सूचनाएं देने पर उसके बैंक खाते में 10-12 लाख रुपये आइएसआइ अफसरों ने भेजे थे। एक लाख रुपये हवाला के जरिये भी मिले थे। वह आइएसआइ अफसर मेजर सिकंदर के लिए काम करता था। उसके पास से मेजर का मोबाइल नंबर और पाकिस्तान का सिम भी बरामद हुआ था।

दुष्कर्म पीड़िता की मां ने किया सोनिया गांधी के आवास के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रेट्र: कर्नाटक में 12 वर्ष पहले हुए दुष्कर्म और हत्या के एक मामले की पीड़िता की मां ने न्याय की गुहार लगाते हुए शनिवार को सोनिया गांधी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख की ओर से उन्हें मदद का भरोसा दिया गया। गौरतलब है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है।

सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ के निकट प्रदर्शन शुरू होने के बाद उनके एक सहयोगी ने पीड़िता की मां से मुलाकात की। उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में पूरी मदद की जाएगी। दक्षिण कन्नड़ जिले की निवासी ने 12 साल पुराने मामले की दोबारा जांच की मांग करते हुए सोनिया गांधी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि सोनिया गांधी अस्वस्थ थीं, इसलिए उनके एक करीबी सहयोगी ने हमारी पीड़ा सुनी।

झारखंड में स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, दुमका

- कोलकाता से नेपाल जाने के क्रम में रात में अस्थायी टेंट लगाकर सुनसान जगह पर रुक गए थे पति-पत्नी
- पति को शिविर में बांधकर सात युवकों ने दिया घटना को अंजाम, तीन पुलिस हिरासत में

झारखंड में स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 28 वर्षीय महिला अपने 64 वर्षीय पति के साथ दो विदेशी बाइक से विश्व भ्रमण पर निकली थी। दंपती ने पुलिस को बताया है कि वह कोलकाता से नेपाल जाने के लिए बाइक से निकले थे। रास्ते में शाम हो जाने पर दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र से गुजरने के क्रम में उन्होंने मुख्य सड़क से अंदर अस्थायी शिविर लगाया और रात्रि विश्राम करने लगी।

रात लगभग 11 बजे आसपास के गांवों के रहने वाले नशे में धुत सात युवक शिविर में घुस गए। इन्होंने पहले पति की हेलमेट से पिटाई की, इसके बाद उन्हें टेंट में बांध दिया। महिला को शिविर से दूर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। उनके रुपये, घड़ी व आभूषण लूट लिए। आरोपितों से संघर्ष करते हुए महिला के चेहरे समेत कई हिस्सों में गहरी खरोंच व चोट भी आई है। शनिवार को पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई। रविवार को पीड़िता का बयान न्यायालय में दर्ज कराया जाएगा। पुलिस ने एसआइटी का गठन कर जांच शुरू की। तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है।

सात युवकों ने पति को बांधने के बाद स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया है। मेडिकल जांच के बाद न्यायालय में बयान दर्ज करा दिया गया है। तीन युवकों से पूछताछ की जा रही है। बाकी की तलाश में छापेमारी की जा रही है। - पीतांबर सिंह खेरवार, एसपी दुमका

एक की पीड़ित महिला ने पहचान की है। फरार आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

हिंदी नहीं जानते दंपती: रात में पुलिस की टीम गश्त करते हुए जा रही थी। तभी सड़क किनारे खड़े विदेशी दंपती को देखकर पुलिस ने रुककर पूछताछ की तो उन्होंने सारी बात बताई। दंपती स्पैनिश में बात कर रहे थे। उन्हें हिंदी नहीं आती है। थाने पहुंचकर दोनों ने गूगल ट्रांसलेटर का सहारा लेकर किसी तरह पुलिस को अपनी बात बताई।

वीडियो प्रसारित: घटना के बाद पीड़िता और उसके पति का इंटरनेट मीडिया पर रोता हुआ वीडियो प्रसारित हुआ है। इसमें पीड़िता ने कहा कि सात युवकों ने पति के साथ पहले मारपीट की और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया है। सामान भी लूट लिया। जिस तरह की घटना उनके साथ हुई है, वैसी किसी दूसरे के साथ नहीं हो। इसके लिए उन्होंने न्याय की मांग की है।

आगरा में पुलिस दबिश के दौरान आठवीं मंजिल से गिरकर अधिवक्ता की मौत

जागरण संवाददाता, आगरा

- रिश्तेदार ने लिखाया था धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा, हंगामा-प्रदर्शन
- शाम को अधिवक्ता की पत्नी ने एसओ समेत आधा दर्जन के खिलाफ दी तहरीर

सुनील शर्मा। सौ.:स्वजन

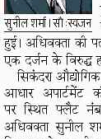

पुलिस की दबिश के दौरान शुक्रवार देर रात वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील शर्मा की अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना के विरोध में दीवानी में दिन भर हंगामा चलता रहा। अधिवक्ताओं और पुलिस के बीच जमकर तकरार हुई। अधिवक्ता की पत्नी ने एसओ समेत एक दर्जन के विरुद्ध हत्या की तहरीर दी।

सिकंदरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित मंगलम आधार अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर 801 में वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील शर्मा रहते थे। उनके खिलाफ दो फरवरी को न्यू आगरा थाने में रिश्तेदार मनोज शर्मा ने धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। अधिवक्ता और उनके पक्ष के लोगों ने अधिकारियों से मिलकर अपना पक्ष रखा था। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार रात 10.45 बजे उनके अपार्टमेंट में दबिश दी। सात से आठ पुलिसकर्मियों में दो महिला पुलिसकर्मी थीं। दो लोग सादे कपड़ों में थे। अपार्टमेंट के गार्ड राकेश ने बताया कि रात में अधिवक्ता और उनकी पत्नी फ्लैट में थे। सादा कपड़ों में पहुंचे लोगों ने रजिस्टर में एंट्री कराई। पुलिसकर्मी सीधे आगे निकल गए थे। वे सीधे अधिवक्ता के फ्लैट में पहुंच गए। अधिवक्ता पुलिस से बचने के लिए खाली फ्लैट नंबर 802 में घुसे। इसके कुछ मिनट बाद ही वे नीचे गिर पड़े। दबिश में शामिल पुलिसकर्मी भागने लगे। अपार्टमेंट के नीचे स्थानीय निवासी टहल रहे थे। उन्होंने अधिवक्ता को नीचे पड़े देखा तो गार्ड को बुला लिए। पुलिसकर्मी अपार्टमेंट से गाड़ी में बैठकर जाने लगे। स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद पुलिसकर्मी सुनील शर्मा को गाड़ी से एसएन इमजरेंसी ले गए। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शनिवार सुबह दस बजे से दीवानी में प्रदर्शन शुरू हो गए। अधिवक्ताओं ने पुलिस का पुतला फूंककर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई। पूरे दिन दीवानी में कामकाज ठप रहा। अधिवक्ताओं के विरोध के चलते शनिवार देर रात तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

दीवानी के बाहर पुलिस प्रशासन का पुतला जलाने के दौरान अधिवक्ता को हटाते पुलिसकर्मी। जागरण

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 3 मार्च, 2024 से शनिवार 9 मार्च, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) आत्मविश्वास से सफलता, निवेश में सावधानी बरतें, विदेश कार्य में सफलता, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, पारिवारिक सहयोग मिलेगा, स्वार्थी तत्वों से सावधान, संतान से सहयोग, रक्त विकार, त्वचा विकार, अति महत्वाकांक्षा से बचें, स्थान-पद परिवर्तन प्रभावी, शुभ अंक 2

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो) समाज के प्रति जागरूक रहें, धनागम में सफलता, दिनचर्या व्यस्त रहेगी, सामाजिक, रचनात्मक कार्य में यश, महिला से सहयोग, लेखन कार्य में सफलता, क्रोध पर नियंत्रण, ससुराल पक्ष से सहयोग, राज्यपक्ष से सहयोग, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन योग, शुभ अंक 4

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा) कार्य में प्रयास सार्थक, अर्थसाधन में प्रयास, विदेश कार्य में सहयोग होगा, निजी संबंधों में दृढ़ता बनाए रखें, कल्पना से बचें, चयन में देरी, खानपान पर ध्यान दें, कुसंग से बचें, जीवनसाथी का मिलन, राजनैतिक अपयश, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) कार्य में सफलता, धनागम में सफलता, साझेदारी से सावधानी, कार्य क्षेत्र में विस्तार, चिंता का समाधान, भौतिक साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, पारिवारिक कार्य का समाधान, आलस्य से बचें, शत्रुपक्ष से सावधान, प्रणय में अनबन, धर्म में रुचि, अधिकारी से सावधान, शुभ अंक 6

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) कार्य पूरे होंगे, अर्थसाधन में प्रगति, कार्य क्षेत्र में विस्तार, भावना पर नियंत्रण रखें, अतिविश्वास से बचें, निजी संबंधों में मधुरता, कार्य में यश, शिक्षा में रुचि, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, नौकरी में उन्नति, स्थान पद परिवर्तन, शुभ अंक 7

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, उ, पे, पो) मन अशांत रहेगा, धन के आवागमन में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिन्ता, पारिवारिक जीवन सुखमय, वस्त्र, वाहन के योग, भविष्य के प्रति योजना, मित्रों से सहयोग, क्रोध से बचें, जीवनसाथी का मिलन, राजनैतिक यश, शुभ अंक 8

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) मन में विचारों की अधिकता, विश्वास, साहस से कार्य करें, कार्य क्षेत्र में विस्तार, अज्ञात भय से सावधान, दिनचर्या में व्यस्तता, स्व:सम्पत्ति की वृद्धि, शासन सत्ता का सहयोग, स्थान पद परिवर्तन का योग, मानसम्मान की वृद्धि, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, व्यय अधिक, शुभ अंक 9

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) धन के आवागमन में सावधानी बरतें, महिला से सहयोग, बुद्धि कौशल से प्रभाव वृद्धि, निजी मतभेद, भूमि, भवन कार्य में देरी, संतान से सहयोग, अतिकल्पना-कुसंग से बचें, मित्रों से सहयोग, सिर पीड़ा, त्वचा विकार, प्रणय में सुख, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 1

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) आर्थिक पक्ष में सुधार, व्यापारिक कार्य में वृद्धि, निजी संबंधों में मतभेद, स्व:कौशल से प्रभाव वृद्धि, पारिवारिक चिंता, संतान के लिये योजना, खानपान का ध्यान रखें, कार्य करने वालों से मतभेद, ध्यान से मन की शुद्धि, राज्यपक्ष से सावधान, स्थान पद परिवर्तन योग, शुभ अंक 2

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी) सार्थक निर्णय से कार्य क्षेत्र के लक्ष्य के प्रति सजग रहें, विदेश कार्य में प्रयास सार्थक, नवीन विचारों तथा युक्ति से लाभ, चयन में सफलता, लेखन, बौद्धिक कार्य में प्रगति, व्यर्थ के कार्यों से बचें, धर्म में रुचि, अनुबंध की प्राप्ति, व्यय अधिक, शुभ अंक 4

कुम्भ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा) साहस से सफलता, कार्यस्थल पर सावधान रहें, साझेदारी में सावधानी, निजी संबंधों में मधुरता, कार्यशैली में नवीन विचारों का समावेश, संतान के लिये योजना, चयन में देरी, मित्रों से सहयोग, परोपकार का योग, रक्षा साधन कार्य में प्रगति, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची) कार्य क्षेत्र में सफलता, अर्थ साधन में सफलता, साझेदारी में सावधानी, पराक्रम में वृद्धि, अतिकल्पना से बचें, शिक्षा में उन्नति, एकाएक सफलता, चिंता का समाधान, शत्रुपक्ष से सावधान, स्थान पद परिवर्तन, राजनैतिक अपयश, कार्य में अवरोध, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

****

9 चीनी लड़ाकू विमान और आठ युद्धपोत शुक्रवार सुबह छह बजे से शनिवार सुबह छह बजे के बीच ताइवान के आसपास देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के चार लड़ाकू विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार कर हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र के दक्षिण पश्चिमी किनारे में प्रवेश किया।

26/11 के साजिशकर्ता चीमा की पाकिस्तान में मौत

लश्कर-ए-तैयबा का खुफिया सरगना था चीमा, हार्ट अटैक बताया जा रहा मौत का कारण, कई वारदातों में था शामिल

2008 से बहावलपुर में लश्कर कमांडर के रूप में काम कर रहा था चीमा

जेएनएन, नई दिल्ली

मुंबई आतंकी हमले (26/11) की साजिश रचने वाले आजम चीमा की पाकिस्तान के फैसलाबाद शहर में मौत हो गई है। वह लश्कर-ए-तैयबा का खुफिया सरगना था। भारत में कई आतंकी हमलों में उसका हाथ था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दिल का दौरा पड़ने के कारण चीमा की मौत हुई है। हालांकि, किसी एजेंसी ने उसकी मौत की पुष्टि नहीं की है। हाल के महीनों में लश्कर के कई आतंकियों की जिस तरह रहस्यमय ढंग से हत्या हुई है, उसे देखते हुए चीमा की मौत को लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने लश्कर के गुर्गों की हत्या के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ होने का आरोप लगाया है। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

फैसलाबाद के मलखानवाला में चीमा को दफनाया गया : जानकारी के मुताबिक, फैसलाबाद के मलखानवाला में चीमा को दफना दिया गया। आजम चीमा 26/11 के मुंबई आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। अमेरिकी सरकार का कहना है कि 26 नवंबर, 2008 के हमलों को अंजाम देने वाले आतंकियों को चीमा ने प्रशिक्षण दिया था। इस हमले में छह अमेरिकियों सहित कुल 166 लोगों की मौत हुई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। आजम चीमा 2006 में मुंबई में हुए ट्रेन बम धमाकों का भी मास्टरमाइंड था। ट्रेन में हुए बम धमाकों में 188 लोग मारे गए थे और 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

लश्कर-ए-तैयबा का खुफिया सरगना आजम चीमा (फाइल)। इंटरनेट मीडिया

पाकिस्तान का झूठ उजागर

भारतीय एजेंसियों के लिए चीमा की मौत की खबर पाकिस्तानी धरती पर एक नामित आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि करती है। यह खबर इस्लामाबाद के इस झूठ की भी पोल खोलती है कि वह आतंकियों को पनाह नहीं देता है। यह चीमा ही था, जो जिहादियों को बरगलाने के लिए आइएसआइ के पूर्व प्रमुख हामिद गुल, ब्रिगेडियर रियाज और कर्नल रफीक को बहावलपुर कैंप लेकर गया था। सन 2000 की शुरुआत में चीमा पाकिस्तान के बहावलपुर में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। उसे अक्सर छह अंगरक्षकों के साथ एक लैंड क्रूजर में घूमते देखा जाता था।

विदेश में कब-कब मारे गए भारत विरोधी दहशतगर्द

पहली मार्च, 2022 : आइसी-814 विमान के अपहरणकर्ताओं में शामिल जैश कमांडर आतंकी मिस्त्री जहूर उर्फ जाहिद अखूंद की कराची में हत्या।

19 सितंबर, 2022 : भारत में आतंकी व अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त आतंकी हैंडलर मोहम्मद लाल की नेपाल के काठमांडू में हत्या।

20 फरवरी, 2023 : रावलपिंडी में हिजबुल के इम्तियाज आलम उर्फ बशीर अहमद पीर की अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। वह कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में जुटा था।

22 फरवरी, 2023 : जम्मू-कश्मीर में आइएस का नेटवर्क मजबूत करने में जुटे एजाज अहमद अहंगर की काबुल में हत्या कर दी गई। वह अफगानिस्तान में बसा हुआ था। माना जा रहा है कि तालिबान ने उसकी हत्या कर दी।

26 फरवरी, 2023 : कराची में अल बदर के पूर्व कमांडर सैयद खालिद रजा की हत्या। वह जम्मू-कश्मीर के अल बदर का कमांडर रह चुका था।

चार मार्च, 2023 : पाक के खैबरपख्तून में आतंकी सैयद नूर शोलाबर की हत्या कर दी गई। वह अफगानिस्तान में भी सक्रिय रहा था और जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए पाक की मदद कर रहा था।

छह मई, 2023 : खालिस्तान कमांडो फोर्स के स्वयंभू प्रमुख और कुख्यात आतंकी परमजीत सिंह पंजवड़ की पाकिस्तान के शहर लाहौर में हत्या कर दी गई। मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने 63 वर्षीय पंजवड़ को उस समय गोली मार दी, जब वह अपनी सोसाइटी में टहल रहा था।

18 जून, 2023 : खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह कनाडा में बैठकर पंजाब में टारगेट किलिंग करवाता था और भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करता था।

पांच अगस्त, 2023 : पाकिस्तान के नवाबशाह जिले में मुल्ला सरदार हुसैन अरैन (जेयूडी) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह हाफिज सईद के करीबियों में एक था।

आठ सितंबर 2023 : गुलाम जम्मू कश्मीर के रावलकोट में एक मस्जिद के भीतर लश्कर कमांडर मोहम्मद रियाज उर्फ अबू कासिम की हत्या। वह राजौरी व पुंछ जिलों में दोबारा आतंकवाद को जिंदा करने के लिए हिंदुओं व सुरक्षाबलों पर हमले की साजिश में भी शामिल था।

12 सितंबर 2023 : लश्कर व हिजबुल का कोआर्डिनेटर कहा जाने वाला जियाउर रहमान पाकिस्तान के कराची में शाम की सैर के दौरान दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों की गोलीबारी में मारा गया।

30 सितंबर, 2023 : लश्कर के सरगना हाफिज सईद के करीबी सहयोगी मुफ्ती कैसर फारूक की कराची में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

11 अक्टूबर 2023 : पठानकोट एयरबेस हमले का गुनाहगार शाहिद लतीफ अपने भाई सहित पाकिस्तान के सियालकोट में मारा गया।

भारत ने उठाया भरतनाट्यम कलाकार की हत्या का मामला

न्यूयार्क, प्रेट्र : भारत ने अमेरिका के समक्ष भरतनाट्यम-कुचिपुड़ी कलाकार अमरनाथ घोष की हत्या के मामले को मजबूती से उठाया है। 34 वर्षीय अमरनाथ की सेंट लुइस में मंगलवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बंगाल के बीरभूम जिले के अमरनाथ वाशिंगटन विश्वविद्यालय में मास्टर आफ फाइन आर्ट्स की पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें सेंट लुइस एकेडमी और सेंट्रल वेस्ट इंड इलाके की सीमा के निकट कई गोलियां मारी गईं। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, हम फोरेंसिक विभाग, पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मामले की जांच के लिए पुलिस व विश्वविद्यालय के समक्ष इस मामले को उठाया गया है। मृतक के रिश्तेदारों को हरसंभव मदद दी जा रही है। हालांकि मृतक के चाचा श्यामल घोष ने कहा, भतीजे की मौत के बारे में उन्हें अब तक विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। अमरनाथ की मित्र व टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने शुक्रवार को पोस्ट कर हत्या की जानकारी दी थी। उन्होंने अमेरिका में भारतीय दूतावास के 'एक्स' हैंडल, पीएम नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग किया था। अमेरिका में, 2024 की शुरुआत से अब तक भारतीय और भारतीय मूल के कई छात्रों की मौत हुई है।

गुलाम जम्मू-कश्मीर में तहरीक का आपरेशनल चीफ कमांडर का अपहरण

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : तहरीक-उल-मुजाहिदीन का आपरेशनल चीफ कमांडर और यूनाइटेड जिहाद काउंसिल का महासचिव शेख जमील उर रहमान उर्फ शेख साहब उर्फ रहमान का गुलाम जम्मू-कश्मीर में कथित तौर पर अज्ञात तत्वों ने अपहरण कर लिया है। पुलवामा निवासी शेख को केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2022 में आतंकी घोषित कर दिया था।

बता दें, शेख जमील जम्मू-कश्मीर में चार वर्ष से सक्रिय पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) और गजनवी फोर्स के गुलाम जम्मू-कश्मीर में स्थित ट्रेनिंग कैंप का कथित तौर जिम्मा संभाल रहा है। वह लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन, पीएएफएफ, गजनवी फोर्स और द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के बीच समन्वयक के रूप में काम करने के अलावा आतंकियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए नेटवर्क उपलब्ध कराता है। वह राजौरी, पुंछ में कुछ वर्षों के दौरान हुए आतंकी हमलों में भी लिप्त रहा है। शेख के पास पाकिस्तान का कंप्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र संख्या 61101-9814281-9 है। सूत्रों ने बताया, शेख का कुछ दिन पहले एबटाबाद से अज्ञात लोगों ने अपहरण किया है। उसे उसके विरोधी गुट द्वारा मौत के घाट उतारने या फिर आइएसआइ द्वारा ही गायब करने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता।

हाउती हमले में लाल सागर में डूबा मालवाहक जहाज

- पिछले महीने किए गए हमले में हो गया था क्षतिग्रस्त
- जहाज 41,000 टन फर्टिलाइजर लेकर जा रहा था

दुबई, रायटर : इजरायल हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से ही लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हाउती आतंकियों के हमले जारी है। हाउती हमले में पहली बार एक मालवाहक जहाज पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर शुक्रवार को डूब गया। जहाज रूबीमार पर पिछले हफ्ते हमला बोला गया था। यमन की ओर से शनिवार को इसके डूबने की पुष्टि की गई है। ब्रिटिश स्वामित्व वाला जहाज 41,000 टन फर्टिलाइजर लेकर जा रहा था।

ब्रिटिश मैरीटाइम ट्रेड आर्गेनाइजेशन की ओर से शनिवार को कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली थी यमन के मोखा बंदरगाह से 15 समुद्री मील पश्चिम में एक जहाज पर हमले की सूचना मिली थी। चालक दल जहाज को लंगर डालने का प्रयास कर रहे थे। सैन्य अधिकारियों द्वारा उन्हें निकाला गया। इसके साथ ही इस रूट पर खतरा और बढ़ गया है। पहले ही कई जहाज मार्ग से हट चुके हैं। डूबने से जलमार्ग पर चलने वाले जहाजों के लिए और अधिक मार्ग परिवर्तन और उच्च बीमा दरें देखने को मिल सकती हैं।

यह भी आशंका जताई जा रही है कि इससे इजरायल-हमास युद्ध और विस्तृत हो सकता है, जिससे पश्चिम एशिया का माहौल अस्थिर हो सकता

अमेरिकी सेना ने हाउती के ठिकानों को बनाया निशाना : अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य गठबंधन ने यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह में हाउती ठिकानों के खिलाफ दो हवाई हमले किए। हमलों ने शहर के पश्चिम में उसके मोबाइल मिसाइल लांचरों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह हमला हाउती की मिसाइल के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए किया गया था। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने कहा कि मिसाइल को हाउती लाल सागर की ओर लांच करने वाला था। इसकी वजह से लाल सागर में अमेरिकी विमानों के लिए खतरा पैदा हो जाती। अमेरिका ने कहा है कि वह आतंकियों पर सख्ती बरतेगा।

हाउती हमले में क्षतिग्रस्त होकर रूबीमार नामक जहाज शुक्रवार को लाल सागर में डूब गया। एएफपी

अमेरिका ने पहली बार गाजा में भोजन के हजारों पैकेट गिराए

- तीन सी-130 विमानों ने 35,000 से अधिक खाने के पैकट गिराए
- वार्ता से पहले इजरायल ने हमास से जीवित बंधकों की सूची मांगी है

काहिरा, रायटर : गाजा में मानवीय सहायता की उम्मीद में बैठे लोगों के लिए शनिवार को अमेरिका ने पहली बार विमान से मदद पहुंचाई। तीन सी-130 विमानों ने क्षेत्र में पैराशूट के माध्यम से 35,000 से अधिक खाने के पैकट गिराए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यहां एक चौथाई आबादी अकाल से बस एक कदम दूर है। फलस्तीनियों ने इंटरनेट मीडिया पर सहायता के लिए गिराए गए पैकेट का वीडियो साझा किया। व्हाइट हाउस ने कहा, इजरायल इस आपरेशन का समर्थन करता है। वहीं, घरेलू व विदेशी दबाव के बीच बाइडन प्रशासन साइप्रस से समुद्र द्वारा जहाज के माध्यम से भी सहायता भेजने पर विचार कर रहा है।

गाजा युद्धविराम वार्ता रविवार को काहिरा में फिर से शुरू होने की संभावना है। लेकिन इजरायल ने हमास से उन अपहृत बंधकों की सूची मांगी है, जो जीवित हैं। इजरायल ने कहा है कि काहिरा वार्ता में वह तब तक प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजेगा, जब तक सूची नहीं मिल जाती। वह जिन मुद्दों पर काम कर रहा है, वह यह है कि गाजा से कितने बंधकों को रिहा किया जाएगा और उनमें से प्रत्येक के बदले में कितने फलस्तीनियों को रिहा करेगा। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि रमजान तक युद्धविराम हो जाएगा। इस बीच लेबनान में इजरायली हमले में हिजबुल्ला के सात लड़ाके मारे गए हैं। वे जिस कार में जा रहे थे उसे नकौरा में निशाना बनाया गया। वहीं, हिजबुल्लाह ने कहा कि विस्फोटक ड्रोन का उपयोग कर लिमन गांव में एक इजरायली सैन्य मुख्यालय पर हमला किया गया।

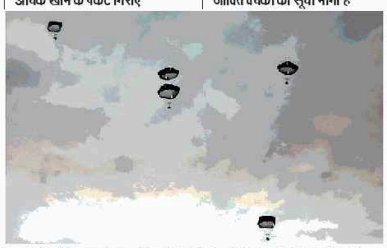

अब तक नौ हजार महिलाएं मारी जा चुकीं : इजरायली हवाई हमले में रफाह में शनिवार को 11 फलस्तीनी मारे गए। यह वह स्थल था जहां लोगों ने शरण ले रखी थी। गाजा पट्टी में अबतक 30,320 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा में इजरायली बलों द्वारा अनुमानित 9,000 महिलाओं की हत्या की गई है। यहां भुखमरी की स्थित भयावह है।

इजरायली हमले से कराह रहे फलस्तीनी नागरिकों के लिए मानवीय सहायता के तौर पर अमेरिका ने पैराशूट के माध्यम से गाजा पट्टी में खाने के पैकेट गिराए।

सहायता काफिले के पास मौजूद लोगों पर इजरायली सेना ने चलाई थीं गोलियां : ईयू

यूरोपीय संघ की राजनयिक सेवा ने शनिवार को कहा कि सहायता काफिले से आटे के बैग लेने की कोशिश कर रहे कई फलस्तीनी, इजरायली सेना की गोलीबारी में मारे गए थे। इसे लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है। गौरतलब है कि मदद की आस में जमा लोगों पर हमला कर दिया गया था जिससे सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 700 लोग घायल हुए थे। इसकी विश्व भर में आलोचना हुई थी। हालांकि इजरायल ने हमले से इन्कार किया है।

गुलाम जम्मू-कश्मीर में पांच मार्च को प्रदर्शन के दौरान हिंसा की चेतावनी

गिलगिट बाल्टिस्तान, एएनआइ : निर्वासन में रह रहे गुलाम जम्मू-कश्मीर के मानव अधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने वीडियो संदेश जारी कर चेतावनी दी है कि पांच मार्च होने वाले प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क सकती है। मिर्जा ने कहा कि गुलाम जम्मू-कश्मीर के सभी तबके के लोग इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह लोगों की शक्ति और एकता का सबसे बड़ा प्रदर्शन होगा।

मिर्जा ने वीडियो से जारी बयान में लोगों के हिंसक होने की आशंका जताई है। जीवन स्तर को लेकर लोग काफी नाराज हैं। इससे पहले लोग तीन बार हड़ताल कर चुके हैं। पिछली हड़ताल पांच फरवरी को हुई थी। अब एक महीने बाद लोग फिर उसी राह पर हैं। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी, व्यापार संघ और अन्य संगठनों ने भी पांच मार्च को आंदोलन की धमकी दी है। हिंसा की आशंका देखते हुए प्रदर्शन के पहले काफी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

राष्ट्रपति पद के लिए आसिफ जरदारी के सामने इमरान ने उतारा उम्मीदवार

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए महमूद खान अचकजई को मैदान में उतारा है। 75 वर्षीय अचकजई पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता आसिफ अली जरदारी के सामने खड़े होंगे। इमरान खान ने सभी से महमूद खान को जिताने की अपील की है। पाकिस्तान में नौ मार्च को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति का चुनाव नेशनल असेंबली, सीनेट और चार प्रांतों की असेंबली के सदस्यों की ओर से किया जाता है।

इस बीच प्रधानमंत्री का चुनाव रविवार को होगा। इसमें शहबाज शरीफ का प्रधानमंत्री बनना तय है। उन्हें पीपीपी और पीएमएल-एन गठबंधन का समर्थन प्राप्त है। इसके लिए रविवार को मतदान होगा। उनके सामने पीटीआइ समर्थित उमर अयूब खान खड़े हैं। जीत हासिल करने वाले को सोमवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

वहीं, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सरफराज बुगती को शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत के नए मुख्यमंत्री के रूप में निर्विरोध चुन लिया गया है।

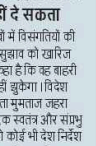

- नौ मार्च को राष्ट्रपति पद के लिए होना है चुनाव, प्रधानमंत्री पद के लिए आज मतदान

महमूद खान अचकजई

पाकिस्तान ने कहा, अमेरिका हमें निर्देश नहीं दे सकता

पाकिस्तान ने चुनावों में विसंगतियों की जांच के अमेरिकी सुझाव को खारिज कर दिया है और कहा है कि वह बाहरी आदेशों के आगे नहीं झुकेगा। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र पाकिस्तान को कोई भी देश निर्देश नहीं दे सकता। बलूच ने कहा कि हम पाकिस्तान के आंतरिक मामलों के बारे में निर्णय लेने के अपने संप्रभु अधिकार में विश्वास करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि अनियमितताओं की जांच होनी चाहिए। हम यह भी देखना चाहते हैं कि यह जांच जल्द पूरा हो जाए।

आइएमएफ ने पाक को दी कर बढ़ाने की सलाह

इस्लामाबाद, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए कर बढ़ाने समेत कई कदम उठाने की सलाह दी है। आइएमएफ ने पेंशनधारकों को निजी नियोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले अंशदान पर कर छूट समाप्त करने को भी कहा है।

आइएमएफ का अनुमान है, व्यक्तिगत आयकर पर अनुसंशा को लागू किया गया तो उससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.5% अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। यह वार्षिक आधार पर 500 अरब रुपये (पाकिस्तानी) के बराबर है। न्यूज इंटरनेशनल ने समाचार में कहा, संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) द्वारा आइएमएफ की अनुसंशाएं स्वीकार किए जाने की स्थिति में वेतनभोगी और गैर वेतनभोगी दोनों पर कर का बोझ दोगुना हो जाएगा। मध्यम व उच्च मध्यम-आय वर्ग पर इसका प्रभाव पड़ेगा। एफबीआर ने वर्तमान वित्त वर्ष में पहले आठ महीने (जुलाई-फरवरी) के दौरान वेतनभोगियों से 215 अरब रुपये एकत्र किए हैं।

इमरान के पत्र से हुआ विवाद

इमरान खान के आइएमएफ को लिखे पत्र में बेलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने से पहले चुनाव में धांधली को लेकर आडिट की अपील पर विवाद खड़ा हो गया है। पीएमएल-एन की सीनेटर सादिया अब्बासी ने कहा, वैश्विक ऋणदाता को आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए आमंत्रित करना गलत है। आइएमएफ न तो जांच एजेंसी है और न ही पाकिस्तान की संप्रभुता से जुड़े मामलों में उसकी कोई भूमिका है। इन मुद्दों को घरेलू स्तर पर ही हल किया जाना चाहिए। वहीं पीटीआइ समर्थित सीनेटर हुमायूं मोहमंद ने कहा, यह आइएमएफ था जिसने जून 2023 में खान के साथ बैठक की मांग की थी। आइएमएफ बोर्ड आफ गवर्नर्स ने घोषणा की थी कि वह इमरान की गारंटी के बाद ही बेलआउट पैकेज की पेशकश करेगा। इस बीच इमरान की पार्टी पीटीआइ का कहना है कि शनिवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद भी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

दो ईसाइयों को ईश निंदा मामले में बरी किया गया

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के एक आतंकवाद विरोधी कोर्ट (एटीसी) ने पंजाब प्रांत में ईश निंदा मामले में दो ईसाई भाइयों को बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि स्थानीय मुस्लिमों ने निजी शत्रुता के कारण दोनों के विरुद्ध मामला रचा था। पाकिस्तान में ईश निंदा के लिए मृत्युदंड का प्रविधान है।

कुरान की बेअदबी के आरोप में 16 अगस्त, 2023 को लाहौर से 130 किमी दूर जरांवाला शहर में हजारों मुस्लिमों की हिंसक भीड़ ने 24 चर्चों और ईसाइयों के 86 घरों को जला दिया था। चर्चों और ईसाइयों के घरों पर हमला करने वाले 1000 से ज्यादा लोग वर्तमान में सुनवाई का सामना कर रहे हैं। हिंसक भीड़ की अगुआई कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने की थी। जरांवाला में घटना के बाद सैकड़ों ईसाई अपने घरों से भागने पर बाध्य हुए थे। पुलिस ने ईसाई भाइयों उमर सलीम उर्फ राकी और उमैर सलीम उर्फ राजा को गिरफ्तार किया था।

ग्रैमी अवार्ड विजेता ईरानी गायक को तीन वर्ष जेल

दुबई, एपी : अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन के हाथों ग्रैमी अवार्ड से सम्मानित ईरानी गायक को तीन वर्ष जेल की सजा सुनाई गई है। ईरानी गायक को यह सजा माहसा अमीनी की मौत के बाद 2022 में भड़के प्रदर्शन के समर्थन में गीत गाने के लिए दी गई है।

ईरानी गायक शेर्विन हाजिपौर। इंस्टाग्राम से

शेर्विन हाजिपौर ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट में कहा, जिस दिन ईरान में संसदीय चुनाव हुए, उसी दिन उनके विरुद्ध फैसला सामने आया। तंत्र के विरुद्ध दुष्प्रचार और लोगों को प्रदर्शन के लिए भड़काने के आरोप में उन्हें तीन वर्ष आठ महीने की सजा सुनाई गई है। अदालत ने सजा सुनाई, क्योंकि उसने पाया कि आरोपित ने गीत के लिए उचित प्रकार से क्षमा याचना नहीं की। अदालत ने गायक की यात्रा पर दो वर्ष का प्रतिबंध लगाया है और उन्हें अमेरिकी अपराध के बारे में गीत तैयार करने और अपराधों के बारे में आनलाइन पोस्ट करने को कहा है।

इस्लामी अतिवादी व धुर दक्षिण पंथी समूह चरमपंथ का जहर फैला रहे

- बढ़ते हिंसक प्रदर्शनों से यहूदी बच्चे स्कूली ड्रेस पहनने से डर रहे
- विरोध प्रदर्शन का अधिकार पर हिंसा का आह्वान करना गलत : सुनक

लंदन, एएनआइ : ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश में अतिवाद के बढ़ते मामलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और चेतावनी दी है कि लोगों को शांतिपूर्वक मार्च और विरोध करने का अधिकार है, लेकिन वे हिंसा और उग्रवाद का आह्वान नहीं कर सकते।

सुनक ने कहा कि हाल के महीनों में चरमपंथियों की ओर से व्यवधान और आपराधिक घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जो विरोध प्रदर्शन के रूप में शुरू हुआ, वह अब धमकियों और हिंसा में बदल गया है।

अब हमारा लोकतंत्र ही निशाने पर : सुनक ने कहा कि यहूदी बच्चे स्कूल ड्रेस पहनने से डरते हैं कि कहीं उनकी पहचान उजागर न हो। एक आतंकवादी समूह हमास के कार्यों के लिए मुस्लिम महिलाओं के साथ सड़क पर दुर्व्यवहार किया जाता है। अब हमारा लोकतंत्र ही निशाने पर है। उन्होंने स्वीकार किया कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों से अप्रवासी यहां आए हैं। आप मेरी तरह एक हिंदू और गौरवान्वित ब्रितानी हो सकते हैं। एक धर्मनिष्ठ मुस्लिम और देशभक्त नागरिक हो सकते हैं या एक प्रतिबद्ध यहूदी हो सकते हैं। लेकिन दुनिया के सबसे सफल बहु-जातीय, बहु-आस्था वाले लोकतंत्र के निर्माण में हमारी महान उपलब्धि को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। सुनक ने कहा कि हमास द्वारा इजरायल पर हमले के बाद से कई समूह विभाजनकारी, घृणित वैचारिक एजेंडे को बढ़ाने के लिए युद्ध का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

कई अवसरों पर ऐसे लोग विरोध प्रदर्शन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस्लामिक चरमपंथी और धुर दक्षिणपंथी समूह एक जहर फैला रहे हैं, वह चरमपंथ है। लोगों को मार्च करने और विरोध जताने का अधिकार है, लेकिन वे हिंसक जिहाद का आह्वान नहीं कर सकते। सुनक ने कहा, सरकार ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटेगी।

लंदन में पीएम हाउस 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर पत्रकारों को संबोधित करते ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक। एपी

ढाका शापिंग माल अग्निकांड में तीन गिरफ्तार

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश पुलिस ने शापिंग माल में लगी भीषण आग मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक रेस्तरां के मालिक भी शामिल हैं। इस हादसे में 46 लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आग की घटना को लेकर दुख व्यक्त किया है और पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री शेख हसीना को संबोधित पत्र में मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। पीएम मोदी ने कहा है कि दुख की इस घड़ी में भारत बांग्लादेश के साथ खड़ा है और उनकी प्रार्थनाएं बांग्लादेश के मित्रवत लोगों के साथ हैं।

ढाका में शापिंग माल में पहले तल पर रेस्तरां में गुरुवार रात 9:50 बजे आग लग गई थी। आग तेजी से ऊपरी मंजिल पर पहुंच गई। सात मंजिला व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 46 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 घायल हुए थे। घटना में 70 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था। इस घटना में गिरफ्तार तीन लोगों से पूछताछ की जा रही है।

****

अमेरिका में बर्फीला तूफान...

कैलिफोर्निया में शक्तिशाली बर्फीले तूफान के कारण सिएरा नेवादा के पर्वतीय इलाकों में बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है, यह तस्वीर ट्राकी क्षेत्र की है, जहां रेल लाइनों पर बर्फ जमा होने से रेल यातायात बाधित हो गया है। कुछ ऊंचाई वाले इलाकों में 12 फीट तक बर्फबारी हुई है और 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। मौसम विभाग ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील जारी की है। एएफपी

> इंग्लैंड के प्रशंसक काफी आभारी होंगे कि विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि वो काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। आप अपने आपको टेस्ट करना चाहते हैं। कोहली को गेंदबाजी करने में हमेशा ही मुझे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।
> - जेम्स एंडरसन, तेज गेंदबाज, इंग्लैंड

मुझे लगता है कि धौनी और श्रीनिवासन एक ही व्यक्ति हैं : अश्विन

100वें टेस्ट पर विशेष

भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन धर्मशाला में 100वां टेस्ट खेल सकते हैं। उनका मानना है कि सभी क्रिकेटरों को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में खेलने के निर्णय का सम्मान करना चाहिए। सुनंदन लेले ने रविचंद्रन अश्विन से विशेष बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश:

● एक ओवर में छह गेंद होती है तो वो छह लोग कौन हैं जिनका आपके जीवन में प्रभाव रहा है?

- मेरे पापा, मां, पत्नी, डब्ल्यूवी रमन जिन्हें मैं बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। जब मैंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना शुरू किया उस वक्त जब रमन सर बात करते थे तो लगता था कि बहुत कठोर हैं क्योंकि वह दबाव डालते थे। मैं आज जो कुछ भी कर रहा हूं उनकी वजह से ही कर रहा हूं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा करो वैसा करो। उन्होंने मुझे मेरी गलतियां समझाईं। उन्होंने मुझे हमेशा गाइड किया और कहा कि मुझे भरोसा है कि आप भारत के लिए खेलोगे। वह हमेशा ऐसे ही ईमानदारी से बात करते हैं। हाल ही में जब चेन्नई में हम खेले थे तब भी मैंने उनसे सलाह ली थी। रमन के अलावा मैं सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरे दिल में हमेशा उनके लिए विशेष स्थान रहेगा क्योंकि वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में मेरे पहले कप्तान थे। मेरे बचपन के कोच हैं चंद्र शेखर राव वो आंध्र प्रदेश के हैं उनका भी काफी योगदान रहा। एक और कोच थे सीके विजय कुमार जिनके कारण मैंने आफ स्पिन करना शुरू किया। मैं बल्लेबाज के तौर पर खेलता था लेकिन उन्होंने मुझे कहा कि आफ स्पिन पर गंभीरता से कार्य करें और एक दिन तुम आफ स्पिनर के तौर पर भारत के लिए खेलोगे। मुझे आश्चर्य लगा, लेकिन उन्होंने मुझे कहा था कि लिखकर देता हूं कि आप भारत के लिए स्पिनर के तौर पर ही खेलोगे। भारतीय टीम की बात करूं तो मैं महेंद्र सिंह धौनी को धन्यवाद दूंगा। आइपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलते हुए कोलकाता नाइटराइडर्स के विरुद्ध मैच था। उस मैच ने मेरी जिंदगी बदली। यह मैच 2010 का है। धौनी ने मेरा साथ दिया और मैं एन श्रीनिवासन का भी आभारी हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया। जब मुझे सीएसके में एकादश में जगह नहीं मिलती थी तो वह बोलते थे कि इसको खिलाओ। मुझे लगता है कि धौनी और श्रीनिवासन एक ही व्यक्ति हैं और दोनों काफी करीब भी हैं।

● वर्ष 2010-11 आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रहा। हरभजन के होने के बावजूद विश्व कप टीम में आपको जगह मिली। इसे लेकर क्या कहेंगे?

-2009 से 2011 के बीच इतना कुछ मिला कि मुझे पीछे मुड़कर देखने का समय भी नहीं मिला। 2009 में मैं आइपीएल के लिए काफी कोशिश रहा था और 2010 में बेहतर किया। चैंपियंस ट्राफी में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहा। 2009 से 2010 तक टीम में था, लेकिन अवसर नहीं मिले। चैलेंजर ट्राफी के दौरान युवराज सिंह की कप्तानी में खेला। उन्होंने भी मेरा समर्थन किया और वह हमेशा मेरी तारीफ करते थे। वहां मैंने एक मैच में पांच विकेट लिए जिससे मेरा चयन टेस्ट टीम के लिए हुआ। विश्व कप में वेस्टइंडीज के विरुद्ध मौका दिया और फिर सीधे क्वार्टर फाइनल में नई गेंद से अवसर दिया गया। धौनी ने मुझसे कहा कि इसी के लिए आपको टीम में लाया गया था और अब फाइनल तक आप ही लेकर जाओगे। मुझे दबाव अच्छा लगता है। पाकिस्तान के विरुद्ध सेमीफाइनल मैच से पहले भी धौनी ने मेरे साथ चर्चा की थी। ओस के बारे में पूछा था और उस वक्त मुझे लगा कि धौनी ने मेरे ऊपर भरोसा किया है तो मुझे कुछ करके देना है। पहले विश्व कप में ही विजेता बनना सबके भाग्य में नहीं होता। सचिन पाजी छठी बार में ऐसा कर सके। इस बार 2023 विश्व कप में जो अहसास था वो 2011 की तरह ही था। हम भी अच्छा खेल रहे थे। 2011 में दक्षिण अफ्रीका से हारे थे, जबकि इंग्लैंड के विरुद्ध मैच ड्रा रहा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

● जीवनसाथी का प्रभाव से ज्यादा खिलाड़ी के लिए साथ कैसा होता है?

-मेरी पत्नी भी काफी संतुलित हैं। जबसे हमारी शादी हुई है वो कभी गुस्सा नहीं हुई। मैंने उसे कभी निराश नहीं देखा। मेरा भी ऐसा ही है। खेलने के दौरान मैं कभी गुस्सा नहीं होता क्योंकि मैं इस खेल से प्यार करता हूं और जब क्रिकेट खेल रहा होता हूं तो मन हमेशा प्रसन्न रहता है।

रविचंद्रन अश्विन ● फाइल फोटो, प्रेट्र

रविचंद्रन बोले, सभी को बीसीसीआइ के निर्णय का सम्मान करना चाहिए

● बीसीसीआइ ने प्रथम श्रेणी खेलना अनिवार्य किया है। इस निर्णय को कैसे देखते हैं?

-सभी खिलाड़ियों के अपने अधिकार हैं और इस पर टिप्पणी करने से पहले देखना चाहिए कि बीसीसीआइ ने खिलाड़ियों से क्या कहा है, लेकिन अगर आप क्रिकेट नहीं खेलोगे तो खेल कैसे आगे बढ़ेगा। मैं यह नहीं कह रहा कि आप प्रथम श्रेणी खेलो, आप क्लब क्रिकेट खेलो। आजकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतना हो रहा है कि आपको अपने में सुधार लाने का अवसर नहीं मिल रहा है और घरेलू क्रिकेट खेलकर आप ऐसा कर सकते हो। आइपीएल एक अच्छा प्लेटफार्म है, लेकिन प्रथम श्रेणी आपके उतार-चढ़ाव में मदद करता है और इससे सीख मिलती है। इसमें ज्यादा भीड़ नहीं होती इसलिए कोई भी खिलाड़ी आराम से बिना किसी दबाव के खेल सकता है। घरेलू क्रिकेट में आप अपने क्रिकेट संघ के लिए खेलते हैं और आप जो भी हो वो अपने संघ के कारण ही हो। यह खेल ऐसा है कि ये आगे बढ़ता जाएगा। अब बैजबाल हो रहा है, आस्ट्रेलिया ने भी खेल में बदलाव किया है तो हमें भी कुछ करना होगा। यह स्टाक मार्केट की तरह ही है जिसमें आप अच्छा स्टाक लेकर खेलोगे तो आपको डिविडेंड मिलेगा ही। बीसीसीआइ ने कुछ निर्देश दिए हैं तो मुझे लगता है सभी को उस निर्णय का सम्मान करना चाहिए।

● आपके करियर के यादगार पल कौन से रहे हैं?

-सीएसके और केकेआर के बीच मैच में जब क्रिस गेल मेरी गेंद नहीं खेल सके वो करियर का पहला यादगार पल रहा। वो पल मैं कभी नहीं भूलूंगा। 2019-20 का सिडनी टेस्ट भी मेरे लिए यादगार रहा था। बेंगलुरु में 2016-17 में टेस्ट मैच जीतना भी खास रहा। इंग्लैंड के विरुद्ध चेन्नई टेस्ट में शतक जड़ना काफी विशेष था क्योंकि मैं अपने घरेलू मैदान पर खेल रहा था।

● अपने अब तक के सफर के बारे में क्या कहेंगे?

-एक बार मैं क्लब क्रिकेट का मैच खेल रहा था, यह उस समय की बात है जब मेरे नाम 350 विकेट हो चुके थे। वहां मेरे बारे में ऐसी बात चल रही थी कि मैं बहुत ऊंचा उठने के बारे में सोच रहा था इसलिए सभी ने नीचे करवा दिया। यह मेरे लिए काफी पीड़ादायक था, लेकिन थोड़ी देर बाद जिसने ऐसा कहा वो मेरे पास आया और मेरी तारीफ करने लगा। मैं हमेशा से जानता था कि लोग आपके सामने और पीछे अलग तरह का रवैया रखते हैं, लेकिन उस दिन मैंने यह सामने से देखा। मैंने उससे कहा कि तुमने जो भी मेरे बारे में कहा मैंने सुना और मैं कहना चाहता हूं कि हां मैं उड़ने लगा हूं क्योंकि मुझे उस ऊंचाइयों तक जाना है। मैं उधर तक जाऊंगा और गिर जाऊंगा, लेकिन मुझे पता चलेगा कि मैं वहां जाने लायक हूं या नहीं। वो भी एक आम क्रिकेटर ही था और मैंने उससे कहा कि कम से कम तुम कोशिश तो करो कि वहां तक जा भी सकते हो या नहीं। 2008 और 2024 के अश्विन में यही अंतर है कि अब मैं यह नहीं पूछता कि क्या गलत है। मैं किसी को स्पष्टीकरण क्यों दूं। मैं मानता हूं कि जीवन रेस नहीं है, लेकिन अगर आप उसमें भाग रहे हो तो अच्छे से भागो।

● विफलता से सीखकर आगे बढ़ सकते हैं, क्योंकि कई लोग सफलता पचा नहीं पाते?

-विराट कोहली लंबे समय से भारत के सफल खिलाड़ी हैं और उन्हें सफलता पसंद है। उसने अपनी सफलता का पूरा फायदा उठाया, लेकिन अपनी क्षमता पर काम भी किया। जब तक ऐसा रवैया रहता है तब तक सही रहता है।

एक नजर में

मिनौर-रूड फाइनल में

अकापुल्को: गत चैंपियन एलेक्स डि मिनौर ने अपने खिताब के बचाव की ओर कदम बढ़ाते हुए मेक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना कैस्पर रूड से होगा। आस्ट्रेलिया के डि मिनौर ने इंग्लैंड के जैक ड्रैपर के विरुद्ध पहला सेट जीत लिया था और तीसरे में 4-0 से आगे चल रहे थे तब ड्रैपर ने अस्वस्थ होने के कारण मुकाबला बीच में छोड़ने का निर्णय लिया। (एपी)

डबल्स चैंपियन बनीं अंकिता

गुरुग्राम : भारत की शीर्ष महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना आइटीएफ महिला ओपन में शनिवार को यहां कजाखस्तान की जोड़ीदार झिबेक कुलंबायेवम के साथ डबल्स खिताब जीतने में सफल रहीं, परंतु सिंगल्स स्पर्धा के सेमीफाइनल में गैर वरीय येओनवू कू से सीधे सेटों में हार गईं। अंकिता को सिंगल्स के अंतिम चार मुकाबले में कोरिया की खिलाड़ी ने 7-6, 6-3 से हराया। (प्रेट्र)

पेगुला सेमीफाइनल में

सैन डिएगो : शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में अन्ना ब्लिंकोवा को 6-1, 2-6, 6-2 से हराकर सैन डिएगो ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेगुला का सामना अब मार्ता कोस्त्युक से होगा, जिन्होंने अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। (एपी)

मेसी नहीं खेलेंगे यूएस ओपन

शिकागो : अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी अमेरिका के महत्वपूर्ण फुटबाल टूर्नामेंट यूएस ओपन में भाग नहीं लेंगे। मेसी की अमेरिकी टीम इंटर मियामी ने इस बार यूएस ओपन कप में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया। मेजर लीग साकर की 26 टीमों में से केवल आठ टीम ही इस प्रतियोगिता में भाग लेंगी। (एपी)

क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा रांची टेस्ट

सुनील गावस्कर

कलम से

हमारे लिए यह टेस्ट मैच सीरीज अब तक अद्भुत रही है। यह अविश्वसनीय बल्लेबाजी और गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ-साथ रोचक क्रिकेट रहा है। इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने भारत प्राचीन टेस्ट मैच शैली बल्लेबाजी, जिससे उन्हें रांची में पहली पारी में बढ़त को कम करके केवल 46 रन तक लाने में मदद मिली, जबकि यह बढ़त 100 रन से भी अधिक रह सकती थी। फिर दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज शुभमन और ध्रुव का दृढ़ संकल्प, जिससे भारत को 3-1 की अजेय बढ़त मिली। यदि भारत की प्रतिभा के बारे में किसी प्रमाण की आवश्यकता थी, तो रांची टेस्ट मैच ने इसे सबसे सशक्त रूप से दिखाया। यह टीम वैसी ही थी जिसने 2021 में ब्रिस्बेन में चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में मैदान संभाला था। इसमें कोई बड़ा नाम नहीं था। केवल था यह दिखाने का दृढ़ संकल्प कि वे दायित्व ले सकते हैं और उन्हें दिए गए कोई भी दायित्व को उठा सकते हैं। उन कप्तानों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए जिन्होंने अनुभवहीन खिलाड़ियों को शानदार ढंग से संभाला, उन्हें प्रोत्साहन और विश्वास दिया कि वे बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उनके स्थान को भरने के लिए पर्याप्त थे। उन्होंने दिखाया कि उन्होंने बड़े लोगों से भी सीखा है क्योंकि उन्होंने अपेक्षाओं से बढ़कर प्रदर्शन किया और ऐसी जीत दर्ज की जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इससे यह भी पता चला कि कप्तानी से कितना फर्क पड़ता है। सीरीज में केवल एक टेस्ट बचा है और वह भी भारतीय से अधिक अंग्रेजी मौसम की स्थिति में, ऐसे में मेहमानों को घर जैसा महसूस होना चाहिए। गेंद को हवा में अधिक स्विंग करना चाहिए लेकिन क्या यह पिच से सीम भी लेगी यह देखना शेष है।

राजकोट में तीसरे टेस्ट की पहली पारी में केवल 15 ओवर और फिर दूसरी पारी में आठ ओवर गेंदबाजी करने के बावजूद, संभवतः ट्रेनर की सिफारिश पर बुमराह को रांची के लिए आराम दिया गया था। मत भूलिए कि दूसरे टेस्ट और तीसरे टेस्ट मैच के बीच नौ दिन का ब्रेक था और फिर पूरे खेल में 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल भी थका देने वाला नहीं है, तो फिर बुमराह को आराम क्यों दिया गया? चौथे टेस्ट के बाद अंतिम टेस्ट मैच से पहले आठ दिन का ब्रेक और मिलने वाला था। अत्यधिक फिट एथलीटों को ठीक होने और देश के लिए खेलने के लिए तैयार होने के लिए यह पर्याप्त समय है। चौथा टेस्ट मैच भी बहुत महत्वपूर्ण था, अगर इंग्लैंड ने उसे जीत लिया होता, तो अंतिम टेस्ट निर्णायक होता। युवा आकाश दीप ने बुमराह की अनुपस्थिति की भरपाई करने के लिए शानदार गेंदबाजी की, और एक बार फिर दिखाया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दिग्गज नहीं खेलेंगे तो युवा उनकी जगह ले लेंगे।

ब्रिस्बेन और रांची दोनों एक टेस्ट सीरीज के चौथे मैच हैं, जिन्हें भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने चाहिए क्योंकि यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे देश के प्रति प्यार किसी भी चुनौती को पार कर सकता है।

मप्र ने विदर्भ को सस्ते में समेटा, आवेश चमके

रणजी ट्राफी

नागपुर, प्रेट्र : आवेश खान की अगुआई वाली गेंदबाजी इकाई के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मध्य प्रदेश ने शनिवार को यहां रणजी ट्राफी सेमीफाइनल मैच के पहले दिन विदर्भ को पहली पारी में महज 170 रन पर समेट दिया।

मध्य प्रदेश के लिए आवेश ने 49 रन देकर चार विकेट झटके जबकि कुलवंत खेजरोलिया ने 38 रन देकर और वेंकटेश अय्यर ने 28 रन देकर दो-दो विकेट लेकर उनका बखूबी साथ निभाया। मध्य प्रदेश ने स्टंप तक पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 47 रन बना लिए थे जिससे वह अभी 123 रन से पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय हिमांशु मंत्री 26 और हर्ष गावली 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। वीसीए स्टेडियम की पिच इतनी हरियाली लिए हुए थी कि मध्य प्रदेश ने दिन में कुल 56.4 ओवर में से स्पिनरों से केवल 2.4 ओवर ही डलवाए। बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने विदर्भ के अंतिम बल्लेबाज उमेश यादव का विकेट झटका। वहीं अन्य स्पिनर जैसे सारांश जैन दर्शक बने रहे। विदर्भ के लिए बल्लेबाजी में सिर्फ करुण नायर ही क्रीज पर टिककर खेल सके जिन्होंने 105 गेंद में नौ चौके से 63 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

आवेश खान ● प्रेट्र

तुषार और शार्दुल के आगे नहीं टिक सके तमिलनाडु के बल्लेबाज: तुषार देशपांडे (तीन विकेट) और शार्दुल ठाकुर (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने तमिलनाडु की टीम रणजी ट्राफी के दूसरे सेमीफाइनल के पहले दिन मुंबई के विरुद्ध अपनी पहली पारी में महज 146 रन पर आउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई ने दो विकेट पर 45 रन बना लिए। मुंबई पहली पारी में अभी तमिलनाडु से 101 रन पीछे है। स्टंप के समय मुशीर खान 24 और मोहित अवस्थी एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

आरसीबी की लगातार दूसरी हार फिर शीर्ष पर पहुंचे गत चैंपियन

नई दिल्ली, जेएनएन : गत चैंपियन मुंबई इंडियंस शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आरसीबी के विरुद्ध सात विकेट से जीत प्राप्त कर फिर शीर्ष पर पहुंच गए। पिछले मैच में यूपी वारियर्स से मिली हार से वापसी करते हुए टीम ने 29 गेंद शेष रहते ही मैच अपने नाम कर लिया। आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एलिसे पैरी के अविजित 44 रन के दम पर छह विकेट पर केवल 131 रन ही बनाए थे। जवाब में मुंबई इंडियंस ने अमेलिया केर के तेजतर्रार 40* रन और कप्तान ब्रंट के आलराउंड प्रदर्शन के दम पर 15.1 ओवर में ही तीन विकेट पर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

ब्रंट का हरफनमौला प्रदर्शन : कप्तान हरमनप्रीत के बिना उतरी मुंबई इंडियंस की टीम ने एक बार फिर दमदार प्रदर्शन करते हुए मैच को पूरी तरह से एकतरफा कर दिया। ब्रंट ने गेंदबाजी में पहले दो विकेट झटके, फिर 25 गेंदों में 27 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

डिवाइन फिर चूकीं : डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर (99) और टीम की ओर से सर्वाधिक 266 रन बनाने वाली आरसीबी की प्रारंभिक बल्लेबाज सोफी डिवाइन इस सत्र में अब तक कोई विशेष प्रदर्शन नहीं कर सकी हैं। अब तक हुए चार मैचों में वह केवल 39 रन ही बना सकी हैं।

भगवान बने मालिक तब हो पाया टूर्नामेंट

अंकुर त्रिपाठी ● ग्रेटर नोएडा

शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में खेले जा रहे इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग को सफलतापूर्वक कराने के लिए आयोजकों ने अनोखा कदम उठाया, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। लीग के लिए जारी होने वाले एक्रेडिटेशन कार्ड पहले भगवान के नाम पर बनाए गए। भगवान श्री सांवला सहा, भगवान श्री किशोरी जी और भगवान केशव जी को लीग का मालिक बना उनके एक्रेडिटेशन कार्ड 100 स्पोर्ट्स की ओर से जारी किए गए। आयोजकों को डर सता रहा था कि कहीं लीग को कैंसिल न करना पड़ जाए। वह खिलाड़ियों के साथ पहले से करार कर चुके थे।

बोर्ड आफ वेटरन क्रिकेट इन इंडिया (बीवीसीआइ) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने बताया था कि आइवीपीएल का आयोजन देहरादून के राजीव गांधी स्टेडियम में होना था। इसके लिए पूरी तैयारी भी कर ली गई थी, लेकिन स्टेडियम से जुड़ी कंपनी और सरकार के बीच विवाद के कारण आयोजन को टलना पड़ा था। ऐन मौके पर ग्रेटर नोएडा के स्टेडियम विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स को चुना गया था। यहां लीग में कोई परेशानी न आए इसलिए भगवान का सहारा लिया गया। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार चार दिनों तक वर्षा के अनुमान के कारण शुक्रवार को आयोजक डर गए थे, लेकिन आयोजकों की भगवान के प्रति आस्था के कारण लीग के दोनों सेमीफाइनल मैच भी हो गए।

भगवान के एक्रेडिटेशन कार्ड ● आयोजक

मुंबई और उप्र के बीच फाइनल

जासं, ग्रेटर नोएडा : इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आइवीपीएल) के फाइनल मुकाबले में रविवार को मुंबई चैंपियंस और वीवीआइपी उत्तर प्रदेश से खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। सेमीफाइनल मुकाबले में मुंबई ने रेड कार्पेट दिल्ली और उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ वारियर्स को हराया।

फिलिप्स के पांच विकेट के बावजूद मुश्किल में न्यूजीलैंड

क्रिकेट डायरी

वेलिंगटन, एपी : कामचलाऊ आफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स ने पांच विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 164 रन पर आउट किया। कंगारू टीम ने कीवियों के सामने जीत के लिए 369 रनों का लक्ष्य रखा, लेकिन न्यूजीलैंड की दूसरी पारी लड़खड़ा गई और उसने दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 111 रन बनाए हैं। अभी उसे और 258 रनों की जरूरत है। स्टंप के समय रचिन रवींद्र 56 और डेरिल मिशेल 12 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

आस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 13 रन से की लेकिन चार घंटे से भी कम समय में उसने अपने बाकी बचे विकेट गंवा दिए। फिलिप्स ने करियर में पहली बार पांच विकेट लिए।

ग्लेन फिलिप्स ● एएफपी

सीएसके का अभ्यास शुरू: आइपीएल के आगामी सत्र की तैयारियों के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का शनिवार को यहां तेज गेंदबाज दीपक चाहर की मौजूदगी में शिविर शुरू हुआ। चाहर अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहेंगे।

राष्ट्रीय फलक

महाशिवरात्रि में स्पीड पोस्ट से पाएं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का प्रसाद

जागरण संवाददाता, वाराणसी

देश के किसी भी भाग में मात्र 251 रुपये में घर बैठे उठाएं लाभ

अब आप घर बैठे डाक विभाग के माध्यम से स्पीड पोस्ट द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं। डाक विभाग और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के बीच हुए समझौते के तहत नए स्वरूप में प्रसाद देशभर में स्पीड पोस्ट से उपलब्ध कराया जा रहा है।

वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि अपने नजदीकी डाकघर से मात्र 251 रुपये का ई-मनीआर्डर प्रवर अधीक्षक डाकघर, वाराणसी (पूर्वी) मंडल-221001 के नाम भेजना होता है। ई-मनीआर्डर प्राप्त होते ही डाक विभाग द्वारा तत्काल दिए गए पते पर स्पीड पोस्ट द्वारा प्रसाद भेज दिया जाता है। डिब्बा बंद प्रसाद टैंपर प्रूफ इनवेलप में होता है। इससे किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। इसके अलावा इसे मात्र 201 रुपये में वाराणसी सिटी डाकघर के काउंटर से भी प्राप्त किया जा सकता है। वरिष्ठ डाक अधीक्षक राम निवास ने बताया कि भक्तों को मोबाइल नंबर पर स्पीड पोस्ट का विवरण एसएमएस के माध्यम से मिलेगा। इसके लिए भक्तों को ई-मनीआर्डर में अपना पूरा पता, पिन कोड और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा।

कृष्ण यादव, पोस्टमास्टर जनरल कैंटोमेंट। जागरण

प्रसाद में शामिल वस्तुएं : प्रसाद में श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की तस्वीर, महामृत्युंजय यंत्र, श्री शिव चालीसा, 108 दाने की रुद्राक्ष की माला, बेलपत्र, माता अन्नपूर्णा से भिक्षाटन करते भोले बाबा की छवि अंकित सिक्का, भभूति, रक्षा सूत्र, रुद्राक्ष मनका, मेवा, मिश्री का पैकेट इत्यादि शामिल हैं। सूखा होने के कारण यह प्रसाद लंबे समय तक उपयोग में बना रहता है।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने खारिज की पुलिस की फाइनल रिपोर्ट

नईदुनिया, ग्वालियर : एमपी-एमएलए कोर्ट ने मप्र के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के खिलाफ दर्ज एफआइआर पर पुलिस द्वारा लगाई गई खात्मा रिपोर्ट (फाइनल) को खारिज कर दिया है। उनके विरुद्ध पड़ाव थाने में साल 2020 में विधानसभा उपचुनाव के दौरान कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर सभाएं करने का आरोप है, इसी को लेकर थाना पुलिस ने ये रिपोर्ट पेश की थी।

अधिवक्ता आशीष प्रताप सिंह ने सुनवाई के दौरान न्यायालय को पूरा मामला विस्तार में बताया, जिसमें कोविड के दौरान उपचुनाव की तैयारियों के नाम पर नेताओं द्वारा लगाए जा रहे जमावड़े का जिक्र किया और साक्ष्य भी पेश किए। कोर्ट के आदेश के बाद तोमर के खिलाफ मामला चलता रहेगा। दरअसल, अक्टूबर 2020 में ग्वालियर-चंबल संभाग में विधानसभा उपचुनाव कराए गए थे। तब कोविड संक्रमण तेजी से फैल रहा था। इस दौरान राजनेता हजारों की भीड़ इकट्ठा कर रैलियां कर रहे थे। इससे भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया था। आशीष सिंह ने हाई कोर्ट में इस पर जनहित याचिका दायर की।

झलक दिखला जा-11 की विजेता बनी मनीषा रानी, अब बालीवुड है सपना

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

जब इरादे मजबूत हों और लोगों का प्यार मिले तो अपनी मंजिल पाने से कोई नहीं रोक सकता है। मुंगेर (बिहार) की मनीषा रानी ने टीवी जगत के स्थापित नामों के बीच शनिवार रात डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 11 जीतकर उक्त कथन को सिद्ध कर दिया। शो के बीच में मनीषा की एंट्री वाइल्ड कार्ड के माध्यम से हुई थी। फाइनल में उनके साथ धनश्री वर्मा, शोएब इब्राहिम, अद्रिजा सिन्हा और श्रीराम चंद्र पहुंचे थे। जिसमें जनता से मिले वोटों के आधार पर मनीषा के साथ शोएब तथा अद्रिजा ने शीर्ष तीन में अपनी जगह बनाई। विजेता घोषित होने के बाद मनीषा को पुरस्कार स्वरूप विजेता ट्राफी के साथ 30 लाख रुपये तथा उनके कोरियोग्राफर आशुतोष पवार को 10 लाख रुपये मिले। इसके साथ ही दोनों को दुबई के यास आइलैंड का ट्रिप भी मिला। इंटरनेट मीडिया पर अपने लघु वीडियो से चर्चित हुई मनीषा को गत वर्ष रियलिटी शो बिग बास ओटीटी सीजन- 2 से खूब लोकप्रियता मिली। इसमें वह तीसरे स्थान पर रही थीं। झलक दिखला जा की विजेता बनने के बाद दैनिक जागरण से बातचीत में मनीषा ने कहा, 'जब मैंने एंट्री ली थी, तो बस सीखने और अपनी छाप छोड़ने का इरादा था। जब जजेज से थोड़ी तारीफ सुनने को मिली तो धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ने लगा कि अब जीत भी सकती हूं। मेरी जीत का श्रेय मेरे कोरियोग्राफर, मेरी मेहनत और मेरे प्रशंसकों को जाता है। शो में मेरे सामने जो लोग थे, उनके बहुत बड़े-बड़े लोग सपोर्टर थे, सभी अच्छे डांसर और कलाकार हैं। हालांकि, मेरे प्रशंसकों ने यह साबित कर दिया कि पैसे से सब कुछ खरीदा जा सकता है, लेकिन प्यार नहीं। लोगों का इतना प्यार किस्मत वाले लोगों को ही मिलता है।'

26 वर्षीय मनीषा कुछ म्यूजिक वीडियो में एक्टिंग भी कर चुकी हैं। आगे की योजनाओं पर वह कहती हैं कि मेरा सपना है कि बालीवुड में जाऊं, वहां फिल्में करूं, फिर भले वह सिर्फ 10 मिनट की भूमिका हो। इसके लिए मैं अपने आप पर काम भी कर रही हूं, एक्टिंग सीखूंगी। हमेशा कोशिश अपना बेस्ट देने की होगी। मैंने आज तक जो भी सपना देखा है, वो पूरा हुआ है, तो मुझे भरोसा है कि मेरा यह भी सपना पूरा होगा।

डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' की विजेता मुंगेर की मनीषा रानी। सौ. टीम सोनी

इंदौर में तैयार हुई बीएसएफ की पहली महिला स्नाइपर

स्नाइपर का प्रशिक्षण लेतीं बीएसएफ की पंजाब यूनिट में उप निरीक्षक के पद पर तैनात सुमन कुमारी। - बीएसएफ के एक्स हैंडल से

नईदुनिया, इंदौर : बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के इंदौर स्थित केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय में प्रशिक्षण के पश्चात बीएसएफ की पहली महिला स्नाइपर तैयार हुई। स्नाइपर कोर्स के समापन के पश्चात बीएसएफ ने अपने एक्स अकाउंट से पहली महिला स्नाइपर की जानकारी साझा की। बीएसएफ की पंजाब यूनिट में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात सुमन कुमारी इंदौर के बीएसएफ परिसर में संचालित आठ सप्ताह के स्नाइपर प्रशिक्षण कोर्स में एकमात्र महिला थीं। इस कोर्स में 57 पुरुष भी शामिल थे।

****

25 बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए आदिवासी गांवों में 'नियद नेल्लानार' योजना शुरू की है छत्तीसगढ़ सरकार ने

हमारे लिए मतांतरण का अर्थ राष्ट्रांतरण है, हम सहन नहीं करेंगे : विष्णुदेव साय

हमारी नीति नक्सल समेत सभी तरह के अपराध और आतंक के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' की है

सप्ताह का साक्षात्कार

उत्तरी छत्तीसगढ़ के वन आच्छादित जशपुर जिला मुख्यालय से 43 किलोमीटर दूर बगिया गांव के पंच पद से 1989 में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले विष्णुदेव साय 35 वर्ष की राजनीतिक यात्रा में अब छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री हैं। वह तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं तो 1999 से 2019 तक लगातार चार बार रायगढ़ क्षेत्र से सांसद भी रहे। प्रदेश अध्यक्ष से लेकर केंद्रीय मंत्री तक का दायित्व निभाने के बाद भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े रहना उन्हें विशिष्ट बनाती है। वह आदिवासियों को हिंदुओं से अलग बताने वालों के समक्ष मतांतरण विरोधी सशक्त चेहरा भी हैं। मतांतरण का अर्थ राष्ट्रांतरण मानते हैं। दिसंबर 2023 में उनका मुख्यमंत्री बनना राजनीतिक गुरु दिलीप सिंह जूदेव का सपना पूरा होने जैसा रहा। 21 फरवरी को ही 60वीं जन्मतिथि मनाने वाले कंवर जनजाति के विष्णु भ्रष्टाचारियों, नक्सलियों और अपराधियों के ठिकानों पर बुलडोजर चलवाते हुए जीरो टालरेंस नीति पर बढ़ चुके हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से दैनिक जागरण की सहयोगी संस्थान नईदुनिया के राज्य ब्यूरो प्रमुख संदीप तिवारी की इन मुद्दों पर हुई बातचीत के अंश –

• छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लिए विजन डाक्यूमेंट तैयार करने की घोषणा के पीछे विजन क्या है ?

– 2047 में जब देश अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा तब हमारा प्रदेश कैसा होगा। इसका एक दीर्घकालिक विजन लेकर हम आ रहे हैं। प्रदेश के हर नागरिक की राज्य के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने वाला यह विजन डाक्यूमेंट राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर 2024 को प्रस्तुत करेंगे।

• कभी सोचा था कि मुख्यमंत्री बनेंगे?

– भाजपा का कोई भी कार्यकर्ता कुछ बनने के सपने लेकर नहीं, बल्कि कुछ करने के सपने लेकर राजनीति में आता है। वह समाज के लिए कुछ कर सके, अपना तन-मन-धन लगा सके, इस उद्देश्य से आता है। मैंने भी पंचायत से अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की। जिस भी दायित्व में रहा, पार्टी ने जब भी जो भूमिका मेरे लिए तय की, उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश की। नई भूमिका को भी मैं इसी तरह देखता हूं।

• आदिवासी समाज के उत्थान के लिए आपका क्या सोच है?

– हमारे प्रेरणास्रोत, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिवासी बहुलता के कारण ही छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया। नए राज्य में हुए पहले चुनाव में भाजपा को जनादेश मिला और लगातार तीन बार भाजपा ने इस प्रदेश की तमाम चुनौतियों को अवसर में बदलने में सफलता हासिल की थी। राज्य की 32 प्रतिशत आबादी आदिवासी है। यहां तक की मेरे सार्वजनिक जीवन की शुरुआत आदिवासियों के उत्थान को लेकर हुई। पंच से लेकर सरपंच और विधायक फिर लोकसभा सदस्य और केंद्र में मंत्री रहते हुए आदिवासियों के कल्याण के लिए जितना संभव हुआ अधिक से अधिक प्रयास किया। कुछ दिन पहले पेश किए गए बजट को यदि आप देखेंगे तो मेरी सरकार ने आदिवासियों के कल्याण के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं।

• सरगुजा-बस्तर की ओर देखो की नीति क्या है ?

– हम सरगुजा-बस्तर की ओर देखो की नीति पर काम कर रहे हैं। गोंड़, ऊरांव, कमार, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, बैगा, कंवर, कोया, धुरवा, हल्बा, अबूझमाड़िया समेत लगभग 50 जनजातियों के बीच राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं की पहुंच बढ़ा रही है। आदिवासी गांवों में 25 बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए 'नियद नेल्लानार' योजना शुरू की है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5500 रुपये संग्रहण शुल्क तय किया है। आदिवासियों के लिए चरणपादुका योजना के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रविधान है, तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुकाएं मुहैया कराई जाएगी।

• विरासत में मिली समस्याओं- चुनौतियों के संबंध में अभी तक क्या जमीनी सच्चाई सामने आ रही है, कैसे निपटेंगे ?

– प्रदेश में विकास की बहुत-सी संभावना हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति और राज्य के तीन करोड़ नागरिकों की भागीदारी से यह पूरा होगा। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने वाले लोग हैं। आज हमारे सामने विश्व के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा सशक्त नेतृत्व है। देश और प्रदेश के विकास में हर कोई भागीदार होना चाहता है। आवश्यकता है उन्हें दिशा और अवसर प्रदान करने की।

• प्रदेश की आर्थिकी सुधार के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे?

– पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को 10 जनपथ का एटीएम बना दिया था। भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। राज्य सरकार का विकास से कोई वास्ता नहीं था, इसलिए देश का अर्थतंत्र रहे छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से चुनौतियों से घिर गई थी, लेकिन हम निवेश के नए क्षेत्रों की पहचान कर रहे हैं। राज्य में खनिज, लौह अयस्क, कोयला से लेकर तमाम संसाधन हैं। सबसे बड़ी बात शांति और सद्भाव हमारे राज्य की पहचान है। जनकल्याण का पैसा यदि जनता के हित में ही खर्च होगा तो कहीं कोई चुनौती नहीं आएगी। आर्थिक सुधार के लिए समय-समय पर जो भी नीतिगत प्रयास जरूरी होंगे किए जाएंगे।

• महतारी वंदन योजना की घोषणा ने विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत दिलाई। क्या इसका मूल उद्देश्य राजनीतिक है ?

– हम चुनावी घोषणाएं नहीं करते, बल्कि गारंटी देते हैं। हमारी तो विचारधारा ही अंत्योदय के मंत्र पर टिकी है। हां, लोकतंत्र में हर दल अपनी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर कार्य करता है। जहां तक भाजपा का प्रश्न है, हमारी सरकार के लिए सुशासन, जनकल्याण सिर्फ चुनावी विषय नहीं हैं। ऐसे में महतारी वंदन योजना महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखेगी। इससे स्वावलंबन की राह खुलेगी। 70 लाख महिलाओं ने महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन किया है। 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष मिलने से वह पोषण, स्वास्थ्य एवं आजीविका जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग कर सकेंगी।

• नक्सलवाद प्रदेश की सबसे बड़ी समस्या बने रहने का क्या कारण है। मिशनरी और नक्सली गठजोड़ की बात भी सामने आ रही है। इसे कैसे तोड़ेंगे ?

– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सल समेत सभी तरह के आतंक के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' की नीति अपनाई जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में आप देखेंगे तो नक्सली वारदातों में बड़ी कमी आई है। हां, कुछ नक्सली अभी भी कायराना हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। नक्सली समस्या से निपटने के लिए भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार लगातार काम कर रही है। कुछ दिन पहले ही हमारे जवानों ने सुकमा के पूवर्ती जैसे दूरस्थ क्षेत्र में स्थायी कैंप लगाकर स्थानीय लोगों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित की है। मैंने गृह मंत्रालय की समीक्षा बैठक में कहा है कि नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखें।

• छत्तीसगढ़ में मतांतरण एक बड़ी समस्या है, आप भी इसके खिलाफ हैं, आगे की क्या रणनीति होगी ?

– आदिवासी समाज के लोग बहुत भोलेभाले होते हैं। कुछ लोग धर्म की चादर ओढ़कर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। वह समाज सेवा के नाम पर लोगों की आस्था और भावनाओं से खिलवाड़ भी करते हैं। ऐसे लोगों को मेरा साफ शब्दों में कहना है वह जितना जल्दी हो ऐसी हरकतों से बाज आएं। सरकार मतांतरण को लेकर जीरो टालरेंस की नीति पर काम करेगी। अब ऐसा करने वाली ताकतें चाहें कितनी भी मजबूत हों उनसे सख्ती से निपटेंगे। हाल ही में कांग्रेस के एक विधायक का वीडियो प्रसारित हुआ है जिसमें आपने देखा होगा कि किस तरह यहां लोगों को गुमराह किया जाता है। हमारे लिए मतांतरण का अर्थ राष्ट्रांतरण है, हम इसे इसी नजरिये से देखते हैं। भय या लोभ से किए गए किसी भी मतांतरण का हम दृढ़ता से मुकाबला करेंगे, इसे सहन नहीं करेंगे।

• मोदी की गारंटी और सुशासन की स्थापना के लिए आपकी प्राथमिकताएं क्या होंगी ?

– हमारी सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट में ही राज्य के 18 लाख गरीब परिवारों को घर देने का फैसला किया। 25 दिसंबर 2023 से ही हमने धान का दो साल का बकाया बोनस देने का निर्णय लिया है, जिसे कांग्रेस ने वादा करने के बावजूद नहीं दिया था। किसानों को धान का बकाया बोनस और 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी समेत महतारी वंदन योजना का वचन पूरा कर दिया है। हम पहले ही कह चुके हैं 'हमने बनाया था अब हम ही संवारेंगे।' पिछले पांच वर्षों में पैदा किए गए 'भरोसे के संकट' को समाप्त कर हम विश्वास एवं विकास का वातावरण निर्मित करेंगे।

• आप अपने शांत स्वभाव के कारण कभी विवाद में नहीं रहे। विपक्ष के विवादास्पद लोगों से कैसे निपटेंगे ?

– भारतीय जनता पार्टी विचारधारा आधारित पार्टी है। मेरे जैसे हर कार्यकर्ता का ध्येय जनकल्याण है। राजनीति हमारे लिए समाजसेवा का माध्यम है। पार्टी जब-जब जो दायित्व देती है, उसका हम पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हैं। राजनीति को जब लोग स्वार्थ साधन का जरिया बना लेते हैं तब वह अनर्गल विषयों में लिप्त होते हैं। ऐसे लोग समाज में बहुत जल्दी बेनकाब हो जाते हैं। जहां तक छत्तीसगढ़ में विपक्ष की बात है तो लोकतंत्र में मर्यादित रहकर मुद्दे उठाने और अपनी बात कहने का अधिकार सभी को है। संविधान के दायरे में रहकर सबको अपनी बात कहने की आजादी है।

• प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के पिछड़ेपन का क्या कारण है ?

आदिवासी वन, खनिज एवं प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाने वाले संसाधनों के संरक्षक हैं। आदिवासी समाज ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है, लेकिन आजादी के बाद की सरकारों की दिशाहीन नीतियों की वजह से यह वर्ग पीछे छूट गया। केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार ने आदिवासी कल्याण को प्राथमिकता दी है। चाहे आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दिल्ली में छात्रावास सुविधा का विस्तार हो या आदिम भाषाओं का अनुवाद।

• आप बेहतर औषधि विशेषज्ञ हैं। प्रदेश में औषधियों के संवर्धन व संरक्षण के लिए क्या कार्ययोजना होगी ?

– छत्तीसगढ़ वन एवं औषधीय महत्व की विरासत से संपन्न राज्य है। बजट में इस क्षेत्र से जुड़ी कई घोषणाएं भी की हैं। एकीकृत बागवानी योजना के लिए 205 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

• छत्तीसगढ़ में पर्यटन की दृष्टि से विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। आप क्या सोचते हैं?

– छत्तीसगढ़ भौगोलिक एवं सांस्कृतिक रूप से अत्यंत समृद्ध राज्य है। सरगुजा और बस्तर क्षेत्र को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किए जाने की हमारी योजना है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, राज्य के पांच शक्तिपीठों के विकास और जीर्णोद्धार के लिए पांच करोड़ रुपये का प्रविधान किया है।

• राज्य का खजाना लूटने वालों को सजा दिलाने के लिए क्या केंद्र सरकार पर ही निर्भर रहेंगे ?

– हमने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले को लेकर जो वादा किया था, उसे निभाया। इस मामले में जो भी दोषी हैं, कार्रवाई होगी। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने एफआइआर दर्ज कर ली है। सीबीआइ को भी जांच सौंपी गई है। कोयला, शराब, महादेव सट्टा एप, चावल घोटाला, डीएमएफ लगभग हर मामले में जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। भ्रष्टाचार और काले कारनामे करने वाले एक भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोल परिवहन से संबंधित व अन्य स्वीकृतियां देने की प्रक्रिया फिर से आनलाइन की जाएगी। हम दोषियों पर कार्रवाई भी करेंगे और पूरे शासन तंत्र में पारदर्शिता भी सुनिश्चित करेंगे।

अंतरिक्ष फतह करने के लिए तैयार हैं शुभांशु

ऊंची उड़ान

विवेक राव, लखनऊ

हाल ही में पीएम नरेन्द्र मोदी ने गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों के नाम की घोषणा की। इनमें ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला हैं। इनमें से शुभांशु शुक्ला उप्र के लखनऊ से हैं। एनडीए में प्रवेश के बाद फायटर पायलट के रूप में प्रशिक्षित हुए शुभांशु शुक्ला कई बार आसमान का सीना चीरकर बहादुरी दिखा चुके हैं, लेकिन इस बार वह अंतरिक्ष के सफर पर जा रहे हैं। आइए, जानते हैं दुनिया के महत्वपूर्ण मिशनों में से एक पर जाने वाले इस युवा फाइटर पायलट के बारे में :

राजधानी का वायु सैनिक अब अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयान मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों का चयन हुआ है। उसमें से भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इन अंतरिक्ष यात्रियों के नाम की घोषणा की। इनमें लखनऊ के त्रिवेणीनगर के शुभांशु शुक्ला का भी नाम है। साधारण पृष्ठभूमि से निकले शुभांशु बचपन से मेधावी और साहसी रहे। उन्होंने 2002 में सीएमएस अलीगंज से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उन्होंने इससे पहले ही नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) की परीक्षा पास की और वायुसेना में जाने का फैसला किया। तीन वर्ष भारतीय वायुसेना में ट्रेनिंग के बाद फाइटर पायलट शुभांशु अब अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनने पर रोमांचित हैं। विषम परिस्थितियों में दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय प्रदर्शन पर उन्हें इस प्रतिष्ठित मिशन के लिए चुना गया।

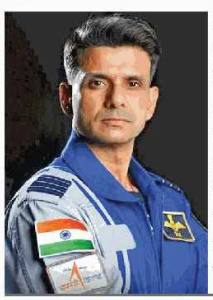

उत्तर प्रदेश सचिवालय में ग्रेड थ्री से सेवानिवृत्त पिता शंभूदयाल शुक्ला बेटे की इस उपलब्धि पर बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि बचपन से ही शुभांशु को अलग-अलग गाड़ियों को चलाने का शौक रहा। वह रफ्तार के दीवाने रहे और इसी को और आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने वायुसेना को चुना। शुभांशु सुखोई 30 एमके आइ, मिग 21, मिग 29, जगुआर जैसे फाइटर प्लेन उड़ा चुके हैं। आसमान की ऊंचाई नापने के बाद वह अंतरिक्ष की उड़ान के लिए तैयार हैं। उनकी मां आशा शुक्ला गृहिणी हैं। शुभांशु के पिता और मां आशा शुक्ला मंगलवार को उनके साथ तिरुवनंतपुरम रहे। अभी कुछ दिन वह बेटे के साथ बंगलुरू में ही रहेंगे। शुभांशु की दो बड़ी बहनें हैं, इसमें एक नोएडा में हैं, दूसरी बहन महानगर में अध्यापिका हैं। शुभांशु की पत्नी डेंटिस्ट हैं, साथ ही बंगलुरू में एक छोटा-सा बिजनेस भी चलाती हैं।

नए अनुभव के लिए रोमांचित हूं : शुभांशु: शुभांशु शुक्ला ने बताया कि मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान में चयन पर मैं काफी रोमांचित हूं। मैंने अंतरिक्ष में उड़ान भरने के विषय में कभी सोचा नहीं था, लेकिन हर तरह के अवसर के लिए खुद को तैयार करता रहा। भरोसा था कि अवसर कभी भी मिल सकता है। उसी तैयारी का आज फायदा मिला है। अंतरिक्ष की यह उड़ान महत्वपूर्ण होगी। बहुत कम देशों ने अंतरिक्ष की उड़ान भरी है। यह दुनिया के लिए महत्वपूर्ण मिशन है, साथ ही अपने देश के लिए भी एक बड़ा अवसर है। मिशन चुनौतीपूर्ण है। मैं पहली बार इस तरह की यात्रा पर निकलूंगा। जो भी सामर्थ्य है, उसे लगाना है। अंतरिक्ष की यह उड़ान मेरे लिए भी नई है। इसके अनुभव लेने के लिए और भी उत्साहित हूं। अंतरिक्ष की यह उड़ान कब होगी, इसके टाइम लाइन के विषय में मैं नहीं बता सकता, लेकिन इसके लिए इंतजार करना भी रोमांचक है।

सैकड़ों आवेदनों में से पहले 12 की पहचान, फिर चार का चयन

गगनयान मिशन के अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए सैकड़ों टेस्ट पायलट ने आवेदन किया था। भारतीय वायुसेना के इंस्टीट्यूट आफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आइएएम) ने वर्ष 2019 में बेंगलुरु में इनमें से 12 टेस्ट पायलटों का सेलेक्शन किया। कई चरणों के बाद इसरो ने चार लोगों का अंतिम चयन किया। इन चारों को शुरुआती प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया। प्रशिक्षण 2021 में पूरा हुआ। अब इन्हें बेंगलुरु में कई एजेंसियां और सशस्त्र बल प्रशिक्षण दे रहे हैं। चारों नियमित रूप से वायुसेना के विमान भी उड़ाते हैं। घोषणा के बाद तैयारियां और तेज हो गई है।

चमकता हुआ सितारा है अनुष अग्रवाला

उपलब्धि

अनुष का अर्थ होता है चमकता हुआ सितारा.... और युवा घुड़सवार अनुष अग्रवाला अपने इस नाम को चरितार्थ कर रहे हैं। पिछले साल एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले इस घुड़सवार ने हाल ही में भारत को ओलिंपिक कोटा दिलाया है। उन्होंने पोलैंड, नीदरलैंड्स, जर्मनी और बेल्जियम के खिलाड़ियों को पछाड़ कर यह उपलब्धि हासिल की है। जानिए इस युवा के बारे में :

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली: अनुष अग्रवाला... यह नाम अब घुड़सवारी की दुनिया में नया नहीं है। पिछले साल आयोजित एशियाई खेलों में घुड़सवारी में भारत के लिए कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज करवा दी थी। इस बार ओलिंपिक में कोटा दिलाकर उन्होंने इस पर मुहर लगा दी कि वह देश के उभरते हुए घुड़सवार हैं। उन्होंने इंटरनेशनल इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन की चार स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश को यह कोटा दिलाया है।

24 वर्षीय भारतीय एथलीट अनुष का जन्म 1999 में दिल्ली में हुआ था, जिन्होंने आठ साल की उम्र में घुड़सवारी शुरू की थी। वह कोलकाता के टालीगंज क्लब में पिता, चाचा और चचेरे भाइयों को देखकर घुड़सवारी के लिए प्रेरित हुए। 11 से 16 साल की उम्र में हर सप्ताहांत में वह कोलकाता जाते और वहां से प्रशिक्षण लेते थे। वह कहते हैं कि मैं अपने परिवार का शुक्रगुजार हूं कि मेरे परिवार ने मेरे सपने को समझा।" तब से वे इस खेल में शामिल हैं। उन्होंने भारत और दुनिया भर में कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। वह एक पेशेवर सवार बनने के लिए यूरोप चले गए, हालांकि यूरोप में कोई भी उन्हें प्रशिक्षित नहीं करना चाहता था।

एशियाड में जगह नहीं बना पाए थे, अवसाद से घिर गए थे: उन्होंने 2018 में एशियाड टीम में जगह बनाने का सपना देखा था, लेकिन चूक गए। जब वह चयनित नहीं हुए तो अवसाद से घिर गए। वह बताते हैं मैं महीनों तक उदास रहा और रात को सो नहीं पाता था। परिजन की मदद से बुरे दौर से बाहर आ गया।

सपना है ओलिंपिक खेलना: अनुष कहते हैं ओलिंपिक में खेलना मेरे बचपन का सपना है और यदि देश के लिए इस ऐतिहासिक पल का गवाह बन पाया तो यह मेरे लिए गर्व का पल होगा। हालांकि इसके लिए मैं कोई अलग तैयार नहीं कर रहा हूं। मैं वही करता रहूंगा, जो मैं हमेशा करता आया हूं। अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए कड़ी मेहनत की जरूरत है। इससे ही लक्ष्य हासिल कर पाएंगे।

अब तक तीन लोगों ने प्रतिनिधित्व किया: महान फवाद मिर्जा ने 2020 टोक्यो खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और उनसे पहले केवल इम्तियाज अनीस (2000), इंद्रजीत लांबा (1996) और दरिया सिंह (1980) ही सबसे बड़े खेल मंच पर प्रतिस्पर्धा कर सके थे।

तीन बड़े रिकार्ड

2022 में इंटरनेशनल इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ड्रेसेज वर्ल्ड कप में 12वां स्थान

2021 में इंटरनेशनल इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ड्रेसेज यूरोपियन चैंपियनशिप में 15वां स्थान

2018 में एशियाई खेलों में टीम ड्रेसेज इवेंट में चौथा स्थान

150 किलो तक वजन सह सकती है प्रोफेसर अंकित की यह 'कुर्सी'

पहली बार मिला पेटेंट

बांस के सामान या मेज-कुर्सियों से हम सभी परिचित हैं, लेकिन क्या आपने ऐसी बांस की कुर्सी के बारे में सुना है, जो 150 किलो तक वजन सह सकती है और 20 साल तक चलेगी... गुजरात के सूरत स्थित वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अंकित कुमार चांगावाला ने बंबूसा बांस से ऐसी कुर्सी बनाई है और भारत में पहली बार बांस की कुर्सी या फर्नीचर को पेटेंट दिलाया है। उनके इस नवाचार से एक ओर जहां दक्षिण गुजरात में बहुतायात में पाया जाने वाला बंबूसा बांस व फर्नीचर निर्माण के क्षेत्र में इसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। खासतौर पर बांस से बने सामान के बाजार को इससे फायदा होगा। आइए, जानते हैं प्रोफेसर व उनके नवाचार के बारे में :

रुमनी घोष, नई दिल्ली

गुजरात के सूरत में स्थित वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अंकित कुमार चांगावाला ने फर्नीचर निर्माण में बांस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में दक्षिण गुजरात की स्थानीय रूप से प्रचुर मात्रा में उपलब्ध बांस की किस्म बंबूसा से बनी एक कुर्सी का पेटेंट कराया है। दक्षिण गुजरात की समृद्ध टेपेस्ट्री में बांस के फर्नीचर या सामानों की परंपरा बहुत पुरानी है। यहां की देशी प्रजाति बंबूसा बांस अपनी ताकत और स्थायित्व के लिए भी जानी जाती है, लेकिन उसे तराशकर देशभर में खास पहचान दिलाने का काम पहली बार हुआ है।

प्रोफेसर अंकित कुमार चांगावाला कहते हैं मुझे लगता है कि बांस फर्नीचर उद्योग का भविष्य है। बांस की यह किस्म मजबूत है और फर्नीचर बनाने के लिए आदर्श है। हालांकि इसकी क्षमता का अभी तक पूरी तरह से दोहन नहीं किया है। इसकी मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मैंने जिस डिजाइन का पेटेंट करवाया है, यह 20 साल तक चल सकती है।

पता ही नहीं था कि मुझे इस काम में इतना आनंद आता है: सूरत में पले-बढ़े अंकित हमेशा से डिजाइनिंग करना चाहते थे, लेकिन उनके पास दिशा की कमी थी। उन्होंने बताया मैं सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर रहा था, यह सोचकर कि इससे मुझे चीजों को डिजाइन करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, पाठ्यक्रम के दौरान, मुझे एहसास हुआ कि यह कुछ ऐसा नहीं था, जिसे लेकर मैं अपना करियर बनाना चाहता था या आगे बढ़ाना चाहता था। मेरे बड़े भाई इंटीरियर डिजाइनर के रूप में काम करने लगे। उनका काम देखने के बाद मुझे अहसास हुआ कि यही मेरा असली जुनून है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें मैं काम करना चाहता हूं। अपनी रुचि को दिशा देने के लिए मैंने वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में इंटीरियर डिजाइन पाठ्यक्रम में दाखिला लेने का फैसला किया। फिर उसी विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में पदस्थ हो गया। पढ़ाई के दौरान पहली बार मैंने यह महसूस किया कि यह काम मुझे कितनी खुशी देता है। हालांकि मुझे अपनी असली पहचान डिजाइनिंग और छात्रों को इसके बारे में शिक्षित करने में मिली।

मणिपुर से आया ख्याल: वह याद करते हैं कि वर्ष 2019 में मणिपुर में विश्व बांस कार्यशाला में भाग लेने का अवसर मिला था। विश्व बांस कार्यशाला बांस और उसके उपयोग पर केंद्रित भारत की पहली संगोष्ठी थी। इसने मुझे नया कुछ सोचने पर मजबूर किया। वहां मुझे बांस के कारीगरों का एक समुदाय मिला, जिनकी कला लुप्त होती जा रही थी। यह उनकी कला को बचाने का एक प्रयास भी माना जा सकता है। मैं नहीं चाहता था कि वे अपनी कला को छोड़कर नौकरियों की तलाश में शहरों की ओर पलायन करें, इसलिए मैंने शहरी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए आधुनिक डिजाइन के साथ दैनिक उपयोग के फर्नीचर बनाने का फैसला किया।

दो साल लगे डिजाइन बनाने में: वर्ष 2021 में प्रोफेसर अंकित ने आधुनिक डिजाइन के फर्नीचर बनाने का काम शुरू किया। उनके साथ थे कुछ छात्र और चार स्थानीय कारीगर। वह कहते हैं पहला कदम बांस को समझना था। कुर्सी का डिजाइन पूरा करने और बनाने में अंकित को लगभग दो साल लग गए। 2023 में मैंने आगे बढ़ने और कुर्सी का पेटेंट कराने का फैसला किया।

अपनी जेब से पैसा लगाकर बनाया फर्नीचर: आमतौर पर इस तरह के प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग की व्यवस्था की जाती है, लेकिन प्रोफेसर अंकित कहते हैं कि मैं फंडिंग के लिए इंतजार नहीं करना चाहता था। लिहाजा मैंने खुद के खर्चे पर ही यह प्रोजेक्ट पूरा किया। मैं विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव पर काम कर रहा हूं, जहां आम लोग आ सकते हैं और कुर्सियां बनाना सीख सकते हैं और अधिक फर्नीचर बनाने के लिए मेरे साथ सहयोग कर सकते हैं।

****

फासेट ने बिना रुके विमान से पूरा किया दुनिया का चक्कर

2005 में आज ही के दिन अमेरिका के स्टीव फासेट बिना रुके विमान से दुनिया का चक्कर पूरा करने वाले पहले व्यक्ति बने थे। उन्होंने प्रायोगिक जेट विमान ग्लोबल फ्लायर से 40,234 किमी की दूरी 67 घंटे में पूरी की। 13 टैंकों वाले इस खास विमान को बनाने में पांच साल लगे थे।

लंदन में बनकर तैयार हुआ दुनिया का सबसे तेज भाप इंजन

1938 में आज ही के दिन लंदन में दुनिया का सबसे तेज भाप इंजन, मल्लार्ड बनकर तैयार हुआ था। इसी वर्ष तीन जुलाई को ए-4 श्रेणी के इस इंजन ने 203 किलोमीटर प्रति घंटे की गति का विश्व रिकार्ड बनाया। यह रिकार्ड आज भी कायम है। इसे इंजीनियर सर निगेल ग्रेस्ले ने डिजाइन किया था।

करगिल युद्ध में संजय कुमार ने चटाई थी दुश्मनों को धूल

सूबेदार मेजर संजय कुमार का जन्म 1976 में आज ही हिमाचल के बिलासपुर में हुआ था। 1998 में 13 जैक रायफल्स में लांसनायक के रूप में सैन्य जीवन शुरू किया। चार जुलाई, 1999 को करगिल युद्ध के दौरान उन्हें जम्मू-कश्मीर में मश्कोह घाटी के सबसे कठिन मोर्चे पर तैनात किया गया। यहां आमने-सामने की लड़ाई में उन्होंने तीन घुसपैठियों को मार गिराया और पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ा। इस युद्ध में अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करने के लिए 2000 में परमवीर चक्र से सम्मानित हुए।

देश को जल्द मिलेगा स्वदेशी क्वांटम कंप्यूटर

शोध ▶ तेजी से गणना करने के लिए करेगा फोटान का उपयोग

क्वांटम कंप्यूटिंग तकनीक से विभिन्न क्षेत्रों में आएगी क्रांति

जागरण संवाददाता, मंडी

देश को जल्द स्वदेशी क्वांटम कंप्यूटर मिलेगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मंडी स्वदेशी क्वांटम कंप्यूटर विकसित कर रहा है। यह कमरे के तापमान में तेजी से गणना करने के लिए फोटान का उपयोग करेगा। क्वांटम कंप्यूटिंग तेजी से उभरती तकनीक है जो पारंपरिक कंप्यूटरों के लिए बहुत जटिल समस्याओं को हल करने के लिए क्वांटम यांत्रिकी के नियमों का उपयोग करती है। यह पहल राष्ट्रीय क्वांटम मिशन का हिस्सा है। यह कंप्यूटर पारंपरिक एल्गोरिदम के बिना 86 पीसी सटीकता के साथ डाटा का विश्लेषण करने और समाधान सुझाने की अद्वितीय क्षमता वाला होगा।

आइआइटी मंडी के प्रयोगशाला में क्वांटम कंप्यूटर बनाने की चल रही है प्रक्रिया। सौ. आइआइटी मंडी

गूगल व आइबीएम जैसी कंपनियों के अपने क्वांटम कंप्यूटर : क्वांटम कंप्यूटिंग को लेकर काफी चर्चा है। गूगल और आइबीएम जैसी कंपनियों ने अपने-अपने क्वांटम कंप्यूटर बनाए हैं जो सुपरकंडक्टिंग जोसेफसन जंक्शन क्वबिट पर आधारित हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग का उपयोग करने के लिए आपको बहुत कम तापमान की आवश्यकता होगी।

स्वयं को अपडेट करने व अपनी मेमोरी को मिटाने में होगा सक्षम : कमरे के तापमान वाला आप्टिकल क्वांटम कंप्यूटर तेजी से गणना करने के लिए फोटान का उपयोग करेगा। क्वांटम बिट्स (क्यूबिट्स) का उपयोग करते हुए कंप्यूटर एक साथ कई स्थितियों में मौजूद रहेगा। इससे तेज प्रसंस्करण की अनुमति मिलेगी।

तीन महत्वपूर्ण घटक किए जा रहे विकसित : संस्थान क्वांटम कंप्यूटिंग प्रणाली को एक साथ 16 टास्क से लेकर 1024 टास्क तक बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके लिए तीन महत्वपूर्ण घटक विकसित किए जा रहे हैं। एक एकल फोटान स्रोत, एक चरण-संवेदनशील एकल फोटान एवलांच डायोड (एसपीएडी) और एक बहुउद्देश्यीय कोइंसिडेंस काउंटर हैं। यह घटक क्वांटम कंप्यूटर के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वीडियो या तस्वीरों जैसे इनपुट को सहजता से संसाधित करेगा

सेंटर फार क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलाजी के अध्यक्ष डा. सीएस यादव ने बताया कि हम एक कमरे के तापमान वाले आप्टिकल क्वांटम कंप्यूटर का निर्माण करने में प्रयासरत हैं जो फीचर लर्निंग और वर्गीकरण की समस्याओं को तुरंत हल करने में सक्षम होगा। हमारा कंप्यूटर सीपीयू के बजाय ग्राफिक्स प्रोसेसर (जीपीयू) के रूप में काम करेगा जो वीडियो या तस्वीरों जैसे इनपुट को सहजता से संसाधित करेगा। क्वांटम एल्गोरिदम बनाना कठिन है। इसमें एल्गोरिदम पर भरोसा किए बिना 86 पीसी सटीकता के साथ अज्ञात बड़े डाटा के लिए तेजी से एक अनुमानित सैद्धांतिक माडल का सुझाव देगा।

डा. सीएस यादव। फाइल

संस्थान में सेंटर फार क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलाजी (सीक्यूएसटी) क्वांटम कंप्यूटिंग तकनीक में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है जो विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति लाने के लिए तैयार है। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के माध्यम से हम आनुवंशिकी, खगोल, भौतिकी, वित्त और मौसम पूर्वानुमान में फीचर सीखने और वर्गीकरण क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से अभूतपूर्व नवाचारों के साथ क्षेत्र को आगे बढ़ा रहे हैं। -प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा, निदेशक, आइआइटी मंडी

मुझ पर कोई दबाव नहीं, मेरा कंप्टीशन खुद से है : सिनी

डा हेडगेवार स्मृति स्थल पहुंची मिस वर्ल्ड प्रतिभागी : 71 वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में शामिल होने आईं छह मिस वर्ल्ड प्रतिभागियों ने नागपुर स्थित डा. हेडगेवार स्मृति स्थल का दौरान किया और आरएसएस संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की। मिस वर्ल्ड अर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मार्ले भी उनके साथ थीं। इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा-'आरएसएस की मानवीय गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह एक अनूठा अनुभव था। एपी

स्मिता श्रीवास्तव, मुंबई

- **71वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं सिनी**
- **कहा, मैं प्रियंका की तरह अपनी राय को खुलकर व्यक्त करती हूं**

भारत में अतिथि देवो भवः की परंपरा है। मेरा सपना था कि मैं भारत का प्रतिनिधित्व करुं, यहां तो पूरी दुनिया ही भारत आ चुकी है। हम इस बार इसकी मेजबानी कर रहे हैं तो बहुत अच्छा लग रहा है। यह कहना है 71वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं सिनी शेट्टी का। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का फाइनल नौ मार्च को मुंबई में आयोजित होगा। इसमें भाग लेने के लिए 117 देशों की प्रतिभागी भारत आ चुकी हैं। प्रतियोगिता का आगाज गत फरवरी से नई दिल्ली से हो चुका है। फिलहाल, सभी प्रतिभागी मुंबई में हैं। इस बीच, मुंबई में आयोजित टैलेंट कंपीटशन राउंड में टाप-23 में सिनी शेट्टी भी चुनी गईं।

लगभग 28 साल बाद इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत कर रहा है। मूलरूप से कर्नाटक निवासी सिनी प्रतियोगिता को लेकर नर्वस होने से इन्कार करती हैं। वह कहती हैं, मैं नर्वस नहीं हूं, बल्कि बहुत खुश हूं। मुझ पर किसी प्रकार का दबाव नहीं है। मेरा कंप्टीशन खुद से है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास रही हूं। यहां आई बहुत सारी प्रतिभागी भारत के बारे में जानने की इच्छुक हैं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि उन्हें इसके बारे में बता पा रही हूं। मैं उन्हें हमारी अनेकता में एकता की संस्कृति के बारे में बताती हूं। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में रीता फारिया, ऐश्वर्या राय, डायना हेडन, युक्ता मुखी, प्रियंका चोपड़ा, मानुषी छिल्लर भारत का नाम रौशन कर चुकी हैं। इनसे मार्गदर्शन लेने को लेकर सिनी का कहना है कि अभी तक किसी से बात नहीं कर पाई हूं, लेकिन उनके सफर से परिचित हूं। वह सिर्फ मेरे लिए नहीं, दुनियाभर के लोगों के लिए प्रेरणा की स्रोत रही हैं। हर किसी ने अपने पीछे खूबसूरत विरासत छोड़ी हैं। मैं इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। हालांकि, वह खुद को प्रियंका चोपड़ा के समान पाती हैं। सिनी कहती हैं कि मैं प्रियंका की तरह अपनी राय को खुलकर व्यक्त करती हूं। वह सिद्धांतों पर चलना पसंद करती हैं। मैं भी उन लोगों में से हूं।

रक्त परीक्षण से होगा सारकाइडोसिस का निदान

लास एंजिल्स, एएनआइ : एक अध्ययन ने तेजी से सारकाइडोसिस का निदान करने के लिए एक उपकरण बनाया है, जो एक पुरानी सूजन वाली बीमारी है, जो फेफड़ों और अन्य अंगों में ग्रैनुलोमा के रूप में जानी जाने वाली छोटी गांठों के गठन की विशेषता है। इस तकनीक में एक एक साधारण रक्त परीक्षण से जांच हो सकती है, इसलिए बीमारी की सटीक पहचान के लिए इस तकनीक को विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। शोध जर्नल आफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित हुआ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित राष्ट्रीय हृदय, फेफड़े और रक्त संस्थान (एनएचएलबीआइ) में फेफड़ा विभाग के निदेशक जेम्स किली ने कहा, ''वर्तमान में, सारकाइडोसिस का निदान करना एक सीधी प्रक्रिया नहीं है। अन्य बीमारियों, जैसे तपेदिक या फेफड़ों के कैंसर से निपटने के लिए ऊतक को हटाने और अतिरिक्त जांच के साथ परीक्षण की आवश्यकता होती है। रक्त परीक्षण का उपयोग करने से तेजी से निदान करने में मदद मिलेगी, खासकर उन अंगों में जो बायोप्सी के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हैं और रोगी को कम नुकसान पहुंचाते हैं।

हालांकि सारकाइडोसिस का सटीक कारण अज्ञात है। शोधकर्ताओं को संदेह है कि यह विशिष्ट एंटीजन के समूह द्वारा उत्पन्न एक प्रतिरक्षा विकार है, जो आम तौर पर बाहरी पदार्थ होते हैं और यह शरीर में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्तेजित करते हैं। इसके बाद उन्होंने एक अत्यधिक विशिष्ट रक्त परीक्षण डिजाइन किया, जिसके लिए केवल थोड़ी मात्रा में रक्त की आवश्यकता होती है। परीक्षण को सत्यापित करने के लिए शोधकर्ताओं ने 386 लोगों के रक्त के नमूनों की तुलना की, जिसमें सारकाइडोसिस के रोगी, तपेदिक के रोगी, फेफड़ों के, कैंसर के रोगी और स्वस्थ व्यक्ति शामिल थे।

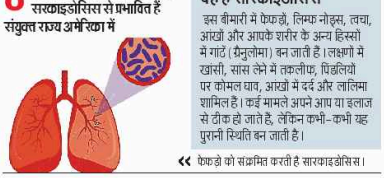

8 से 11 लोग प्रति 100,000 लोग सरकाइडोसिस से प्रभावित हैं संयुक्त राज्य अमेरिका में

यह है सारकाइडोसिस

इस बीमारी में फेफड़ों, लिम्फ नोड्स, त्वचा, आंखों और आपके शरीर के अन्य हिस्सों में गांठें (ग्रैनुलोमा) बन जाती हैं। लक्षणों में खांसी, सांस लेने में तकलीफ, पिंडलियों पर कोमल घाव, आंखों में दर्द और लालिमा शामिल हैं। कई मामले अपने आप या इलाज से ठीक हो जाते हैं, लेकिन कभी-कभी यह पुरानी स्थिति बन जाती है।

« फेफड़ों को संक्रमित करती है सारकाइडोसिस।

जापानी गुड़ियों का पिरामिड

जब भी गुड़ियों का नाम आता है तो जेहन में जापानी गुड़ियां का अक्स उभरता है। सैतामा प्रांत के कोनोन्सु शहर के एक माल में जापानी गुड़िया 'हिना मत्सुरी' प्रदर्शित की गई है। गुड़ियों को पिरामिड में सजाया गया है। हिना एक पारंपरिक गुड़िया है, जिसे रानी के रूप में सजाया जाता है। वैसे, मिट्टी और लकड़ी से बनी गुड़ियां अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और यूरोप में पाई जाती हैं। आधुनिक गुड़िया निर्माण की शुरुआत 15 वीं शताब्दी में जर्मनी में हुई थी, लेकिन आज जापान की गुड़ियों की विशिष्ट पहचान है। यहां प्रतिवर्ष गुड़िया महोत्सव भी मनाया जाता है। एएफपी

इधर-उधर की

बागीचे में मिला विश्व युद्ध के समय का बम शेल्टर

स्लैब से ढका था 160 फीट लंबा बम शेल्टर। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी : ब्रिटेन की रेबेका हाब्सन उस समय दंग रह गईं जब उन्हें पता चला कि उनके घर के बागीचे में द्वितीय विश्व युद्ध के समय का बम शेल्टर मौजूद है। रेबेका 15 वर्षों से इस घर में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसियों ने उन्हें इस शेल्टर के बारे में बताया था लेकिन उन्होंने इसे अफवाह माना। हाल ही में जब उनके पति डैरेन ने बागीचे में फुटपाथ पर मौजूद विशाल स्लैब हटाया तो उन्हें शेल्टर का पता चला। शेल्टर 160 फीट लंबा है। उन्होंने इस शेल्टर का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर साझा किया जिसमें धूल से सनी बोतलें और कटोरे भी दिखाई दे रहे हैं। रेबेका ने बताया कि वह इस शेल्टर से जुड़े इतिहास को खंगालने की कोशिश कर रही हैं। इतिहास को देखना रोचक है।

एआइ की मदद से प्रोस्टेट कैंसर के दो उपप्रकार का पता चला

अनुसंधान

विज्ञानियों ने प्रोस्टेट कैंसर में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए एआइ का प्रयोग किया है। इससे इसके एक नए रूप का पता चला है। विज्ञानियों का कहना है कि शोध बीमारी के निदान और उपचार के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाकर हजारों लोगों की मदद कर सकता है।

आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रमुख शोधकर्ता डैन वुडकाक ने कहा कि शोध दर्शाता है कि प्रोस्टेट ट्यूमर कई मार्गों से विकसित होते हैं, जिससे दो अलग-अलग प्रकार की बीमारी होती है। वुडकाक ने कहा कि यह समझ महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें केवल व्यक्तिगत जीन उत्परिवर्तन या अभिव्यक्ति पैटर्न के बजाय कैंसर कैसे विकसित होता है इसके आधार पर ट्यूमर को वर्गीकृत करने की अनुमति देती है। टीम का उद्देश्य एक आनुवंशिक परीक्षण विकसित करना है, जो पारंपरिक स्टेजिंग और ग्रेडिंग के साथ मिलकर प्रत्येक रोगी के लिए अधिक सटीक पूर्वानुमान प्रदान कर सके, जिससे उसके अनुरूप इलाज के लिए निर्णय लेने में सहायता मिले।

शोधकर्ताओं ने 159 रोगियों के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण का उपयोग कर प्रोस्टेट कैंसर के नमूनों के डीएनए में परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए एआइ का उपयोग किया। उन्होंने न्यूरल नेटवर्क नामक एआइ तकनीक का उपयोग कर इन रोगियों के बीच दो अलग-अलग कैंसर समूहों की पहचान की। उन्होंने सभी सूचनाओं को एकीकृत किया, जिसमें दिखाया गया कि प्रोस्टेट कैंसर के दो उपप्रकार कैसे विकसित होते हैं, जो अंततः दो अलग-अलग रोग प्रकारों में परिवर्तित हो जाते हैं जिन्हें ईवोटाइप्स कहा जाता है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले मैनचेस्टर कैंसर रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर डेविड वेज ने कहा कि वास्तव में यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब तक हम सोचते थे कि प्रोस्टेट कैंसर सिर्फ एक प्रकार की बीमारी है, लेकिन अब एआइ की मदद से दिखाने में सक्षम हो गए हैं कि वास्तव में इसके दो अलग-अलग उपप्रकार काम कर रहे हैं। (प्रेट्र)

कैंसर। फाइल

गुफा की आठ टन वजनी कलाकृति...

सेंट्रल फ्रांस के शाटो द शोमू में स्पेनिश आर्टिस्ट मिकेल वार्सेलो द्वारा तैयार की गई कलाकृति ला ग्रोटे शोमू (द शोमू गुफा)। सिरेमिक से तैयार इस कलाकृति का वजन लगभग आठ टन है। इसे मालोर्का में एक विशेष भट्टी में पकाया गया और पहले नाव से फिर वाहनों के माध्यम से लाकर यहां स्थापित किया गया। एएफपी

स्क्रीन शाट

रिहाना ने झिंगाट गाने पर लगाए देसी ठुमके

यूं तो प्री वेडिंग समारोह उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का चल रहा है, लेकिन शुक्रवार को हुए समारोह की सुर्खियां अंतरराष्ट्रीय पाप गायिका रिहाना ने बटोर ली। जब से खबरें आई थीं कि इस प्री वेडिंग के लिए रिहाना को अंबानी परिवार ने 52 करोड़ रुपये देकर आमंत्रित किया है, तब से वह लगातार इंटरनेट मीडिया पर छाई हुई हैं। फिर चाहे वह रिहाना की परफार्मेंस हो, पैपराजियों के साथ उनका एयरपोर्ट पर तस्वीरें खिंचवाना हो या फिर पुलिसकर्मियों को गले लगाना। इसके साथ ही रिहाना का जो अंदाज सबसे ज्यादा पसंद किया गया, वह रहा अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ उनका देसी गाने पर ठुमका लगाना। जाह्नवी की पहली फिल्म धड़क के गाने झिंगाट... पर रिहाना ने उनके साथ जमकर डांस किया। जब जाह्नवी ने ठुमके लगाना शुरू किया, तो रिहाना ने भी बिल्कुल उनकी तरह ठुमके लगाए। रिहाना ने बिना किसी हिचकिचाहट के देसी ठुमके लगाने में कोई कमी नहीं रखी। इस वीडियो को जाह्नवी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है। इस वीडियो पर उनके प्रशसंकों ने कमेंट करते हुए लिखा कि ये तो बहनें लग रही हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि देसी आर के साथ अंतरराष्ट्रीय आर। यहां कहीं न कहीं आर से उनका मतलब रिहाना से है, जो जाह्नवी को देसी रिहाना कह रहे हैं।

खूब वायरल हो रहा है रिहाना के साथ जाह्नवी का डांस (इंस्टाग्राम) @janhvikapoor

ईशा को आज भी है उनके गुलाबी सपनों के सच होने की उम्मीद

पेशेवर सफर की शुरुआत में हर कलाकार के बड़े-बड़े सपने होते हैं। जब वह धीरे-धीरे संघर्ष करते हुए इंडस्ट्री में अपना रास्ता बनाना शुरू करते हैं, तो उन्हें वास्तविकता और अपने उन सपनों के बीच का अंतर समझ में आता है। हालांकि, कुछ लोग फिर भी अपने इरादों पर अडिग रहते हैं और अपने सपनों को सच करने का हर संभव प्रयास करते हैं। फिल्म कालाकांडी तथा वेब सीरीज सास बहू और फ्लेमिंगो की अभिनेत्री ईशा तलवार भी अपने सपनों को लेकर उम्मीदें बनाए हुए हैं। उनका कहना है, 'मेरे भी गुलाबी सपने थे, मुझे भी लगा था कि मैं करीना कपूर या आलिया भट्ट जैसे बन जाऊंगी। बतौर नवोदित कलाकार आप तो वही सोच कर आते हैं। मुझे अभी भी इच्छा है कि जो काम वहीदा जी (वहीदा रहमान) ने फिल्म गाइड में किया है, मुझे वो करना है। मेरे वो गुलाबी सपने अभी भी उतने ही गुलाबी हैं। मुझे अब भी उम्मीद है कि वो सच होंगे।' सिनेमा जगत में ईशा बिना लाग लपेट के अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। इस पर वह कहती हैं कि जो दिल में होता है, वो बोल देना चाहिए। आप उसके बारे में जितना भी सोचेंगे, उसे सही साबित करने के लिए 50 और चीजों का जोड़-घटाना करना पड़ेगा। (हंसते हुए) मेरी जिंदगी में वैसे भी अभी तक विवाद तो हुआ नहीं है...तो मेरे बोलने में कोई समस्या नहीं है।

मिर्जापुर 3 में फिर माधुरी की भूमिका में दिखेंगी ईशा तलवार : (इंस्टाग्राम) @talwarisha

बचना ऐ हसीनों से कट गया था कट्रीना कैफ का रोल

राजनीति और भारत फिल्म की अभिनेत्री कट्रीना कैफ का भी रोल जब यशराज फिल्म्स से काटा गया था, तो उन्हें पहले तो बुरा महसूस हुआ था, लेकिन आज वह इस बात को एक सीख की तरह लेती हैं। कट्रीना वह किस्सा साझा करते हुए कहती हैं कि रणबीर कपूर की दूसरी फिल्म बचना ऐ हसीनों की कहानी पहले तीन नहीं, चार अभिनेत्रियों के साथ बनने वाली थी। चौथी अभिनेत्री मैं थी, लेकिन पेपर पर ही वह रोल काट दिया गया। शायद फिल्म उसकी वजह से लंबी हो रही थी। पता नहीं क्या हुआ, लेकिन मुझे आदित्य चोपड़ा (निर्माता) ने आफिस बुलाकर कहा कि इस किरदार को काटना होगा। मैंने कहा आप मजाक कर रहे हैं। मेरे लिए बड़ी बात थी, पहली बार मुझे यशराज फिल्म्स की इतनी बड़ी फिल्म में कास्ट किया जा रहा था। खैर, उसके बाद उन्होंने काफी साल बाद मुझे जिस फिल्म के लिए बुलाया, उसकी कहानी सुनने के बाद मुझे लगा कि मुझसे बचना ऐ हसीनों जैसी बड़ी फिल्म लेकर आर्ट फिल्म न्यूयार्क आफर कर रहे हैं। मैं बहुत खुश नहीं थी। सलमान (खान) ने मुझे इस फिल्म को करने के लिए तैयार किया, लेकिन उस फिल्म के सेट पर जो अनुभव रहा, वह कमाल था। न्यूयार्क फिल्म के सेट पर जिनसे दोस्ती हुई, वह आज तक मेरे सबसे करीबी दोस्त हैं।

न्यूयार्क फिल्म के सेट पर बने दोस्त आज भी हैं कट्रीना की जिंदगी में। फाइल

जब राजकुमार से ब्रेकअप कर फिर उन्हीं के पास आईं पत्रलेखा...

कई बार आपसी नासमझी के कारण रिश्तों में दूरी बन जाती हैं, हालांकि अगर प्रयास किया जाए, तो उस दूरी को हटाकर रिश्ते पहले जैसे सामान्य किए जा सकते हैं। करीब एक दशक तक एकदूसरे को डेट करने के बाद साल 2021 में परिणय सूत्र में बंधे अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री पत्रलेखा का रिश्ता भी कुछ ऐसे ही उतार-चढ़ाव भरा रहा। पत्रलेखा आगामी दिनों में फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में नजर आएंगी। यह फिल्म भी प्यार, रिश्ते, ब्रेकअप और फिर सफर पर निकले कुछ दोस्तों की कहानी है। अपने ब्रेकअप से जुड़ी दिलचस्प कहानी साझा करते हुए पत्रलेखा ने बताया, 'यह थोड़ा अजीब है, लेकिन शुरू-शुरू में मेरा राज (राजकुमार) के साथ ब्रेकअप हो गया था। तब मैं बहुत रोई, बहुत परेशान हुई। मुझे लगा कि मैं मुंबई छोड़कर कहीं और चली जाती हूं। मैं अपने बेस्ट फ्रेंड के साथ गोवा चली गई। वहां जाकर उसने मुझे बहुत समझाया कि मत रोओ, सब कुछ ठीक हो जाएगा, अपने काम और करियर पर फोकस करो। फिर मैंने कहा कि ठीक है। मैं वहां से वापस आई और फिर मैं राज के साथ रिलेशनशिप में आ गई। मेरे उस दोस्त को इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था, इसी बीच उसने हमें साथ में टीवी पर देखा। उसके बाद तो वह मुझसे बहुत ज्यादा गुस्सा हुआ। हालांकि, वह आज भी मेरा बेस्ट फ्रेंड है।' राजकुमार आगामी दिनों में स्त्री 2 और श्री फिल्मों में नजर आएंगे।

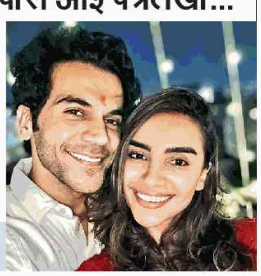

साल 2021 में राजकुमार और पत्रलेखा ने रचाई थी शादी। इंटरनेट मीडिया »

****